हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 18 अगस्त 2024 | वर्ष : 02 अंक : 97 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

उप्र सरकार ने निष्पक्षता से काम नहीं किया :सहायक अध्यापक भर्ती पर अदालत के आदेश के बाद बोलीं मायावती

एजेंसी

नई दिल्ली:बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने 69,000 सहायक अध्यापकों की भर्ती के लिए नयी चयन सूची तैयार करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश का शनिवार को स्वागत किया।

मायावती ने कहा कि उच्च न्यायालय के फैसले से साबित होता है कि राज्य सरकार ने अपना काम निष्पक्षता से नहीं किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, उत्तर प्रदेश में 2019 में चयनित 69,000 शिक्षक अभ्यार्थियों की चयन सूची को रद्द करके तीन महीने के भीतर नयी सूची बनाने के उच्च न्यायालय के फैसले से साबित होता है कि सरकार ने अपना काम निष्पक्षता और ईमानदारी से नहीं किया।इस मामले में पीड़ितों, खासकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को न्याय मिलना सुनिश्चित हो। बसपा प्रमुख ने कहा, वैसे भी सरकारी पदों के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक के कारण उत्तर प्रदेश सरकार की काफी आलोचना हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिट में ग्लोबल साउथ देशों के बीच एकता का आह्वान किया

दुनिया अभी भी कोविड-19 के प्रभावों से उबर रही है,

वर्चुअल रूप से आयोजित तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में बोलते हुए मोदी ने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में इन देशों का समर्थन करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

एजेंसी

नई दिल्ली:प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विकासशील देशों, खासकर खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पर वैश्विक अनिश्चितताओं के प्रभाव पर चिंता व्यक्त की। वर्चुअल रूप से आयोजित तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में बोलते हुए मोदी ने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में इन देशों का समर्थन करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।पीएम मोदी ने कहा कि जबकि दुनिया अभी भी कोविड-19 के प्रभावों से उबर रही है, चल रहे भू-राजनीतिक तनावों ने कई देशों के विकास पथ को और जटिल बना दिया है। उन्होंने कहा, "हम न केवल जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, बल्कि स्वास्थ्य, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं हैं।

आतंकवाद और तकनीकी विभाजन को संबोधित करते हुए

प्रधानमंत्री ने आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के लगातार खतरों के बारे में भी चेतावनी दी। उन्होंने बढ़ते तकनीकी विभाजन और तकनीकी प्रगति से संबंधित नई आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों के उभरने पर प्रकाश डाला।प्रधानमंत्री ने मौजूदा वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थाओं की आलोचना करते हुए कहा कि वे 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान करने में विफल रहे हैं।उन्होंने विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए एक मंच के रूप में वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान, देश का एजेंडा ग्लोबल साउथ की अपेक्षाओं और प्राथमिकताओं के साथ संरेखित था।अपनी टिप्पणी के समापन पर, मोदी ने ग्लोबल साउथ देशों के बीच एकता के महत्व पर जोर दिया और कहा कि यह सामूहिक ताकत उन्हें एक नई दिशा में मार्गदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, "वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट एक ऐसा मंच है जहां हम उन लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं को आवाज देते हैं जिनकी अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।

वैश्विक शासन में सुधार का आह्वान

प्रधानमंत्री ने मौजूदा वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थाओं की आलोचना करते हुए कहा कि वे 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान करने में विफल रहे हैं। उन्होंने विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए एक मंच के रूप में वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान, देश का एजेंडा ग्लोबल साउथ की अपेक्षाओं और प्राथमिकताओं के साथ संरेखित था।

केंद्र सरकार ने डॉक्टरों से की काम पर लौटने की अपील, सुरक्षा का दिया आश्वासन

एजेंसी

नई दिल्ली:केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को डॉक्टरों से कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ हुए जघन्य बलात्कार और हत्या के खिलाफ अपनी देशव्यापी हड़ताल खत्म करने को कहा और उन्हें आश्वासन दिया कि स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए सुरक्षा उपायों का प्रस्ताव देने के लिए एक समिति बनाई जाएगी। केंद्र के अनुसार, इस समिति में राज्य सरकारों सहित सभी संबंधित हितधारकों से इनपुट शामिल होंगे, जिन्हें अपनी अंतर्दृष्टि और सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।यह तब हुआ जब देश भर के डॉक्टर कोलकाता के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु डॉक्टर की क्रूर हत्या और बलात्कार के विरोध में 24 घंटे की हड़ताल कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान, आवश्यक सेवाओं और आपातकालीन देखभाल को छोड़कर सभी स्वास्थ्य सेवाएँ निलंबित कर दी गईं। चिकित्सा समुदाय न्याय और तत्काल सुधारों की मांग कर रहा है, जिसमें रेजिडेंट डॉक्टरों के काम करने और रहने की स्थिति में सुधार और कार्यस्थल पर होने वाली हिंसा से स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की रक्षा के लिए एक केंद्रीय कानून का कार्यान्वयन शामिल है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने आज दिल्ली में फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (ऋडफळअ), इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (क्टअ) और सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बैठक में, स्वास्थ्य सेवा संघों ने अपने कार्यस्थलों पर स्वास्थ्य सेवा कर्मियों की सुरक्षा और संरक्षा के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने केंद्र के समक्ष अपनी मांगें रखीं,।

मंत्रिमंडल ने जून से दो लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी: वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली:केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को कर्नाटक और महाराष्ट्र में मेट्रो रेल के जरिये शहरों के भीतर संपर्क बढ़ाने और बिहार तथा उत्तर पश्चिम बंगाल में हवाई संपर्क सुधारने के लिए पांच बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी।सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार ने जून में पदभार संभालने के बाद से करीब दो लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि इससे यह साफ हो गया कि सरकार की प्राथमिकता रोजगार सृजन और आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने की है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कर्नाटक के बेंगलुरु और महाराष्ट्र के ठाणे तथा पुणे में मेट्रो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री ने ह्यएक्सह्न पर पोस्ट में कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं कि महाराष्ट्र को आधुनिक बुनियादी ढांचा मिले।

सपा का पीडीए है परिवारवाद, दबंग और अपराधी को छिपाने का मुखौटा : सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

नई दिल्ली:भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने महिलाओं के खिलाफ अपराध की हालिया घटनाओं को लेकर विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियाह्न के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का ह्यपीडीएह्न परिवारवादियों, दबंगों और अपराधियों को छिपाने का मुखौटा है।पिछले लोकसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए का नारा गढ़ा था - जिसमेंह्यपीपिछड़े, डी दलित और और ह्यएह्न अल्पसंख्यक

के लिए है क्योंकि ये वर्ग पार्टी केलिए वोट के आधार हैं।त्रिवेदी ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ह्यह्यपीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) का नारा देने वाले अखिलेश यादव से मैं कहना चाहता हूं कि पीडीए मुखौटा है ।

'युवाओं के भविष्य के साथ नहीं होने देंगे खिलवाड़', योगी बोले- आज यूपी निवेश के लिए ड्रीम डेस्टिनेशन

एजेंसी

उत्तर प्रदेश:उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी को भी खिलवाड़ करने की छूट नहीं दी जाएगी।इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर कोई खिलवाड़ करेगा तो उसकी पूरी संपत्ति जब्त कर दी जाएगी। योगी आदित्यनाथ जनपद स्तरीय वृहद रोजगार एवं ऋण मेला के अंतर्गत जनपद अम्बेडकरनगर में युवाओं को नियुक्ति-पत्र, विभिन्न योजनाओं के

पात्रों को ऋण और विद्यार्थियों को टैबलेट वितरण हेतु आयोजित कार्यक्रम में बोले रहे थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 7 साल पहले उत्तर प्रदेश को भारत का 'डार्क स्पॉट' माना जाता था। कहा जाता था कि यूपी भारत के विकास में बाधक है। आज यूपी एक उजला स्थान बन गया है और भारत के विकास में अपना योगदान देने में सबसे आगे है। यहां दंगे और अराजकता थी, माफिया हावी थे, बेटियां और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। उन्होंने कहा कि आज यूपी निवेश के लिए एक ड्रीम डेस्टिनेशन है। हम किसी को भी युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे।

अमित शाह ने मेट्रो, हवाई अड्डा परियोजनाओं पर मंत्रिमंडल के फैसले की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली:केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बेंगलुरु, ठाणे और पुणे में मेट्रो परियोजनाओं तथा बागडोगरा और बिहटा में हवाई अड्डे के विस्तार की योजना से संबंधित केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की शुक्रवार को सराहना करते हुए कहा कि इन पहलों से पर्यटन, वित्तीय और शैक्षिक केंद्रों के रूप में उनकी प्रमुखता बढ़ेगी।शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मजबूत अर्थव्यवस्था का निर्माण करने के

लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण पर काम करते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बेंगलुरू, ठाणे और पुणे में तीन प्रमुख मेट्रो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है।उन्होंने कहा, बेंगलुरु में मेट्रो रेल परियोजना से शहर वित्तीय रूप से मजबूत होगा। वहीं ठाणे और पुणे मेट्रो परियोजनाएं पर्यटन और शिक्षा केंद्रों के रूप में उनकी प्रमुखता को बढ़ाएंगी। दूरदर्शी पहल के लिए मोदी जी का आभार।अर्थव्यवस्था का निर्माण करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण पर काम करते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बेंगलुरू, ठाणे और पुणे में तीन प्रमुख मेट्रो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू दिल्ली पहुंचे, प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्रियों से मिलेंगे

एजेंसी

आंध्र प्रदेश :आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू केंद्रीय मंत्रियों से मिलने और पोलावरम सिंचाई परियोजना सहित राज्य के अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख का शुक्रवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मिलने का कार्यक्रम है। सूत्रों ने बताया कि शनिवार को उनके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री

अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित अन्य केंद्रीय मंत्रियों से भी मिलने की संभावना है।राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रमुख भागीदार तेदेपा कर्ज में डूबे आंध्र प्रदेश के पुनर्निर्माण के लिए केंद्रीय सहायता और समर्थन की मांग कर रही है। केंद्र ने राज्य की नयी राजधानी के विकास के लिए केंद्रीय बजट में 15,000 करोड़ रुपये की घोषणा की है।सूत्रों ने बताया कि शनिवार को उनके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित अन्य केंद्रीय मंत्रियों से भी मिलने की संभावना है।

सिद्धारमैया बोले- राज्यपाल का फैसला संविधान विरोधी, पूरी पार्टी मेरे साथ, डीके शिवकुमार का भी आया बयान

एजेंसी

कर्नाटक:मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ कर्नाटक के राज्यपाल द्वारा कथित टवऊअ घोटाले में मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने को लेकर लेकर राजनीति तेज हो गई है। भाजपा पूरे मामले को लेकर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। हालांकि, पूरे मामले को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। सिद्धारमैया ने कहा कि पूरा मंत्रिमंडल, पार्टी हाईकमान, सभी विधायक, एमएलसी, लोकसभा और राज्यसभा सांसद मेरे साथ हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के राज्यपाल का फैसला संविधान विरोधी और कानून के खिलाफ है। इसे अदालत में चुनौती दी जाएगी।कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का भी बयान सामने आया है। डीके शिवकुमार ने कहा कि यह पूरी तरह से असंवैधानिक और कानून के खिलाफ है। सीएम सिद्धारमैया के नेतृत्व में एक मजबूत सरकार है। वे (बीजेपी) राज्यपाल के कार्यालय का उपयोग करके सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मेरे सीएम किसी दबाव में नहीं आएंगे। उनके इस्तीफा देने का कोई सवाल ही नहीं है। वे पद पर बने रहेंगे। हम सब एकजुट हैं, पूरी पार्टी उनके साथ खड़ी है। सीएम का बचाव करते हुए शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ भी गलत नहीं किया है। यह पूरी तरह से एक राजनीतिक मुद्दा है।

अन्याय के खिलाफ लड़ाई में इंडिया आपके साथ है: राहुल ने केजरीवाल से कहा

संवाददाता

नई दिल्ली:लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि अन्याय के खिलाफ लड़ाई में विपक्षी गठबंधन इंडिया दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ है। गांधी ने यह टिप्पणी केजरीवाल को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए की।केजरीवाल शुक्रवार को 56 वर्ष के हो गए। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आशा करता हूं कि आप स्वस्थ रहें, खुशहाल रहें।उन्होंने कहा, अन्याय के विरुद्ध इस लड़ाई में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्ल्यूसिव अलायंस (इंडिया) आपके साथ है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा हैं।एकजुटता दिखाते हुए, राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी (आप) के कई प्रमुख सदस्यों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं, जो

वर्तमान में जेल में हैं। गांधी ने विशेष रूप से कहा कि राष्ट्र केजरीवाल के 'अन्याय के खिलाफ युद्ध' में उनका समर्थन करता है। गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। मुझे आशा है कि आप स्वस्थ और खुश रहेंगे। अन्याय के खिलाफ इस युद्ध में आपके साथ है। आपको बता दें कि भाजपा के खिलाफ लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों ने क्छउक्रअ गठबंधन बनाया था। केजरीवाल की पार्टी आप भी उसकी सदस्य है। हालांकि, हरियाणा और दिल्ली में आप ने अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया और देश की न्यायपालिका पर अटूट विश्वास जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'दिल्ली के लोग अपने सीएम अरविंद केजरीवाल के जन्मदिन पर शुभकामनाएं भेज रहे हैं। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। इस राजनीतिक साजिश में मुझे पूरा विश्वास है कि देश का संविधान अभी भी बरकरार है और सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र की रक्षा करेगा और जल्द ही न्याय देगा।'आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और कहा कि पार्टी सुप्रीमो देश में चल रही तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई लड़ रहे हैं। अपने एक्स पोस्ट में सिसोदिया ने कहा कि देश में चल रही तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई लड़ने ।

ममता सरकार ने घोंटा मानवीय संवेदना और लोकतांत्रिक मूल्यों का गला - डॉ. मृणाल

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने कोलकाता कांड के विरोध में ममता बनर्जी का पुतला फूंका

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने प्रदेश संयोजक डॉ. बी. झा मृणाल के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंका। कोलकता में महिला डॉक्टर के साथ हुई नृशंस घटना और उसके बाद विरोध प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर और आम नागरिकों की आवाज दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए डॉ. मृणाल ने कहा कि ममता सरकार मानवीय संवेदना और लोकतांत्रिक मूल्यों का गला घोंट रही है।

डॉ. बी. झा मृणाल ने आगे कहा कि जब पश्चिम बंगाल में लोगों को नया जीवन देने वाले डॉक्टर के साथ ऐसा हो सकता है तब आमलोगों की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। कोलकाता में जो कुछ हुआ उससे पूरी मानवता शर्मसार हुई है। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार को तत्काल भंग कर वहाँ राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। ध्यातव्य है कि भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने आईएमए द्वारा घोषित 24 घंटे की हड़ताल के समर्थन की घोषणा भी की और डॉ. मृणाल के नेतृत्व में पूरी टीम प्रदेश भर में हड़ताल को अभूतपूर्व सफलता दिलाने में जुटी रही।इस दौरान डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. प्रियरंजन, डॉ. बैद्यनाथ कुमार, डॉ. अविनाश कुमार, डॉ. भावना झा, डॉ. बीरेन्द्र नाथ मौर्या, डॉ. सोनाली श्रीवास्तव, डॉ. नरेन्द्र यादव, डॉ. श्याम पांडेय सहित सैकड़ों डॉक्टर मौजूद रहे।

मुजफ्फरपुर रेप मर्डर केस : यूपी की तर्ज पर बिहार.. बुलडोजर लेकर आरोपी के घर पहुंची पुलिस

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार : मुजफ्फरपुर में महादलित लड़की से रेप और हत्या के मामले में आरोपी संजय यादव के घर बुलडोजर लेकर पुलिस पहुंची है। यूपी की तर्ज पर बिहार में भी आरोपी के घर पर एक्शन शुरू हो गया है, घर से सामान, दरवाजे और खिड़कियां निकालकर कोर्ट के आदेश पर पुलिस कुर्की करने पहुंची है। मृतक लड़की के घर बहुजन समाज पार्टी के साथ साथ भीम आर्मी के कार्यकताओं का भी हुजूम उमड़ा हुआ है। कार्यकर्ता पुलिस की कार्यशैली के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। बता दें कि मायावती ने मुजफ्फरपुर रेप हत्याकांड को लेकर सोशल मीडिया पर ट्वीट कर निशाने पर लिया. जिसके बाद कार्रवाई में तेजी आई है। बता दें कि नाबालिग की उम्र महज 14 साल की थी, उसके साथ जितनी हैवानियत की गई वो काफी भयानक थी। लड़की के साथ न सिर्फ रेप किया गया बल्कि उसके प्राइवेट पर कई बार चाकू मारा गया। स्तन तक काट लिए गए, इतनी भयानक मौत कि रूह तक कांप जाए। मृतक की मां ने इस वारदात को लेकर मुख्य आरोपी संजय यादव समेत 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। अपनी शिकायत में उन्होंने गैंगरेप की आशंका जताई, ये वारदात ठीक कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई हैवानियत की तरह ही था। दरिंदे उस नाबालिग बच्ची के शरीर को तार-तार कर रहे थे। उसकी आत्मा तक तड़प उठी, मुजफ्फरपुर एसएसपी ने बताया कि 12 अगस्त को 14 साल की एक लड़की का शव बरामद हुआ था। पोस्टमार्टम कराया गया तो उसके सिर, गर्दन, हाथ में चोट के निशान पाए गए, उसकी मां ने केस दर्ज कराया, मृतक की मां ने बताया कि आरोपी उसकी छोटी बेटी से शादी करना चाहता था।मुख्य आरोपी संजय यादव वारदात के बाद से ही फरार है, जिसके चलते कोर्ट से आदेश के बाद आरोपी के घर को बुलडोजर से गिराने की तैयारी चल रही है। एक ट्रैक्टर ट्रॉली में भरकर उसके घर का सामान निकाल लिया गया है, इस मामले में संजय यादव को भागने में मदद करने वाले आरोपी को पुलिस ने पकड़ा है।

मुजफ्फरपुर के पारु में नाबालिक दलित युवती के साथ दुष्कर्म की घटना बेहद निंदनीय है

अरुण भारती के नेतृत्व में जाकर पीड़ित परिवार वालो से मिलकर उन्हें चला संत्वना दी

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जमुई सांसद श्री अरुण भारती ने आज राज्य मुख्यालय पटना में प्रेस संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हम लोग ने कल जहानाबाद के शकूराबाद और मुजफ्फरपुर के पारु में नाबालिक दलित युवती के साथ दुष्कर्म की घटना बेहद निंदनीय है और सभ्य समाज के लिए शर्मसार करने वाली घटना है इस घटित घटना के पश्चात लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास का जांच दल जमुई सांसद अरुण भारती के नेतृत्व में जाकर पीड़ित परिवार वालो से मिलकर उन्हें चला संत्वना दी और पूरी घटना की जानकारी ली। अभी भी पीड़ित परिवार भयभीत है, क्योंकि आरोपित पक्ष की तरफ से अभी भी धमकियां दी जा रही है। ऐसे में हम लोगों ने जो जांच पाया और इस जांच की रिपोर्ट हम लोगों ने केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान जी को उपलब्ध करा दिया है। और इसको लेकर श्री चिराग पासवान जी माननीय मुख्यमंत्री से मिलकर पीड़ित परिवार को हर संभव मदद तथा उनके परिजनों को सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था तथा न्याय दिलवाने की मांग करेंगे।

पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज अहमद कैफी, महिला सेल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ईनदू कश्यप, मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट ,महिला सेल प्रदेश अध्यक्ष शोभा सिन्हा पासवान, चिकित्सा प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार, अति पिछड़ा प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार मौजूद थे।

मुजफ्फरपुर में किशोरी की हत्या के बाद शोकाकुल परिजनों से मिलने पहुंचे मंत्री जनक राम, न्याय का दिया भरोसा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 17 अगस्त। बिहार के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जति कल्याण मंत्री जनक राम मुजफ्फरपुर जिला के पारु थाना के ग्राम लालू छपरा(नया टोला) मे दलित समाज की लड़की के साथ हुए अमानवीय घटना की सूचना मिलने पर शोकाकुल परिजनों से मिलने आज उनके आवास पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि अपराधी कोई भी हो एनडीए सरकार मे बचेगा नहीं। इस दौरान श्री राम ने सरकार द्वारा मिलने वाली विभागीय राशि का चेक भी परिवार को सौंपा। उन्होंने कहा कि आगे भी परिजन के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। बिहार सरकार के मंत्री श्री राम ने कहा कि पुलिस कोर्ट के आदेश के बाद इस मामले में आरोपी के घर की कुर्की जब्ती कर चुकी है। पुलिस की तीन टीम आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। न्होंने कहा कि यह सुशासन का राज है यहां अपराधी पाताल में भी रहेगा तो पुलिस उसे खोजकर जेल पहुंचाएगी। उन्होंने इस क्रम में साफ लहजे में कहा कि पुलिस इस मामले को लेकर संजीदा है। ऐसे मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए। यह सरकार किसी अपराधी को नहीं बचाती।

देश की जरूरत है सभी के लिए एक कानून सम्मान नागरिक संहिता कानून :- अरविन्द सिंह

देश में समान नागरिक संहिता लागू होने से संविधान के प्रस्तावना एवं धारा 14 और 44 को न्यायोचित मायने में सम्मान मिलेगा

■ राशनकार्ड के लिये ऑनलाइन प्राप्त लंबित आवेदनों के निष्पादन हेतु चलेगा 7 दिनों का विशेष अभियान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

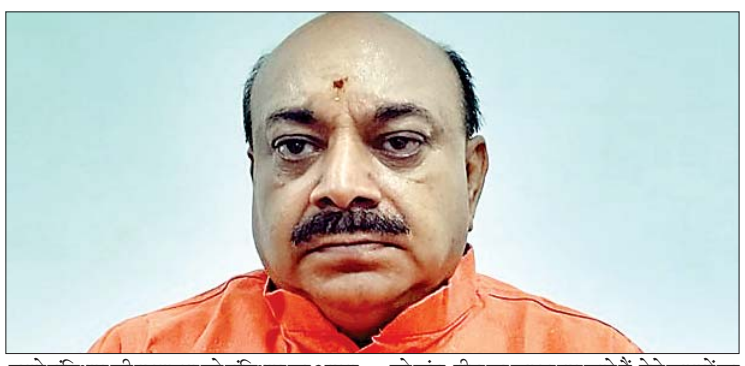

पटना, 17 अगस्त : - भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि देश में समान नागरिक संहिता लागू होने से संविधान के प्रस्तावना एवं धारा 14 और 44 को न्यायोचित मायने में सम्मान मिलेगा। वास्तव में समान नागरिक संहिता की स्थापना एक संवैधानिक विशेषाधिकार है। देश में समानता लाने के दृष्टिकोण से भी यह महत्वपूर्ण है की सभी के लिए एक कानून हो। संविधान में यूसीसी के पक्ष में ठोस आधार है। अनुच्छेद 15 धर्म, जाति, लिंग और जन्म स्थान आदि के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को रोकता है। वहीं अनुच्छेद 44 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि राज्य पूरे भारत के क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता लाने का प्रयास करेगा। हमारे संविधान की प्रस्तावना को संविधान का आत्मा एवं प्राण माना जाता है। हमारे देश में सर्वोच्च न्यायालय में बार बार समान नागरिक संहिता को लेकर के चर्चा की हैं, अनेक बार आदेश दिए हैं। जिस सिविल कोड को हम लेकर के जी रहे हैं वो सिविल कोड सांप्रदायिक सिविल कोड है, भेदभाव करने वाला सिविल कोड है। जो कानून धर्म के आधार पर देश को बांटते हैं, जो ऊंच-नीच का कारण बन जाते हैं, ऐसे कानूनों का आधुनिक समाज में कोई स?थान नहीं हो सकता है। श्री अरविन्द ने कहा कि समानता एक संवैधानिक वादा भी है। पिछले सात दशकों के दौरान यह न्यायिक संघर्ष और राजनीतिक अभिव्यक्ति का विषय रहा है। सवाल है कि जब विवाह और उत्तराधिकार जैसे मुद्दों की बात आती है तो क्या कानून के स्तर पर समानता है? जब भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के रूप में एक समान आपराधिक कानून है तो फिर विवाह, तलाक, उत्तराधिकारी आदि मुद्दों को नियंत्रित करने वाली एक नागरिक संहिता क्यों नहीं हो? श्री अरविन्द ने कहा कि अब समय की मांग है, की अब देश में एक धर्मनिरपेक्ष सिविल कोड हो, हमने सांप्रदायिक सिविल कोड में 75 साल बिताएं हैं। अब देश को सेकुलर सिविल कोड की अत्यधिक जरूरत है, और तब जाकर के देश में धर्म के आधार पर जो भेदभाव हो रहें है, सामान?य नागरिकों को जो दूरी महसूस होती है, उसमें हमें मुक?ति मिलेगी। वहीं दूसरी ओर संविधान की भावना भी जो हमें कहती है करने के लिए, देश की सर्वोच्च न्यायालय भी हमें जो कहता है करने के लिए और तो और जो संविधान निमार्ताओं का सपना रहा था, उस सपने को भी पूरा करना हम सभी का दायि?व है। और हम तब जाकर एक देश एक विधान एक संविधान और एक निशान के मंत्र को साकार करेंगे।

कोलकाता मे डॉक्टर से हैवानियत पर सिवान, महाराजगंज मे जमकर विरोध प्रदर्शन डॉक्टरों ने किया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज 17 अगस्त शनिवार। पश्चिम बंगाल के कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रशिक्षु जूनियर महिला डॉक्टर से रेप, हत्या के बाद सिवान मे डॉक्टरों ने अपने अपने नर्सिंग होम को बंद रखा।और महाराजगंज अनुमंडल अस्पताल के डॉक्टर सुमित कुमार सिंह के नेतृत्व मे काली पट्टी बांध कर विरोध जताया।बता दे की डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन से आम जनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आय लोग बीना इलाज के ही लौट रहे है। वही कई नर्सिंग होम मे ताला बंद दिख रहे है तो कई अस्पताल आपातकालीन सेवा दे रहे है जो मानवता को कायम रखे है। वही डॉक्टरों की मांग है की सरकार डॉक्टरों को सुरक्षा प्रदान करें और हत्या आरोपी को जल्द से जल्द सजा दे

बुनकरों के संवरेगी तकदीर क्रेता विक्रेता से बढ़ेगा रोजगार को लेकर हुआ सम्मेलन का आयोजन

हस्तकरघा उधोग को लेकर बुनकरों के बीच हुआ सम्मेलन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
राजेश कुमार चौधरी,

हुसैनगंज (सीवान) सीवान जिले के बुनकरों के अब संवरेगी तकदीर। इसको लेकर क्रेता व विक्रेता से रोजगार बढ़ाने को लेकर जिले के नगर पंचायत गोपालपुर के स्थानीय जमाल हाता के हस्तकरघा बुनकरों के बीच जिले के एक होटल में सम्मेलन का आयोजित किया गया। जिसमें भारतीय हस्तकरघा विकास कार्यक्रम के तहत निरंजन पंडित सिडिई जमालहाता 2 के द्वारा क्रेता व विक्रेता सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक प्रवीर कुमार सिन्हा थे। वहीं क्रेता के रूप में भागलपुर से पांच कारोबारी एवं छपरा से दो कारोबारी शामिल हुए थे। इनके अतिरिक्त उस सम्मेलन में जमालहाता क्लस्टर से 150 बुनकर शामिल हुए।कार्यक्रम में हस्तकरघा क्लस्टर से जुड़े बुनकरों ने अपने उत्पादों के साथ पहुंचे थे।इस सम्मेलन का उद्घाटन सीवान जिला उद्योग के महाप्रबंधक प्रवीर कुमार सिन्हा, बुनकर संघ के निदेशक रूहुल अमीन अंसारी, क्रेता अवधेश कुमार,संदिप कुमार, रोहित चैरनीया,ओम प्रकाश दास, विक्की कुमार,राज कुमार, जुल्फेकार अली द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस सम्मेलन में स्थानीय बुनकरों को बाहरी क्रेताओं के साथ संपर्क कराया गया। बुनकरों ने बनाये गए अपने कपड़ों की उत्पाद की प्रदर्शनी भी लगाई।जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक प्रवीर कुमार सिन्हा ने कहा कि सीवान जिला हस्तकरघा क्षेत्र में राज्य में एक अहम स्थान रखता है।वहीं हस्तकरघा संघ के चेयरमैन रुहुल अमीन अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि अगर सरकार विशेष ध्यान बुनकरों पर दें तो उनकी माली हालत में सुधार होते हुए सस्ते और टिकाऊ वस्त्र बाजारों में बिक्री के लिए जायेगा। प्रदर्शनी बुनकरों बताया कि हमलोगों के उत्पाद के बावन बूटी चादर,मैट,बेड सीट एवं साड़ी की मांग पूरे राज्य एवं देश में भी है।

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बलराम मंडल की अध्यक्षता में

प्रदेश कार्यालय में ओबीसी मोर्चा का बैठक आहूत की गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 17 अगस्त । भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बलराम मंडल की अध्यक्षता में कैलाशपति मिश्र सभागार के प्रदेश कार्यालय में ओबीसी मोर्चा का बैठक आहूत की गई । इस बैठक में शहीद रामफल मंडल जी के शहादत दिवस 23 अगस्त 2024 को 11.00 बजे पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल सभागार में शहादत दिवस मनाने का निर्णय सर्वसम्मति से ली गई । इस बैठक में प्रदेश प्रभारी अचल सिन्हा, मोर्चा महामंत्री संजीव चौरसिया, मुकेश पटेल एवं साहेब कुमार साह व प्रदेश उपाध्यक्ष पन्ना लाल साह, प्रदेश मंत्री अबोध कुमार साह, प्रदेश सह कोषाध्यक्ष ब्रह्मदेव शर्मा, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य अर्चना राय भट्ट, प्रदेश प्रवक्ता अनिता शर्मा, नेहा पोद्दार, अतुल लोहानी, मीना प्रसाद मुख्य रूप से उपस्थित थे। संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र यादव सह मीडिया प्रभारी डी0के0जी0, कार्यालय मंत्री विकास शर्मा, विट्टू कुमार सोनी, राम बाबू प्रसाद, कार्यालय प्रभारी एवं जिला के सभी जिलाध्यक्ष व प्रदेश कार्यसमिति के सदस्यगण उपस्थित रहे ।

प्रदेश के ओ0बीसी समाज से आग्रह किया गया की अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय ,सदाकत आश्रम में आज बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व केन्द्रीय मंत्री स्व. चन्द्रशेखर सिंह की 96 वीं जयन्ती मनाई गई

इस अवसर पर उनके तैल चित्र पर कांग्रेसजनों ने पुष्पांजलि अर्पित की

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए कहा कि स्व. चन्द्रशेखर सिंह में गजब की निर्णय क्षमता और प्रशासन पर उनकी पकड़ और सूझबूझ चकित करनेवाली थी।हर रूप में चाहे वो मुख्यमंत्री के तौर पे हो या सांसद अथवा केन्द्रीय मंत्री की तरह हो चन्द्रशेखर बाबू पार्टी और सरकार दोनों के लिए वेशकीमती थे। डॉ. सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने राज्य प्रशासन में वित्तीय प्रबन्धन की थ्योरी अपनाकर आर्थिक दूरदर्शिता के साथ प्रशासनिक पहलू को नई दृष्टि दी। इतना ही नहीं वे एक संवेदनशील राजनेता भी थे जिन्होंने बिहार के पिछड़ेपन को दूर करने के लिये अपने कार्यकाल में कई आधुनिक योजनाएँ चलायीं।इस अवसर पर विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा0 मदन मोहन झा, पूर्व मंत्री वीणा शाही, विधायक नीतू कुमारी, ब्रजेश पाण्डेय, लाल बाबू लाल,कपिलदेव प्रसाद यादव, प्रभात कुमार द्विवेदी, आनन्द माधव, ज्ञान रंजन, डा0 संजय यादव, राज किशोर सिंह, अजय कुमार चौधरी, सौरभ सिन्हा, मनीष सिन्हा, उमेश कुमार राम, मो0 अब्दुल बाकी, उदय शंकर पटेल, मधुबाला, संतोष कुमार श्रीवास्तव, प्रदुम्न कुमार, मनोज मेहता, रामशंकर पांडेय ,विश्वनाथ बैठा, वसीम अहमद, राहुल पासवान, मृणाल अनामय, रेखा देवी, ध्रुव नारायण सिंह, अजित कुमार, नदीम अंसारी, शिवानी मिश्रा,धर्मवीर शुक्ला के अलावे अन्य कांग्रेसजनों ने भी चन्द्रशेखर बाबू के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूर्व आईएएस गोरखनाथ ने ली कांग्रेस की सदस्यता

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. शनिवार, 17 अगस्त, 2024

बिहार प्रदेश कांग्रेस के मुख्यालय सदाकत आश्रम में पूर्व आईएएस गोरखनाथ जी ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के समक्ष ली।इस दौरान पूर्व आईएएस गोरखनाथ को सदस्यता दिलाने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि पूरे देश में कांग्रेस के प्रति आम लोगों का नजरिया तेजी से बदलने लगा है।झूठ और फरेब की राजनीति करने वालों से जनता ऊब चुकी है और बौद्धिक वर्ग से लेकर आम भारतीय जान चुका है कि इस देश की मजबूती कांग्रेस के मजबूती से ही आएगी।सदस्यता लेने के बाद पूर्व आईएएस गोरखनाथ ने कहा कि कांग्रेस ही इस देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रख सकती है। देश के समग्र विकास में केवल कांग्रेस पार्टी ही शत प्रतिशत योगदान देने में समर्थ है।उन्होंने राहुल गांधी को देश का भविष्य बताते हुए कहा कि एकमात्र वहीं अभी ऐसे नेता हैं जो सच और आम जनता के हक की लड़ाई पूरी ईमानदारी से लड़ रहे हैं। जनता के मुद्दों को लेकर उनका मुखर होना मुझे कांग्रेस के प्रति आकर्षित करता है और आज मैं इस दल में शामिल होकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ मदन मोहन झा, पूर्व मंत्री वीणा शाही, कपिलदेव प्रसाद यादव , लालबाबूलाल,आनंद माधव, डॉ संजय यादव ,ज्ञान रंजन ,राज किशोर सिंह सहित अन्य प्रमुख नेतागण मौजूद रहें

ए आइ एम आइ एम के बिहार प्रदेश सचिव फजले हक ने बिहार सरकार से मांग करते हुए कहा -

जटवा पुल का नाम वहां के भूतपूर्व विधायक डॉक्टर अजीजुल हक के नाम रखा जाए,

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार : मोतिहारी /ए आइ एम आइ एम के बिहार प्रदेश सचिव फजले हक ने बिहार सरकार से मांग करते हुए कहा कि चंपारण में सरकार से बने हुए जटवा पुल का नाम वहां के भूतपूर्व विधायक डॉक्टर अजीजुल हक के नाम रखा जाए, उस पुल को बनवाने में पूर्व विधायक अपने तन-मन और लगन से कार्य करवाया था जिससे आम जनमानस को आने जाने का फायदा मिल रहा है, इसके साथ-साथ बलिस्टर असदुद्दीन ओवैसी के पार्टी के बिहार प्रदेश सचिव श्री हक ने बिहार सरकार से दूसरी मांग किया कि महात्मा गांधी जी के सेवादार रहे मरहूम बतख मियां अंसारी को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने जो 25 एकड़ जमीन दिया था उस जमीन को मरहूम बत्तख मियां के वंशजों के नाम दिया जाए और स्टेशन का नाम भी बतख मियां अंसारी के नाम से रखा जाए ,बताते चलें कि बत्तख मियां एक ऐसे ईमानदार सच्चे मुसलमान थे जिन्होंने अपने कार्य के प्रति किसी का नहीं सुनते हुए महात्मा गांधी का सेवा करते रहे, असदुद्दीन ओवैसी के पार्टी के बिहार प्रदेश सचिव श्री हक ने बिहार सरकार से दूसरी मांग किया कि महात्मा गांधी जी के सेवादार रहे मरहूम बतख मियां अंसारी को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने जो 25 एकड़ जमीन दिया था उस जमीन को मरहूम बत्तख मियां के वंशजों के नाम दिया जाए और स्टेशन का नाम भी बतख मियां अंसारी के नाम से रखा जाए

हुसैनगंज प्रखंड में हर्षोल्लास व धुमधाम के साथ 78 वां स्वतंत्रता दिवस मनाई गई।

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
राजेश कुमार चौधरी,

हुसैनगंज सीवान जिले के हुसैनगंज प्रखंड में हर्षोल्लास व धुमधाम के साथ 78 वां स्वतंत्रता दिवस मनाई गई। इस अवसर पर सरकारी व गैर सरकारी सभी संस्थाओं पर झंड़ातोलन किया गया। वहीं स्कूल के छात्र और छात्राओं द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस संदर्भ में हुसैनगंज प्रखंड के उमवि कुतुबछपरा उर्दू स्कूल के छात्र व छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति कर सभी अभिभावकों, गणमान्य व्यक्तियों तथा शिक्षकों की मन मोह लिए। मंच का संचालन शिक्षक तौसिफ अनवर तथा शिक्षिका प्रिती निहारिका द्वारा किया गया। प्रस्तुत करने वाले सभी छात्र व छात्राओं को प्रधानाध्यापक मो हसमुद्दीन ने पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया। वहीं इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नेसार अहमद, शहाबुद्दीन, राजेश कुमार, खलील अहमद, हरेन्द्र मांझी, अख्तरी खातून, लाडली खातून, फरजाना अन्जूम, आरफा नाजमी, शाहिना परवीन द्वारा अहम भूमिका निभाई गयी।

आर्य वीर दल प्रशिक्षण का सातवा दिन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कफील एकबाल

मोतिहारी 17 अगस्त सार्वदेशिक आर्य वीर दल" बिहार प्रदेश के मार्गदर्शन में, चंपारण जिला आर्य सभा के तत्वावधान में, आर्य समाज मोतिहारी पूर्वी चंपारण के सौजन्य से आर्य वीर दल का प्रशिक्षण शिविर का आज सातवां दिवस, दिनांक 17.08.2024 को भी निरंतर क्रियाकलापों का शिलशिला हर रोज की भांति आज भी हुआ।सुबह जागरण मंत्र से शुरू होकर, प्रातः योग, व्यायाम, प्रणायाम, आदि। फिर दैनिक समान्य यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसके पुरोहित झ अवधेश आर्य रहे। यज्ञ उपरांत भजन, प्रवचन, इत्यादि हुआ।फिर अल्पाहार पश्चात सुबह का बौद्धिक सत्र शुरू हुआ। जिसमें आर्य जगत के कई विद्वानों ने अपनी विचारधाराओं से बच्चों व अतिथियों को संबोधित किया। मुख्य प्रकार से संजय सत्यार्थी जो जो मुख्य अतिथि व विद्वान के रुप में उपस्थित हुऐ थे उन्होंने बहुत विषयों पर प्रकाश डाला। सम्पूर्ण विश्व को आर्य बनाने व आर्य विचाराधारा से जोड़ने की बात कही। तत्पश्चात चंपारण आर्य जिला सभा के प्रधान व संयोजक श्री महंथ प्रसाद आर्य ने सभी बच्चों को उपदेशित किया। फिर आर्य समाज मोतीहारी के प्रधान झविनोद कुमार आर्य ने अपनी विषेश सहानुभूति बच्चों व अतिथियों को प्रदान करते हुए अपनी बातों से सभी को संबोधित किया। फिर आर्य समाज मोतीहारी की मंत्री झ मनीषा प्रसाद आर्या ने भी अपनी बातों को बच्चों के समक्ष रखा व समाज को मजबूती प्रदान करने हेतु सभी से आग्रह की। मंच पर आसीन कोषाध्यक्ष, शिविर संचालक सभी ने संबोधित करते हुए अपनीझअपनी बातों को रखा।

उसके बाद दोपहर सत्र में सिक्किम के पूर्व राज्यपाल झगंगा प्रसाद आर्य का आगमन हुआ। जिनका भव्य तरीके से स्वागत किया गया। मोतीहारी आर्य समाज के देवेश चंद्र आर्य ने उनको शॉल ओढ़ाकर, साथ ही चंदन तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। उन्होंने ने मन्दिर परिसर में "आर्य वीर दल" में शामिल बच्चों को सम्बोधित करते हुए महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन परिचय व उनके संघर्षों को याद करते हुए सभी को आत्मसाथ करने की कोशिश की। साथ ही समाज में बदलाव लाने की बात रखी। मुख्य प्रशिक्षकझ रूपेंद्र नारायण आर्य (छत्तीसगढ़) और सहायक प्रशिक्षकझ सागर कुमार आर्य (जमुई, बिहार) उनलोगों ने बच्चों की जांच परीक्षा ली और शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान किया। दिन के भोजन व आराम के उपरान्त सभी बच्चों को स्थानीय स्पोर्ट्स क्लब में शारीरिक प्रशिक्षण दिया गया।चंपारण पुरोहित सभा के प्रधान झप्र. वीर शमशेर आर्य, संजय सत्यार्थी, नरकटियागंज के प्रधान व शिविर संचालक झरामेश्वर प्रसाद आर्य, आदि सम्मानित अतिथियों ने अपना अद्भुत योगदान दिया।

पश्चिम बंगाल के आर जी कार चिकित्सा महाविद्यालय में एक महिला चिकित्सक के साथ घटित सामूहिक बलात्कार नृशंस हत्या के विरुद्ध

आई एम ए के आह्वान पर चिकित्सा सेवा के देशव्यापी हड़ताल

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

पश्चिम बंगाल के आर जी कार चिकित्सा महाविद्यालय में एक महिला चिकित्सक के साथ घटित सामूहिक बलात्कार नृशंस हत्या के विरुद्ध केंद्रीय आई एम ए के आह्वान पर चिकित्सा सेवा के देशव्यापी हड़ताल मेंआई एम ए छपरा एवं आईएमए सारण अपनी पूर्ण सहभागिता और समर्थन व्यक्त करता है।केंद्रीय आई एम ए के दिशा निर्देश के आलोक में छपरा के सभी निजी चिकित्सा संस्थान अति आवश्यक इमरजेंसी सेवा को छोड़कर सभी तरह के चिकित्सा सेवा को दिनांक १७.०८.२०२४ के सुबह ६ बजे से दिनांक १८.०८.२०२४ के सुबह ६ बजे तक बाधित रखेंगे।इसके उपलक्ष्य में आज सदर हॉस्पिटल छपरा में सभा का आयोजन किया गया एवं रैली निकाली गई जिसने आईएमए छपरा एवम्-सारण, आईडीए छपरा, आयुष एसोसिएशन, बीपीएसआरए तथा बीपीएसआरयू के सदस्यों ने हिस्सा लिया।इस रैली एवं सभा के माध्यम से छपरा का चिकित्सक समाज राज्य और केंद्रीय सरकार से अनुरोध करता है कि,इस घृणित कार्य में संलिप्त दोषियों को शीघ्र गिरफ़्तार कर उन्हें कठोरतम दंड देने की कोशिश करेंगे।उन्हें ऐसी सजा दी जाये जो सभ्य समाज के लिए एक मिसाल कायम हो। साथ ही देश में डाक्टरों की सुरक्षा हेतु कड़े कानून बनने चाहिए नहीं तो अत्याचार की ऐसी घटनाएँ होती रहेंगीं
आईएमए आम जनता एवम् अन्य संस्थानों से अपील एवम् अनुरोध करता है कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए सहयोग करें।
जिस डॉक्टर पर ये अत्याचार हुआ वो सर्वप्रथम हमारे देश की एक महिला थी और उसके अपराधियों को कठोरतम सजा मिले इसके लिए समाज के सभी वर्गों को आवाज उठानी चाहिए

धुमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई स्वतंत्रता दिवस, हुए अनेकों कार्यक्रम,

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
राजेश कुमार चौधरी,

हुसैनगंज (सीवान) रजिले के हुसैनगंज प्रखंड में हर्षोल्लास व धुमधाम के साथ 78 वां स्वतंत्रता दिवस मनाई गई। इस अवसर पर सरकारी व गैर सरकारी सभी संस्थाओं पर झंड़ातोलन किया गया। वहीं स्कूल के छात्र और छात्राओं द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस संदर्भ में हुसैनगंज प्रखंड के उमवि कुतुबछपरा उर्दू स्कूल के छात्र व छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति कर सभी अभिभावकों, गणमान्य व्यक्तियों तथा शिक्षकों की मन मोह लिए। मंच का संचालन शिक्षक तौसिफ अनवर तथा शिक्षिका प्रिती निहारिका द्वारा किया गया। प्रस्तुत करने वाले सभी छात्र व छात्राओं को प्रधानाध्यापक मो हसमुद्दीन ने पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की ऐंकरिंग 8 वीं कक्षा की छात्रा हिफजा. बरी व इजहान फातमा द्वारा की गई। वहीं कार्यक्रम की प्रस्तुति करने वालों में जारका मोईन, नाजिया खातून, फिजा परवीन, मुस्कान खातून, जैनब वसीम, खुशी कुमारी, प्रियंका, अनु, सपना, रोजी, प्रिया, रिती, अंशु, गुलनाज, रिया, तुबा,शिवानी, नेशात फातमा, कनीज फातमा,नंदनी, खुशी, पल्लवी, फरमान, अफरोज, आतिफ, आबिद, रेहान, अब्दुल रहमान, अब्दुल सलाम, हम्माद मोईन, सल्लू, अयान अली सहित अन्य थे। वहीं इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नेसार अहमद, शहाबुद्दीन, राजेश कुमार, खलील अहमद, हरेन्द्र मांझी, अख्तरी खातून, लाडली खातून, फरजाना अन्जूम, आरफा नाजमी, शाहिना परवीन द्वारा अहम भूमिका निभाई गयी।

भगवान बाजार थाना रोड स्थित द सर्जन अस्पताल का उद्घाटन

हस्तकरघा उधोग को लेकर बुनकरों के बीच हुआ सम्मेलन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,:छपरा/शहर के भगवान बाजार थाना रोड स्थित द सर्जन अस्पताल का उद्घाटन डॉ स्मिथ सोनल एवं पटना एम्स कैंसर सर्जन डॉ जगजीत पांडे द्वारा फीता कटकर किया गया,इस अवसर पर सर्जन डॉक्टर स्मिथ सोनल ने पत्रकारों को बताया की आज हमारा मन अपने अस्पताल का उद्घाटन करने के लिए बिल्कुल नही था पर केवल हमने पूजा पाठ्य कर विधि निभाई। ऐसी पश्चिम बंगाल के चिकत्सा महाविद्यालय में एक महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार कर उसकी नृशंस हत्या के विरुद्ध हमलोग ने पूरे डॉक्टर और कर्मचारियों द्वारा ओ पी डी नही चलाने का फैसला लिया है।डॉक्टर अमित रंजन ने कहा की जिस देश की सेवा में हमलोग लगे हुए है और उसी देश की महिला डॉक्टरों को हवश का शिकार बनाया जा रहा है क्या यही देश की परंपरा है।डॉक्टर अमित ,और डॉक्टर जगजीत पांडे ने कहा की हम सब मिलकर स्वास्थ मंत्रालय से एक सुरक्षा कानून बनाने की अपील करते है की देश में जहां जहां महिलाएं ड्यूटी पर हो उनकी पूरी सुरक्षा की निगरानी सरकार को करनी चाहिए।इस अवसर पर, डॉ जगजीत पांडे,डॉक्टर अमित रंजन,डॉक्टर सुधांशु रंजन, डाक्टर जितेंद्र सिंह, संध्या सिंह के साथ सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।

सामूहिक बलात्कार नृशंस हत्या के विरुद्ध केंद्रीय आई एम ए के आह्वान पर चिकित्सा सेवा के देशव्यापी हड़ताल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पश्चिम बंगाल के आर जी कार चिकित्सा महाविद्यालय में एक महिला चिकित्सक के साथ घटित सामूहिक बलात्कार नृशंस हत्या के विरुद्ध केंद्रीय आई एम ए के आह्वान पर चिकित्सा सेवा के देशव्यापी हड़ताल मेंआई एम ए छपरा एवं आईएमए सारण अपनी पूर्ण सहभागिता और समर्थन व्यक्त करता है।केंद्रीय आई एम ए के दिशा निर्देश के आलोक में छपरा के सभी निजी चिकित्सा संस्थान अति आवश्यक इमरजेंसी सेवा को छोड़कर सभी तरह के चिकित्सा सेवा को दिनांक १७.०८.२०२४ के सुबह ६ बजे से दिनांक १८.०८.२०२४ के सुबह ६ बजे तक बाधित रखेंगे।इसके उपलक्ष्य में आज सदर हॉस्पिटल छपरा में सभा का आयोजन किया गया एवं रैली निकाली गई जिसने आईएमए छपरा एवम्-सारण, आईडीए छपरा, आयुष एसोसिएशन, बीपीएसआरए तथा बीपीएसआरयू के सदस्यों ने हिस्सा लिया।इस रैली एवं सभा के माध्यम से छपरा का चिकित्सक समाज राज्य और केंद्रीय सरकार से अनुरोध करता है कि,इस घृणित कार्य में संलिप्त दोषियों को शीघ्र गिरफ़्तार कर उन्हें कठोरतम दंड देने की कोशिश करेंगे।उन्हें ऐसी सजा दी जाये जो सभ्य समाज के लिए एक मिसाल कायम हो। साथ ही देश में डाक्टरों की सुरक्षा हेतु कड़े कानून बनने चाहिए नहीं तो अत्याचार की ऐसी घटनाएँ होती रहेंगीं
आईएमए आम जनता एवम् अन्य संस्थानों से अपील एवम्-अनुरोध करता है कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए सहयोग करें।जिस डॉक्टर पर ये अत्याचार हुआ वो सर्वप्रथम हमारे देश की एक महिला थी और उसके अपराधियों को कठोरतम सजा मिले इसके लिए समाज के सभी वर्गों को आवाज उठानी चाहिए

AMP ने AMP नेशनल अवार्ड फॉर सोशल एक्सीलेंस 2024 में वर्ष के चेंजमेकर पुरस्कार विजेताओं का जश्न मनाया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

चेन्नई, भारतः एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (अटढ) गर्व के साथ अपने सम्मानित सदस्यों के मान्यता की घोषणा करता है, जिन्हें अटढ नेशनल अवार्ड फॉर सोशल एक्सीलेंस 2024 में वर्ष के चेंजमेकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह चेन्नई में आयोजित किया गया, जिसमें बिहार के विशिष्ट व्यक्तियों को एकत्रित किया गया, जिनके उदाहरणीय योगदान ने समाज पर गहरा प्रभाव डाला है।

वर्ष के चेंजमेकर पुरस्कार उन व्यक्तियों का जश्न मनाता है जिन्होंने सामाजिक उत्थान, शिक्षा और सशक्तिकरण के प्रति असाधारण समर्पण का प्रदर्शन किया है। उनकी निस्वार्थ कोशिशें और अपनी समुदाय की सेवा के लिए उनकी अविचल प्रतिबद्धता ने न केवल लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है बल्कि दूसरों के लिए एक मानक भी स्थापित किया है।

बिहार से पुरस्कार विजेताओं में शामिल हैं:

- अभयानंद, आईपीएसः एक दूरदर्शी नेता और बिहार के पूर्व डीजीपी, जिन्हें उनके क्रांतिकारी शिक्षा पहल के लिए मान्यता दी गई है, जिसने अनगिनत छात्रों के जीवन को बदल दिया है।
- विकास वैभव, आईपीएसः एक प्रेरणादायक अधिकारी, जिन्हें अपराध नियंत्रण और सामुदायिक पुलिसिंग के लिए उनकी अथक कोशिशों के लिए जाना जाता है, और नागरिकों की सुरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं।
- अमीर अफाक अहमद फैजीः अल्पसंख्यक कल्याण विभाग बिहार सरकार के अतिरिक्त सचिव और एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता, जो हाशिए पर खड़े समुदायों की शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए काम कर रहे हैं।
- सैयद जुबैर अहमदः एक प्रमुख पत्रकार और मीडिया पेशेवर, जो सामाजिक न्याय की वकालत के लिए प्रसिद्ध हैं और वंचितों को दरपेश मुद्दों को उजागर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
- इम्तियाजुर रहमानः बिहार में शिक्षा पहल के एक प्रमुख व्यक्ति, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने में उनकी नेतृत्व के लिए जाना जाता है।
- डॉ. एस. हुसैनः एक स्वास्थ्य सेवा पेशेवर, जिन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामुदायिक कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- अदिल मेराजः गुरुकुल के संस्थापक और सीईओ, जिन्हें शिक्षा में अपने रचनात्मक दृष्टिकोण और युवा मनों के पोषण के प्रति उनके समर्पण के लिए सम्मानित किया गया है।
- मोहम्मद शाहनवाज खानः एक उद्यमी और परोपकारी व्यक्ति, जिन्होंने विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- मोहम्मद उमर अशरफः एक गतिशील युवा नेता, जो सामाजिक परिवर्तन और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
- रोनक अफरोजः एक समर्पित पेशेवर, जिनके सामाजिक सेवा में किए गए काम ने कई लोगों के जीवन में एक ठोस परिवर्तन लाया है।
- मोहम्मद शमीम अख्तरः बिहार में शिक्षा और सामुदायिक विकास के लिए उनके योगदान के सम्मान में मान्यता दी गई।- साकिब अहमदः एक सामाजिक उद्यमी, जिनकी पहल ने कई लोगों को आत्मनिर्भरता और बेहतर जीवनशैली हासिल करने के लिए सशक्त किया है।

अटढ बिहार के राज्य प्रमुख रियाज आलम ने सभी पुरस्कार विजेताओं को अपनी हार्दिक बधाई देते हुए कहा, "यह मान्यता वास्तव में योग्य है, और हम आपकी उल्लेखनीय उपलब्धियों पर बेहद गर्व महसूस करते हैं। आपकी सेवाएं न केवल कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं, बल्कि यह भी साबित करती हैं कि समर्पण और मेहनत की ताकत क्या कर सकती है। हम इस शानदार मौके को व्यक्तिगत रूप से मनाने और इन सम्मानित चेंजमेकरों को पुरस्कार प्रदान करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।"अटढ नेशनल अवार्ड फॉर सोशल एक्सीलेंस 2024 उन व्यक्तियों के अविश्वसनीय कार्यों को उजागर करता है जो देश भर में हो रहे हैं, और इस प्लेटफॉर्म पर बिहार का प्रतिनिधित्व सामाजिक सेवा और विकास के क्षेत्र में राज्य के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है।

AMP बिहार बड़ी उत्सुकता से एक विशेष कार्यक्रम का इंतजार कर रहा है, जहां इन चेंजमेकरों को औपचारिक रूप से पुरस्कार प्रस्तुत किए जाएंगे। उनकी उपलब्धियां आशा और प्रगति की एक किरण हैं, जो कई लोगों को समाज के उत्थान के लिए अपना योगदान देने के लिए प्रेरित करती हैं।

AMP के बारे में:

एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (अटढ) एक ऐसा प्लेटफार्म है जो वंचित समुदायों की शिक्षा, रोजगार, और सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। अपने विभिन्न परियोजनाओं और पहलों के माध्यम से, अटढ सकारात्मक परिवर्तन लाने और समाज के उत्थान के लिए काम करता है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
रियाज आलम
राज्य प्रमुख
एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (AMP), बिहार

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने तकनीकी विभाग की समीक्षा बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

- मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने तकनीकी विभाग की समीक्षा बैठक में दिए कई महत्त्वपूर्ण निर्देश.
- ड्यू पूर्ण तैयारी के साथ ही बैठक में आएं अधिकारी: डीएम.
- जिलाधिकारी ने बिना पूर्व तैयारी के बैठक में आए कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी से मांगा स्पष्टीकरण.
- बैठक में रेंज ऑफिसर, वन विभाग की अनुपस्थिति पर गहरी नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने मांगा स्पष्टीकरण.
- योजनाओं में अनावश्यक विलम्ब कदापि बर्दाश्त नहीं: डीएम.
- योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता आदि को लेकर तकनीकी विभाग के पदाधिकारी सीओ के साथ आयोजित बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें.
- अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर चल रही योजनाओं का करें निरीक्षण.

ल्ल कार्यपालक अभियंता, विद्युत विभाग को स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश और कहा आमजन को स्मार्ट मीटर से होने वाले लाभ और स्मार्ट मीटर से जुड़ी भ्रांतियों के बारे में अवगत कराएं. जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में तकनीकी विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कर विभागवार चल रही योजनाओं की समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए. समीक्षा के क्रम में उन्होंने कहा कि योजनाओं में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता आदि को लेकर तकनीकी विभाग के पदाधिकारी सीओ के साथ आयोजित बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें. अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर चल रही योजनाओं का जायजा लेते रहें. जिलाधिकारी ने सभी अपूर्ण योजनाओं को हर हाल में पूरी गुणवत्ता के साथ ससमय पूर्ण करना सुनिश्चित करें.समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से सीमा क्षेत्र विकास के योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की व आवश्यक निर्देश दिए. बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए डीएम के कहा कि अंचलाधिकारियों से संबंधित किसी भी समस्या का शनिवारीय बैठक में अनिवार्य रूप उपस्थित होकर समीक्षा करवाना सुनिश्चित करें.विद्युत विभाग की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य में तेजी लाएं तथा जनता में स्मार्ट मीटर को लेकर फैली भ्रांतियों को अविलंब दूर करना सुनिश्चित करें. उन्होंने कार्यपालक अभियंता विद्युत को निर्देश दिया कि जर्जर विद्युत तारों को बदलने हेतु तेजी से कार्रवाई करें. उन्होंने कार्यपालक अभियंता विद्युत को ससमय जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलने का दिया निर्देश देते हुए कहा कि अनावश्यक विलम्ब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. साथ ही विद्युत विभाग व वन विभाग को आपसी समन्वय स्थापित कर विद्युत तार बिछाने व वृक्षारोपण के निर्देश दिए. वन विभाग के अधिकारियों को संबंधित करते हुए उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण का कार्य विभागीय निर्देश के आलोक में करना ही सुनिश्चित करें. उन्होंने सड़कों पर अतिक्रमण को सख्ती के साथ हटाने का निर्देश देते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध एआईआर दर्ज करवाये. उन्होंने कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग को शेष निमार्णाधीन बाढ़ आश्रय स्थल तथा बेनीपट्टी में बन रहे एसडीआरएफ का आवासन स्थल को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए. इसके अतिरिक्त विभिन्न सरकारी भवनों, पुल-पुलिया और कब्रिस्तान चहारदीवारी निर्माण आदि की भी अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई. जिलाधिकारी ने कहा कि किसी योजना की प्रशासनिक स्वीकृति निर्गत करने से पूर्व ही भूमि विवाद आदि की जानकारी रखते हुए गैर विवादित भूमि पर ही प्राथमिकता दी जाए. एक बार प्रशासनिक स्वीकृति देने के बाद कार्य में विलंब स्वीकार्य नहीं किया जाएगा. उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त दीपेश कुमार, जिला विकास शाखा प्रभारी पदाधिकारी हेमंत कुमार, प्रभारी पदाधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन शाखा सह जनसंपर्क पदाधिकारी परिमल कुमार सहित विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता आदि उपस्थित रहे.

रोती हुई बच्ची को पिता ने पीट-पीटकर मार डाला, गिरफ्तार

भोजपुर। में रोती हुई डेढ़ साल की बच्ची को पिता ने पीट-पीटकर मार डाला। घटना कोईलवर थाना क्षेत्र के सुरौंधा कॉलोनी गांव की है। बताया जा रहा है कि बुधवार को घर में 5 बच्चे खेल रहे थे। इसी दौरान पिता आदित्य महतो शराब के नशे में पहुंचा। बच्ची रो रही थी। इससे गुस्से में आ गया और बच्ची को छत पर ले जाकर पिटाई कर दी। गुरुवार को अस्पताल ले जाने से पहले उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया। मृतक बच्ची के नाना पारस महतो ने बताया कि बेटी आलू कोल्ड स्टोर में मजदूरी करती है। वह काम करने गई थी और घर में दामाद के साथ 5 बच्चे थे। बुधवार की दोपहर आदित्य शराब के नशे में घर आया तो देखा बच्ची रो रही है। इसके बाद छत पर ले जाकर उसकी पिटाई कर दी। बच्ची को अंदरूनी चोट लगी थी। बुधवार की देर शाम उसकी मां घर लौटी तो बच्चों ने पूरी घटना की जानकारी दी।

बांग्लादेश में बेटियां घर में कैद, मंदिरों पर हमले

किशनगंज में बसे बांग्लादेशी बोले- एकसाथ रहकर अपनी जान बचा रहे हिंदू

किशनगंज। 'बांग्लादेश में रह रहे हमारे रिश्तेदार (हिंदू परिवार) ग्रुप में रह रहे हैं। अपनी सुरक्षा को लेकर वे डरे हुए हैं। बहनों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। वहां मंदिरों में हमले हो रहे हैं। हम सरकार से अपील करते हैं, जैसे हमें भारत आने दिया उन्हें भी आने दिया जाए।' ये कहना है बांग्लादेश से भारत लौटे शरणार्थी प्रिय रंजन का। करीब 55 साल पहले किशनगंज जिले में नेपालगढ़ कॉलोनी बसाई गई। पहले यहां नेपाल से आए 2-3 परिवार रहते थे, इस वजह से नाम नेपालगढ़ कॉलोनी पड़ा। बाद में खाली जमीनों पर बांग्लादेश से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों को बसाया गया। शुरूआत 67 परिवारों से हुई थी। अब यहां 200 से ज्यादा परिवार रहते हैं। इलाके में सभी हिंदू ही हैं। हिंदू शरणार्थियों की वजह से इस इलाके को रिफ्यूजी कॉलोनी भी कहते हैं। शहर के बीचों बीच बसी इस कॉलोनी की सड़कें ठीक-ठाक हैं। एक स्कूल भी है, जिसमें झाड़ियों में छिप जाते हैं। अगर प्रदर्शनकारी आ जाते हैं तो भागने के लिए तैयार रहते हैं। वहां पर छात्र आंदोलन हो रहा, लेकिन उनके बीच असामाजिक तत्व हैं। खासकर हिंदुओं को टारगेट किया जा रहा, मंदिरों को जलाया जा रहा। हमारी बहनों का कॉलेज जाना दुश्वार हो गया है। घर से नहीं निकल पा रहे। सभी इतने डरे हैं कि ग्रुप बनाकर बाहर निकल रहे हैं।' वे लोग टोली बनाकर रह रहे हैं, ताकि कहीं पर भी अटैक हो जाए तो परिवार की रक्षा कर सकें। अभी तीन दिन पहले वीडियो कॉल पर बात हुई थी। देखने पर लगा कि हालत खराब है। चेहरे से ही झलकता है कि उनकी स्थिति काफी खराब है।' नेपालगढ़ में रहने वाले एक और शख्स शक्ति दत्त रिटायर्ड टीचर हैं। उनकी उम्र 70 साल है। शक्ति दत्त का जन्म तब पूर्वी पाकिस्तान के कोमिल्ला में हुआ था।

1964 में करीब 10 साल के थे, जब उनके पिता धीरेष चंद्र दत्त और मां हेमा प्रभा दत्त अपने पूरे परिवार के साथ बांग्लादेश से भाग कर भारत में शरणार्थी के तौर पर आए थे। शक्ति दत्त बताते हैं, 'जब हम लोगों ने वहां से अपना घर छोड़ा तो ढाका में तनाव था।

हिंदुओं को टॉर्चर किया जाता था। काफी लोगों की जान चली गई थी। भारत में प्रवेश करने के बाद त्रिपुरा की फूल कुमारी कैंप में शरणार्थी के तौर पर रह रहे थे।

फिर वहां से 1965 में सहरसा शरणार्थी कैंप भेज दिया गया। यहां भी 2 साल तक रहने के बाद 1967 में पूर्णिया कैंप, फिर 1969 में जाकर यहां नेपालगढ़ कॉलोनी में शरणार्थी के तौर पर आए। यहां सरकार ने हमें 300 रुपए में 8000 स्क्वॉयर फीट जमीन दी। साथ में गुजारा करने के लिए 4000 रुपए भी दिए। बांग्लादेश में मेरे ममेरे भाई लोग रहते थे। बहुत दिनों से उनसे कोई कॉन्टैक्ट नहीं हो रहा है। वहां फिर से दंगा भड़का है, जिससे मैं दुखी हूं।' कमोबेश यही बातें हीरा लाल ने भी कहीं। उनकी किताबों की दुकान है। उन्होंने बताया, 'वहां हमारे रिश्तेदारों पर अत्याचार हो रहा है। सरकार को उनकी मदद करनी चाहिए। उनको चुन-चुनकर मारा जा रहा है। बांग्लादेश हमारा पड़ोसी देश है। हम लोगों ने ही प्रयास कर उनको आजाद कराया है। उनके सुख-शांति से रहने की व्यवस्था की गई है। आज हम लोगों की कौम पर ही अत्याचार हो रहा है।

धर्म की रक्षा हेतु एक जुट हों सभी सनातन धर्मावलंबी : स्वामी बालमुकुंदाचार्य

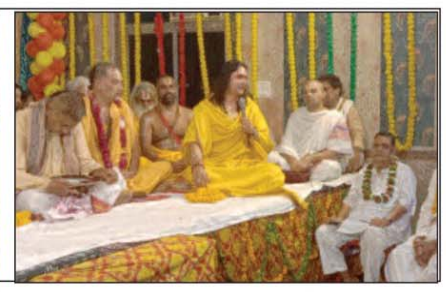

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। केशीघाट स्थित ठा. श्रीजानकी वल्लभ मंदिर में श्रीमद् वेदान्त देशिक आश्रम ट्रस्ट के द्वारा चल रहे दस दिवसीय ठा. श्रीजानकीवल्लभ लालजी के 50वें (स्वर्ण जयंती) प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं बैकुंठवासी श्रीवेदान्तदेशिक पीठाधीश्वर अनंतश्री विभूषित जगद्गुरु स्वामी रामानुजाचार्य परमहंस स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज के 25 वें (रजत जयंती) त्रिपाद्विभूति प्राप्ति महोत्सव में व्यास पीठ से जगद्गुरु स्वामी अनिरुद्धाचार्य महाराज ने देश विदेश से आए असंख्य भक्तों श्रद्धालुओं को खर दूषण वध, सीता हरण एवं भक्तिमती शबरी मिलन आदि की कथा श्रवण कराई।साथ ही भगवान श्रीराम की अत्यंत मनोहारी झांकी सजाई गई। महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर से पधारे अखिल भारतीय संत महासभा,राजस्थान के अध्यक्ष एवं हवा महल विधान सभा क्षेत्र के विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज (महंत,श्रीदक्षिण मुखी बालाजी मंदिर,हातोज धाम) ने कहा कि वर्तमान समय में सनातन धर्म पर जो कुठाराघात हो रहा है,वो बहुत ही दुर्भाग्य का विषय है।अगर ऐसी ही परिस्थितियां रहीं तो,वो दिन दूर नही जब सनातन धर्म समूचे भारत से विलुप्त हो जायेगा।वर्तमान में सनातन धर्म को जीवंत रखने के लिए हम सभी सनातन धर्मावलंबियों को एकजुट होकर इसकी रक्षा करनी होगी।क्योंकि जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म भी उसी की रक्षा करता है।

इस अवसर पर भाजपा के फायर ब्रांड नेता स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज का जानकी वल्लभ मंदिर द्वारा प्रशस्ति-पत्र, अंग वस्त्र और ठाकुरजी का पटुका,

प्रसादी, माला आदि भेंट कर सम्मान किया गया।

ब्रज सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, एडवोकेट ने महाराजश्री का सम्मान करते हुए कहा कि हम सभी

आज आपको अपने मध्य पाकर अत्यंत अभिभूत हैं।आप जैसे तपस्वी, मनस्वी और यशस्वी संतो से ही पृथ्वी पर धर्म और अध्यात्म का अस्तित्व है।हम प्रभु से आपके सुखद, समृद्ध और मंगलमय जीवन की कामना करते हैं।

इस अवसर पर स्वामी माधव नारायण ब्रह्मचारी महाराज, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, स्वामी रघुनाथाचार्य महाराज, स्वामी गोविंददास महाराज, डॉ. राधाकांत शर्मा, महेशचंद्र अग्रवाल (दिल्ली), राम अवतार नरसरिया (रांची), सत्य नारायण फोगला (हैदराबाद), गुलशन कुमार महाजन (जम्मू) डॉ. रमेश चंद्र गुप्ता (दिल्ली), भारत भूषण (दिल्ली), मुकेश शास्त्री एवं रामानारायण पुजारी आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।संचालन आचार्य यशोदानन्दन शास्त्री (लालजी महाराज) ने किया।

संक्षिप्त डायरी

भव्य शोभायात्रा से प्रारंभ होगा भगवान श्रीकृष्ण का 5251 वां जन्मोत्सव

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण के 5251 वें प्राकट्योत्सव से पूर्व श्रीकृष्ण जन्म स्थान से निकाले जाने वाली शोभायात्रा इस बार अति भव्य होगी। फिलहाल शोभायात्रा 26 अगस्त को प्रातः 8.30 बजे से निकालना संभावित है। उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने इसकी संपूर्ण रूपरेखा तैयार की है। शोभायात्रा की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सभागार में शुक्रवार को बैठक का आयोजन किया गया। तय हुआ कि इस बार भी शोभायात्रा का रूट विगत वर्ष की भांति ही रहेगा। प्रारंभ में सभी कलाकार व अन्य लोग श्रीकृष्ण जन्मस्थान के गेट नंबर एक पर एकत्रित होंगे। वहां श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति के पदाधिकारीगण पुष्प वर्षा कर कलाकारों आदि का स्वागत करेंगे। पोतरा कुंड, गोविंद नगर, महाविद्या कालोनी, शीतल रीजेंसी होटल, डीग गेट पुलिस चौकी होते हुए श्रीकृष्ण जन्मस्थान के गेट नंबर एक पर इसका समापन होगा। उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री श्याम बहादुर सिंह ने बैठक में अवगत कराया कि शोभायात्रा में आकर्षक प्रस्तुतियां देने वाले कलाकारों के लगभग दो दर्जन दल सम्मिलित होंगे। प्रत्येक दल में दस से चालीस तक कलाकार होंगे। इन सांस्कृतिक दलों में शहनाई, नगाड़ा, बीन, मोनिया, कच्ची घोड़ी, बहुरूपिया, ढोल, राई नृत्य और गुजरी नृत्य के कलाकार अपनी प्रतिभा का दिखाएंगे। तीन संकीर्तन मंडलियां भी आगे-आगे चलेंगी। इनमें इस्कॉन, मान मंदिर बरसाना और राधाकुंड- श्याम कुंड की संकीर्तन मंडलियां सम्मिलित रहेंगी। इनमें भक्त भगवान के प्राकट्य की खुशी में नृत्य करते हुए आगे बढते चलेंगे। नगर के कई सेवाभावी लोग शोभायात्रा में सम्मिलित कलाकार व अन्य भक्तों को अपने निर्धारित स्थानों पर स्वैच्छा से स्वल्पाहार के लिए बंद पैकेट्स प्रदान करेंगे। मार्ग में स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रहेंगे। मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री सिंह ने कलाकार, मंडलियों के क्रम को बीच में न टूटने देने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि शोभायात्रा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए।

किशोरी से बलात्कार करने वाले पर दोष हुआ सिद्ध,20 को फैसला

मथुरा। पोक्सो कोर्ट के न्यायाधीश रामकिशोर ने खेत पर शौच क र के लौटती एक नाबालिग किशोरी को पड़सी युवक द्वारा जबरन अपने घर में ले जाकर दुराचार करने के मामले में दोषी करार दिया है। सजा के बिंदुओं पर 20 अगस्त को फैसला सुनाया जाएगा। मुकदमे की पैरवी करने वाली विशेष लोक अभियोजक अलका उप मन्यु ने बताया कि मगोर्रा थाना क्षेत्र के एक गांव में 17 अक्टूबर 2023 की रात को एक 17 वर्षीय किशोरी रात को घर से खेत पर शौच के लिए गई। शौच करने के बाद घर लौटते समय रास्ते में पड़ोस में रहने वाला युवक राजवीर उर्फ कालिया किशोरी को जबरन मुह बंद करके अपने घर में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। किशोरी को घर कहने पर जानसे मारने की धमकी भी दी। किशोरी ने अपने साथ राजवीर उर्फ कालिया द्वारा की गई हरकत के बारे में मां को बताया। किशोरी की मां ने थाना मगोर्रा में इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र न्यायालय में प्रेषित कर दिया। मुकदमे की सुनवाई पोक्सो कोर्ट के न्यायाधीश रामकिशोर की अदालत में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधर पर अभियुक्त राजवीर उर्फ कालिया को दोषी करार दिया। सजा के बिंदुओं पर 20 अगस्त को सुनवाई होगी।

आगरा में लेडी अंडरगारमेंट चुरा ले गया:स्कूटी से आया, कपड़े उठाकर डिग्गी में डाले और ले भागा

आगरा। की पॉश कॉलोनी में चोरी का अजीब मामला सामने आया है। अभी तक चोर घरों से कीमती सामान चुराकर ले जाते थे, लेकिन पार्श्वनाथ सोसायटी में एक चोर घर के बाहर सूखने के लिए फैलाए गए लेडी अंडरगारमेंट चुरा ले गया। चोरी की यह पूरी घटना CCTV में कैद हो गई। मामला 15 अगस्त शाम चार बजे का है। पार्श्वनाथ प्रेरणा सोसायटी में एक बैंककर्मी रहते हैं। गुरुवार शाम चार बजे करीब एक युवक स्कूटी से आता है। वो बैंककर्मी के घर के बाहर अपनी स्कूटी रोकता है। फिर इधर-उधर देखता है। चारो ओर किसी के न दिखने पर वो स्कूटी की सीट खोल कर ऊपर कर देता है।शाम को जब बैंक कर्मी कपडे.लेने आया तो कपडे. नहीं थे। आसपास भी देखा। जब सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो कपडे.चोरी होने की जानकारी हुई। स्कूटी सवार युवक के बारे में कॉलोनी के गेट पर जानकारी की गई। इस पर पता चला कि वो किसी कंपनी का डिलीवरी बॉय था, जिसकी एंट्री भी सोसाइटी के रजिस्टर में दर्ज है। रजिस्टर में गलत निकला नाम घटना के बाद सोसाइटी के अंदर आने वालों का एंट्री रजिस्टर चेक किया तो उसमें आकाश नाम लिखा था। एक मोबाइल नंबर भी लिखा था। जब उस पर संपर्क किया तो वो नाम गलत निकला। युवक ने बताया कि वो डिलीवरी के लिए सोसाइटी में आया ही नहीं है। उस पर एक्टिवा भी नहीं है। वहीं, जो युवक स्कूटी लेकर आया था, उस पर नंबर भी नहीं थे। पहले भी हुई है चोरी कॉलोनी के लोगों का कहना है कि पहले भी एक-दो बार सोसाइटी से कपडे.चोरी हुए हैं। उस समय किसी का ध्यान नहीं गया था। मगर, कल की घटना के बाद मन में शंका हुई है।

ठा. श्रीराधा दामोदर मंदिर में गौडीय सम्प्रदायाचार्य श्रील श्रीरूप गोस्वामी महाराज की समाधि स्थल का पूजन-अर्चन 17 अगस्त को

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। सेवाकुंज क्षेत्र स्थित प्राचीन ठाकुर श्रीराधा दामोदर मंदिर में चल रहे झूलन महोत्सव के अंतर्गत 17 अगस्त 2024 को गौडीय सम्प्रदायाचार्य श्रील श्रीरूप गोस्वामी महाराज का तिरोभाव महोत्सव मंदिर की प्रधान सेवायत आचार्या श्रीमती तरुलता गोस्वामी (मां गुसाईं) की अध्यक्षता में अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। जानकारी देते हुए मंदिर के वरिष्ठ सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी महाराज ने बताया कि इस सप्त दिवसीय महोत्सव में मंगल कलश की स्थापना के बाद श्रीमद्भागवत मूल पाठ अत्यंत विधि विधान के साथ चल रहा है ।इसी के अंतर्गत अंतिम दिवस श्रील रूप गोस्वामी महाराज की समाधि स्थल का पूजन-अर्चन किया जाएगा।साथ ही 64 महंत भोग सेवा दर्शन का आयोजन होगा। इसके अलावा ठाकुर श्रीराधा दामोदर लाल महाराज के समक्ष भव्य फूल-बंगला सजाया जायेगा और उन्हें छप्पन भोग निवेदित किए जायेंगे। मंदिर के वरिष्ठ सेवायत आचार्य करुण गोस्वामी महाराज ने बताया कि श्रील रूप गोस्वामी महाराज ने ठाकुर श्रीराधा दामोदर लाल को प्रकट किया था। सेवायत आचार्य पूर्ण चंद्र गोस्वामी महाराज ने समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं से इस महोत्सव में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

सिविल डिफेंस ने जिला अस्पताल में किया मरीजों को फल वितरण

मथुरा : 78 वे स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हर साल की तरह इस वर्ष भी सिविल डिफेंस के द्वारा मथुरा के सरकारी अस्पताल और वृद्ध आश्रम वृंदावन में महलाओ एव मरीजों को फल वितरण किया गया बही नागरिक सुरक्षा मथुरा के द्वारा सभी मरीजों का नागरिक सुरक्षा मथुरा के उप नियंत्रक जसवंत सिंह और सहायक उप नियंत्रक जितेन्द्र देव सिंह ने मरीजों का हाल चाल लिया फल वितरण में सिविल डिफेंस मथुरा के डिप्टी चीफ वार्डन कल्याण दास अग्रवाल, डिविजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी, डिप्टी डिविजनल वार्डन राजेश कुमार मित्तल, बड़े बाबू शम्भू नाथ, जगदीश चौधरी,पोस्ट वार्डन अशोक यादव, मुकेश धनगर, राकेश, कोमल सिंह, प्रवेश कुमार,जवर सिंह, सेलेश, यतेन्द्र, दीपक, सुनैना, सानिया माधव, रिंकी यादव, विक्रम, योगेंद्र, महेश शर्मा, मुकेश शर्मा, गोपाल चतुर्वेदी,ऋषभ प्रताप सिंह, आदि वार्डन उपस्थित रहे।

केएमयू में धूमधाम से मनाया गया 78वां स्वतंत्रता दिवस, कुलाधिपति ने फहराया तिरंगा

मथुरा। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं केएमयू के कुलाधिपति किशन चौधरी ने कहा विविधता और समरसता का प्रतीक है। उन्होंने विवि के समस्त छात्रों को प्रेरित किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करें। यह समारोह न केवल स्वतंत्रता के महत्व को दशार्ता है बल्कि विश्वविद्यालय की नई दिशा और नेतृत्व का भी प्रतीक है। केएम विश्वविद्यालय में आज 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष एवं केएम विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में केएमयू कैम्पस पर तिरंगा झंडा फहराकर झंडे को सलामी दी। इस अवसर पर राष्ट्रगान व झंडा गीत के साथ अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। विवि के वाइस चालंसर डॉ डीडी गुप्ता ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण में सर्वाधिक शिक्षकों की भूमिका होती है इसलिए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी शिक्षक और शिक्षार्थियों के कंधों पर है। विवि के प्रो वाइस चांसलर डॉ शरद अग्रवाल ने कहा स्वतंत्रता का राष्ट्रीय पर्व अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को स्मरण कराता है, हमें उन अमर शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए। विवि के रजिस्ट्रार पूरन सिंह ने कहा कि आज देश निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है, जिसकी बुनियाद शिक्षा है, उन्होंने विवि की आगामी गतिविधियों को भी सभी के समक्ष रखा। केएम मेडीकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ पीएन भिसे ने कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि हम सभी स्वतंत्र भारत में जन्में है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिष्ठान और जलापान किया। इस अवसर पर उपकुलपति सुनील अग्रवाल, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ प्रमोद कुमार, एएमएस डॉ आरपी गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी मोहनश्याम रावत, आर्ट्स एंड साइंसेज के डीन, डॉ धर्मराज सिंह, मैनेजमेंट एंड कॉमर्स के डीन डॉ सीपी वर्मा, एग्रीकल्चर के डीन प्रो संजीव शर्मा, एजुकेशन के डीन डॉ जेएस राठौर, वोकेशनल के डीन डॉ सुनील कुमार सिंह, चीफ प्रॉक्टर डॉ विपिन सोलंकी, डा. दाऊदयाल, डा. कमल पांडे, डॉ प्रीति पोरवाल, अनिल चतुर्वेदी, श्रीमती संजू बाला, रूपकिशोर शर्मा, सुमित शर्मा, शैलेन्द्र शर्मा, करन सिंह, जगवीर सिंह, चन्द्रेश कुमार, राजेश कुमार (बाबू जी), अजय कुमार तौमर, रनवीर सिंह, राजपाल सिंह, शेखर तिवारी, मुकेश कुमार, चतुर सिंह आदि शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में परीक्षा नियंत्रक डॉ मनोज ओझा ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

कलयुग के प्रत्यक्ष देवता हैं श्रीगिरिराज गोवर्धन : लक्ष्मी नारायण चौधरी

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। रमणरेती क्षेत्र स्थित श्रीजी सदन (फोगला आश्रम) में वृन्दावन रासलीला संस्थान व श्रीभगवान भजनाश्रम के संयुक्त तत्वावधान में श्रावण मास के अवसर पर चल रहे 20 दिवसीय 42वें झूलन महोत्सव के अंतर्गत प्रख्यात रासाचार्य स्वामी डॉ. देवकीनंदन शर्मा के निर्देशन में गिरिराज पूजा, गोवर्धन लीला व 56 भोग दर्शन का आयोजन अत्यंत श्रद्धा व धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ।

महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, श्रीभगवान भजनाश्रम के अध्यक्ष चांदबिहारी पाटोदिया आदि ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य श्रीगिरिराज शिला का दुग्धाभिषेक कर उनका पूजन-अर्चन किया।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि श्रीगिरिराज गोवर्धन कलयुग के प्रत्यक्ष देवता हैं,जो साक्षात रूप से ब्रजभूमि में विद्यमान होकर हम सब ब्रजवासियों की रक्षा करते हैं।साथ ही जो भक्त सच्चे मन से गिरिराज गोवर्धन की भक्ति करता है,गिरिराज बाबा उसकी सभी मनोकामना पूर्ण करते हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, बिहारीलाल सर्राफ, नरदेव चौधरी, भारत भूषण शर्मा, सौरभ शर्मा, भागवताचार्य श्याम सुंदर गोस्वामी, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा, राजकुमार पोद्दार आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।रात्रि को संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा (अन्नकूट प्रसादी) का आयोजन भी संपन्न हुआ।

वीर अमर शहीदों के परिवारजनों को मा0 मंत्री ने किया सम्मानित

मथुरा । 78वें स्वतत्रंता दिवस के शुभ अवसर पर मा0 कैबिनेट मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मीलें श्री लक्ष्मी नारायणे चौधरी एवं मा0 बल्देव विधायक श्री पूरन प्रकाश ने बीएसए कॉलेज में ससम्मान ध्वाजारोहण किया। उन्होंने उपस्थित जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानन्द पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुरेन्द्र कुमार, ज्वांइट मजिस्टेज्ट रिंकू सिंह राही सहित बीएसए कॉलेज के अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में पीआरडी के जवानों द्वारा तिरंगा रैली निकाली गई। मा0 मंत्री ने सभी को 78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। बीएसए कॉलेज के श्यामाचरण सभागार में देशभक्ति पर आधारित नृत्य, संगीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देखा। मा0 मंत्री जी ने जनपद के वीरे शहीदों के परिवार जनों को सम्मानित किया, जिसमें अमरे शहीदे ` मुकेशे कुमार, लक्ष्मण सिंह, नेम सिंह, गंगा प्रसाद, कुलदीप तथा छैल बिहारी के परिवारजनों को सम्मानित किया, उन्हें प्रशस्ति पत्र दिया तथा मिष्ठान देकर सम्मानपूर्वक पटुका प्रदान किया गया। मा0 मंत्री ने कार्यक्रम में नृत्य, संगीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों को प्रशस्ते पत्र तथा सॉल उढ़ाकर सम्मानित किया। मा0 मंत्री ने देश को आजादी हासिल कराने में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले महापुरूषों तथा अमर शहीदों को श्रद्धार्पूवक नमन किया। हिन्दुस्तान को विविधताओं वाला देश बताते हुए कहा कि विभिन्न धर्म, जाति, वर्ग, बोली, वेशभूषा आदि के बाबजूद हमारा देश एकता-अखण्डता की मिसाल है। आज आवश्यकता है, हम सभी को एकजुट होकर एक भारत श्रेष्ठ भारत को साकार करना है।

इंटरव्यू के दौरान आपका फर्स्ट इम्प्रेशन ही दिलाता है सफलता

इंटरव्यू का पहला इंप्रेशन अगर आपका अच्छा गया है तो यह आपको आसानी से नौकरी दिला सकता है। कई बार हम बड़ी कंपनी में इंटरव्यू के दौरान कुछ गलतियां कर देते हैं। ऐसे में अच्छी नौकरी हमारे हाथ से निकल जाती है। अगर आप भी जॉब के इंटरव्यू की तैयारी में लगे है तो इंटरव्यू को दौरान कुछ बातों का रखें खास ख्याल।

इंटरव्यू में केवल आपकी शिक्षा ही नहीं बल्कि आपके बोलचाल का तरीका भी देखा जाता है। ऐसे में कई बार आप सभी सवालों का सही जवाब देते है इसके बावजूद भी आपकी नौकरी नही लगती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कई बार सामने वाला आपके काम के साथ ही आपकी बॉडी लैंग्वेज भी नोटिस करता है। ऐसे में आपको इंटरव्यू के समय इन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

कपड़ो का रखें खास ख्याल

अगर आप जॉब इंटरव्यू के लिए जा रही हैं तो आपको कपड़ो का खास ख्याल रखना चाहिए। कोशिश करें की आप फॉर्मल कपड़े ही पहने। ऐसा करने से भी आपका फर्स्ट इम्प्रेशन काफी अच्छा जाएंगा। ज्यादा तड़क-भड़क रंग के कपड़ों को इंटरव्यू में पहनने से हमेशा ही बचना चाहिए।

बॉडी लैंग्वेज का रखें खास ख्याल

बॉडी लैंग्वेज यानी हाव-भाव एक तरह की शारीरिक भाषा है। जो व्यक्ति आपका इंटरव्यू ले रहा है वह आपके बॉडी लैंग्वेज पर खास ध्यान देता है। कई कंपनियां स्किल्स के साथ ही कैंडिडेट के उठने-बैठने के अंदाज और बातचीत करने के तरीके को ध्यान में रखते हुए भी उन्हें शॉर्टलिस्ट करती हैं। ऐसे में आपको इसका खास ख्याल रखना है।

आई कॉन्टैक्ट से बनेगा खेल

आपसे जब किसी भी तरीके का सवाल पूछा जाएं तो आई कॉन्टैक्ट करके जवाब दें। ऐसा करने से भी आपको जॉब आसानी से मिल जाएंगी। अगर आप इधर-उधर देखते हुए जवाब देंगे तो इससे आपके कॉन्फिडेंस पर सवाल उठ सकता है।

कॉलेज की ये डिग्रियां आपको दिला सकती हैं सबसे ज्यादा सैलरी

अगर आपको बेहतर सैलरी चाहिए तो कॉलेज से करें ये कोर्सेज, इन कोर्सेज के करने से आपकी अच्छी नौकरी के चांसेस और भी बढ़ जाते हैं।

हम सब एक बेहतर नौकरी की तलाश में रहते हैं। जहां हमारी सैलरी बेहतर हो और हमें एक अच्छा लिविंग स्टैंडर्ड मिले, इतना ही नौकरी पाने के बाद हमारा सोसाइटल स्टेटस भी बढ़ जाए। इन सभी बेहतर चीजों के लिए हमें जरूरत होती है, एक बेहतर सैलरी वाली नौकरी। ऐसे में हमें स्कूल पास करते ही यह सोच लेना चाहिए कि हम आगे क्या करना चाहते हैं। ताकि उसी के मुताबिक हम अपने ऊपर काम कर सकें। ऐसे में हमें कॉलेज से उस डिग्री की पढ़ाई करनी चाहिए, जिससे कॉलेज के बाद नौकरी के लिए ज्यादा भटकना ना पड़े। खैर भारत में बेरोजगारी के हालात को देखते हुए यह दावा नहीं किया जा सकता कि कोई कोर्स करके आप निश्चित ही नौकरी पा सकते हैं। पर आप इन कोर्सको करने के बाद थोड़े ही एफर्ट में एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी पा सकते हैं तो आइए जानते हैं, कि आखिर कौन से हैं वो कोर्सेज।

एमबीबीएस, मेडिकल

मेडिकल की शिक्षा को लेकर भारत में सबसे ज्यादा मुकाबला है। एमबीबीएस का फुल फॉर्म बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी है'। मुट्ठी भर कॉलेजों के लिए लाखों बच्चे परीक्षा में बैठते हैं। यह डिग्री पूरी कर लेना अपने आप में ही बड़ी बात होती है, क्यों कि आधे से ज्यादा बच्चे कॉलेज के लिए परीक्षा क्वालीफाई ही नहीं कर पाते। यह कोर्स 5.5 साल का होती है मगर इसे पास करने में और भी साल लग जाते हैं। इसके लिए आपको नीट की परीक्षा देनी पड़ती है, अगर आप क्वालिफाई होते हैं तब ही आपको कॉलेज मिलेंगे।

बीबीए, मैनेजमेंट

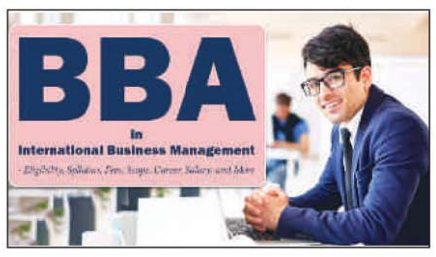

ज्यादातर कॉमर्स स्टूडेंट बीबीए का ऑप्शन चुनते हैं। इस कोर्स के साथ करियर बनाने के लिए आपकी मैनेजमेंट की स्किल बहुत अच्छी होनी चाहिए। आज के इस कॉम्पिटेटिव माहौल में हर कंपनी मैनेजर रखना चाहती है, जिस कारण इस कोर्स को पढ़ने से आपकी अच्छी खासी जॉब लग सकती है। यह कोर्स करने के बाद आपको बिजनेस और मैनेजमेंट से जुड़ी हर अहम बात बताई जाती हैं। बीबीए तीन साल का कोर्स होता है, आप को बता दें कि ये कोर्स काफी महंगा है, अगर आप सरकारी कॉलेज निकालते हैं तब तो बजट फ्रेंडली है, मगर प्राइवेट कॉलेज में ये फीस और भी ज्यादा है। पर अगर आपको यहां एक अच्छी प्लेसमेंट मिल जाए, तो आपका करियर सेट हो जाएगा।

बीटेक, इंजीनियरिंग

आज हर फील्ड में आधुनिकता की जरूरत है, जिस कारण इंजीनियर्स के लिए जॉब हमेशा

रहेगी। देश में ही नहीं बल्कि विदेशी मुल्कों में भी भारतीय इंजीनियर्स बड़े-बड़े पदों पर काम करते हैं। अगर आप टेक्निकल फील्ड में इंटरेस्ट रखते हैं तो आपको बीटेक करने के बारे में सोचना चाहिए, हालांकि पिछले कई सालों से प्राइवेट कॉलेज के चलन के कारण इसमें जॉब के लिए और भी ज्यादा कॉम्पिटिशन बढ़ता जा रहा है। अगर आपको आईआईटी या एनआईटी के कॉलेज में पढ़ने का मौका मिलता है, तो ये कोर्स करना आप के लिए फायदेमंद है।

मर्चेंट नेवी

समुद्र के बीच बड़ी बड़ी नावों में आने जाने वाले समान को सुरक्षित रखने का काम मर्चेंट नेवी का होता है। यह वैश्विक व्यापार की रीढ़ के रूप में काम करता है। यह प्राइवेट कंपनियों और सरकार दोनों के लिए ही काम करता है। आप चाहें तो बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद ही इस जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यहां शुरुआती पोस्ट की भी सैलरी 50000 के ऊपर है, जो कई अन्य नौकरियों के मुकाबले काफी ज्यादा है।

एलएलबी

अगर आपको देश विदेशों के नियम-कानून के बारे में जानने में दिलचस्पी है तो आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं। जिसके लिए भारत में कई सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के कॉलेज मौजूद हैं, इस डिग्री को अगर अच्छे कॉलेज से किया जाए, तो सैलरी का पैकेज 8,00,000 सालाना हो। अगर आप एलएलबी कर रहें हैं तो मन लगाकर करें, जिससे जल्द से जल्द नौकरी लगने आसार हों।

बिना एक्सपीरियंस संगीत में दिलचस्पी रखने वाले भी बना सकते हैं इसमें करियर

पहले के समय में लोग सिर्फ इंजीनियर और डॉक्टर के करियर को ही सबसे अच्छा प्रोफेशन मानते थे। पर, बदलते वक्त ने लोगों के नैरेटिव को भी बदल दिया है। आज के समय में कोई भी अपने पैशन और टैलेंट के बदौलत भी ऊंचाइयों को छू सकता है। साथ ही, इससे अच्छी कमाई भी कर सकता है। क्योंकि आज के दौर में लोगों को कुछ नया और हटके पसंद आता है।

आज के समय में अगर आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसे अपना प्रोफेशन बना सकती हैं। ऐसे में आप यदि म्यूजिक में गहरी रुचि रखते हैं और आपको उसकी जानकारी भी है, तो आप इसके माध्यम से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। हालांकि, म्यूजिक भी इतना आसान नहीं होता है। इस क्षेत्र में केवल वही करियर बना सकते हैं, जिसके अंदर क्रिएटिविटी हो और जिसमें म्यूजिक के प्रति जुनून हो। पर, बहुत से लोग टैलेंट होने के बावजूद भी कभी-कभी पीछे रह जाते हैं। तो चलिए हम आज आपको बिना किसी एक्सपीरियंस के म्यूजिक में करियर बनाने की टिप्स बताते हैं।

म्यूजिक में करियर कैसे बनाएं?

आजकल ऑनलाइन और सोशल मीडिया की वजह से म्यूजिक इंडस्ट्री में काफी बदलाव आया है। लोग सोशल मीडिया के माध्यम से भी अपने टैलेंट को दिखा रहे हैं और उन्हें खूब पसंद भी किया जा रहा है। इस तरह लोग काफी कुछ अपने दम पर कर पा रहे हैं। पहले के समय में यह सुविधा नहीं होती थी, तो बहुत कम लोग ही अपने पैशन को चुन पाते थे।

इंस्टाग्राम के जरिए बनाएं म्यूजिक में करियर

आप अगर म्यूजिक में दिलचस्पी रखते हैं और आपके अंदर कुछ अलग करने का हुनर है, तो आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या इंस्टाग्राम पर रील्स बनाकर इसे शेयर कर सकते हैं। यदि आपकी क्रिएटिविटी लोगों को पसंद आई, तो ऐसा करने से धीरे-धीरे आपकी फैन फॉलोइंग बढ़ सकती है। इसके बाद आप फेमस हो सकते हैं और आपकी अर्निंग भी शुरू हो सकती है। हालांकि, इसके लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। आप चाहें तो वीडियो शूट करने के लिए अपने घर में भी छोटा सा शूटिंग कमरा बना सकती हैं। इसके अलावा, आप कहीं अच्छे स्पॉट पर भी शूट कर सकते हैं।

यूट्यूब से कर सकते हैं अच्छी कमाई

अगर आपके पास म्यूजिक का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन आपके अंदर इसके प्रति जुनून है, तो आप अपने टैलेंट को दुनिया के सामने दिखाने के लिए यूट्यूब का सहारा ले सकते हैं। इसपर आप अपनी लॉन्ग या शॉर्ट वीडियो बनाकर अपलोड कर सकते हैं। शुरुआत में तो धैर्य रखना पड़ेगा। पर, इसी तरह यदि आप सही समय और ट्रेंड को फॉलो करते हुए लगातार वीडियो डालेंगे तो आपके पोस्ट की रीच बढ़ सकती है। यही नहीं, आप इसके माध्यम से भी एक अच्छे कलाकार बन सकते हैं।

म्यूजिक से संबंधित कोर्स कर बनाएं करियर

अगर आप म्यूजिक में अपना करियर देखते हैं, तो आप इस फिल्ड में स्पेशल कोर्स करके भी प्लेसमेंट के जरिए आगे का रास्ता चुन सकते हैं। इसके लिए भारत में कई सारे कॉलेज और यूनिवर्सिटी उपलब्ध है, जो संगीत से ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स करने की सुविधा देते हैं।

बी.ए. करने के बाद नहीं मिल रही है नौकरी? इन करियर फील्ड में करें ट्राई

अगर अपने बीए की डिग्री हासिल की है और अब आपको यह समझ में नहीं आ रहा है कि आप अपने करियर को आगे किस तरह बढ़ाएं तो आप इन फील्ड में ट्राई कर सकते हैं।

किसी भी छात्र के लिए उसके करियर ऑप्शन का चयन करना एक बेहद ही महत्वपूर्ण निर्णय है। एक बार जब छात्र अपनी ग्रेजुएशन कंप्लीट कर लेते हैं तो वे अपने करियर को एक शेप देना चाहते हैं। आर्टस में बैचलर डिग्री यानी बीए एक ऐसा कोर्स है, जिसे अधिकतर बच्चे चुनते हैं। आर्टस स्ट्रीम के बच्चों के लिए बीए करना एक बेहतर ऑप्शन माना जाता है। हालांकि, इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। इसमें आप इंग्लिश से लेकर पॉलिटिक्स और मनोविज्ञान तक किसी खास विषय को चुनते हैं। अमूमन यह माना जाता है कि बीए करने के बाद करियर ऑप्शन सीमित हो जाते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। आप बीए करने के बाद कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बीए करने के बाद आप किन फील्ड में करियर बना सकते हैं-

जर्नलिज्म में आजमाएं हाथ

बीए करने के बाद एडवरटाइजिंग या जर्नलिज्म की फील्ड में करियर के अवसर देखे जा सकते हैं। आप बीए करने के बाद जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन से जुड़ा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद आप टीवी से लेकर रेडियो, अखबार व ऑनलाइन वेबसाइट्स आदि के लिए काम कर सकते हैं। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग से लेकर डिजिटल जर्नलिज्म, पॉडकास्ट, ब्लॉग और एड आदि सभी इस फील्ड से जुड़े हुए हैं।

सिविल सर्विसेज की करें तैयारी

अगर आप चाहें तो बीए करने के बाद सिविल सर्विसेज एग्जाम जैसे यूपीएससी आदि की तैयारी कर सकते हैं। इसके अलावा, स्टेट लेवल एग्जाम का हिस्सा बनें। अगर आप इसे क्लीयर कर पाते हैं तो आपको बिना किसी परेशानी के आसानी से गवर्नमेंट जॉब मिल जाती है और गवर्नमेंट सर्विसेज का हिस्सा बन जाते हैं।

करें लॉ

अगर आप बीए की डिग्री हासिल करने के बाद अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो आप बैचलर ऑफ लॉ या एलएलबी चुन सकते हैं। इस तीन साल के कोर्स के बाद आपको लीगल रीजनिंग से लेकर एनवायरनमेंटल लॉ, इंश्योरेंस लॉ आदि की गहन जानकारी हो जाती है। आप चाहें तो इसके बाद एलएलएम भी कर सकते हैं। इसके बाद आप लॉ प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं।

करें प्रोफेशनल राइटिंग

बीए करने के बाद आप प्रोफेशनल राइटिंग के क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। आमतौर पर, यह एक क्रिएटिव फील्ड है, जिसमें आप अपने विचारों को बेहद ही खास तरह से पेश करते हैं। यदि आपके पास साहित्य में डिग्री है, तो आप निश्चित रूप से क्रिएटिव राइटिंग की फील्ड में काम कर सकते हैं। आप स्क्रिप्ट, से लेकर भाषण, स्क्रीनप्ले, कविताएं आदि लिख सकते हैं। अगर आपका लेखन अच्छा है तो आप प्रोफेशनल राइटिंग करके अच्छी खासी कमाई कर सकती है।

करें बिजनेस मैनेजमेंट

बीए करने के बाद आप बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा कर सकते हैं। यह एक साल का शॉर्ट टर्म कोर्स है, जिसमें छात्रों को अलग-अलग बिजनेस एक्टिविटीज और मैनेजमेंट से जुड़े सिद्धांतों का ज्ञान मिलता है। इसके बाद आप कई अलग-अलग आर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी सेटअप कर सकते हैं।

रिलायंस की वायकॉम18 अपने कुछ टीवी चैनल कर सकती है बंद

मुंबई

रिलायंस की मीडिया कंपनी वायकॉक 18 अपने कुछ हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं के चैनलों को बंद करने पर वचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार वॉल्ट डिज्नी और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने विलय प्रस्ताव के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी लेने हेतु स्टार इंडिया और वायकॉम18 के कुछ हिंदी और क्षेत्रीय चैनलों को बंद करने की पेशकश की है। विलय के बाद दोनों कंपनियां प्रमुख हिंदी जीईसी चैनलों जैसे स्टार प्लस और कलर्स को बनाए रखते हुए कुछ अन्य चैनल बंद कर सकती हैं। इसके अलावा यह कन्नड़, मराठी और बांग्ला भाषा के बाजारों में चैनल बंद करने की योजना बना रही है। विलय के बाद बनने वाली स्टार और वायकॉम18 की यूनिट हिंदी, जीईसी, कन्नड़, बांग्ला और मराठी बाजारों में 40 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी होगी। स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टिंग तो इसका एकाधिकार होगा। उसके पास सभी प्रमुख क्रिकेट और नॉन-क्रिकेट खेलों को ब्रॉडकास्टिंग राइट्स होंगे। अगर किसी भी एंटिटी के पास किसी भी कैटगरी में 40 फीसदी से अधिक बाजार हिस्सेदारी होती है तो सीसीआई की नजर में यह वर्चस्व माना जाता है। इस मामले में आरआईएल और डिज्नी ने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

ऊर्जा भंडारण में निवेश पहली छमाही में बढ़कर 15.4 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली ।

ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में निवेश जनवरी-जुलाई में दोगुना से अधिक बढ़कर 15.4 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एक अमेरिकी शोध कंपनी की नई रिपोर्ट के अनुसार निवेश में वेंचर कैपिटल (वीसी) वित्तपोषण, ऋण वित्तपोषण और सार्वजनिक बाजार वित्तपोषण शामिल हैं। फंडिंग एंड एमएंडए रिपोर्ट फॉर स्टोरेज एंड ग्रिड शीर्षक वाली रिपोर्ट के अनुसार 2024 की पहली छमाही में ऊर्जा भंडारण कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट वित्तपोषण 64 सौदों के जरिये 15.4 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया। यह सालाना आधार पर 117 प्रतिशत अधिक है। 2023 की पहली छमाही में यह 59 सौदों में 7.1 अरब अमरीकी डॉलर था। रिपोर्ट के अनुसार 2024 की पहली छमाही में ऊर्जा भंडारण कंपनियों के लिए वीसी वित्त पोषण 37 प्रतिशत बढ़कर 48 सौदों में 2.4 अरब अमरीकी डॉलर रहा। यह 2023 की पहली छमाही में 43 सौदों में 3.8 अरब अमरीकी डॉलर रहा था। ऊर्जा भंडारण कंपनियों के लिए ऋण तथा सार्वजनिक बाजार वित्तपोषण 2024 की पहली छमाही में 16 सौदों के जरिये 13 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया, जो 2023 में इसी अवधि के दौरान 16 सौदों के जरिये जुटाए गए 3.3 अरब अमरीकी डॉलर से 294 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं 2024 की पहली छमाही में 14 विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) लेनदेन हुए। 2023 में इसी अवधि में आठ विलय एवं अधिग्रहण लेनदेन हुए थे। इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया कि 2024 की पहली छमाही में स्मार्ट ग्रिड कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट वित्त पोषण 36 सौदों में कुल 1.6 अरब अमरीकी डॉलर रहा, जो 2023 की इसी अवधि में 33 सौदों में जुटाई गई 1.8 अरब अमरीकी डॉलर की तुलना में 11 प्रतिशत कम है।

भारत ने जुलाई में रूस से 2.8 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा

मुंबई

विश्व के प्रमुख तेल उपभोक्ता और आयातक भारत ने जुलाई में रूस से 2.8 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा।` जिससे भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है, जो रूसी तेल का सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार रूस भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। इस तेल को रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में परिवर्तित किया जाता है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद कुछ यूरोपीय देशों द्वारा रूस से खरीद से परहेज करने के बाद रूसी तेल छूट पर उपलब्ध था। रूस से कच्चे तेल का आयात यूक्रेन युद्ध से पहले कुल आयातित तेल का एक प्रतिशत से भी कम था। यह अब भारत की कुल तेल खरीद का लगभग 40 प्रतिशत हो गया है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि चीन ने रूस के कच्चे तेल निर्यात का 47 प्रतिशत खरीदा, उसके बाद भारत (37 प्रतिशत), यूरोपीय संघ (सात प्रतिशत) और तुर्किये (छह प्रतिशत) रहा। सिर्फ तेल ही नहीं, बल्कि चीन और भारत ने रूस से कोयला भी खरीदा। रिपोर्ट के अनुसार, पांच दिसंबर, 2022 से जुलाई, 2024 के अंत तक चीन ने रूस के कुल कोयला निर्यात का 45 प्रतिशत खरीदा, उसके बाद भारत (18 प्रतिशत) का स्थान रहा। तुर्किये (10 प्रतिशत), दक्षिण कोरिया (10 प्रतिशत) और ताइवान (पांच प्रतिशत) शीर्ष पांच खरीदार हैं।

सिस्को 6,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई ।

सिस्को अपने वैश्विक कार्यबल में 7 फीसदी की कटौती करने की योजना बना रही है। यह दूसरी बार है जब टेक कंपनी ने इस साल छंटनी की घोषणा की है। इससे पहले फरवरी में सिस्को ने करीब 4,000 कर्मचारियों की छंटनी की थी। इन दिनों कई कंपनियों में छंटनी का दौर जारी है। इसी कड़ी में सिस्को में भी छंटनी की योजना पर काम हो रहा है। कंपनी ने फाइलिंग में कहा कि सिस्को ने प्रमुख विकास अवसरों में निवेश करने और अपने व्यवसाय में अधिक दक्षता लाने के लिए एक पुनर्गठन योजना की घोषणा की है। इस पुनर्गठन योजना से सिस्को के वैश्विक कार्यबल के लगभग 7 प्रतिशत पर प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।फाइलिंग में बताया गया है कि सिस्को छंटनी और अन्य उपायों के माध्यम से लागत में 1 बिलियन डॉलर की कटौती करने की योजना बना रहा है। इस प्रक्रिया में विच्छेद और अन्य एकमुश्त समाप्ति लाभ के साथ-साथ अतिरिक्त अन्य लागतें शामिल होंगी, जैसा कि कंपनी ने उल्लेख किया है, सिस्को को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में इन शुल्कों में से लगभग 700 मिलियन से 800 मिलियन की पहचान होगी और शेष राशि वित्त वर्ष 2025 के शेष समय के दौरान पहचानी जाने की उम्मीद है। टेक उद्योग ने 2024 में छंटनी की लहर देखी है। हाल ही में, इंटेल ने 15,000 नौकरियों में कटौती की घोषणा की, जबकि माइक्रोसॉफ्ट,

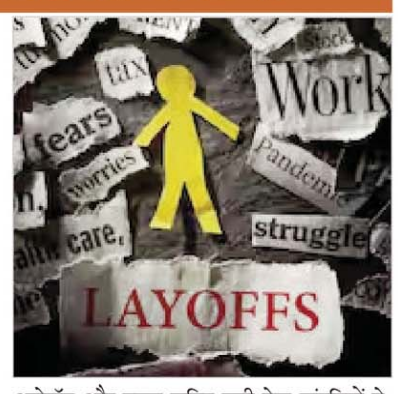

अमेज़ॅन और गूगल सहित बड़ी टेक कंपनियों ने भी अपने कर्मचारियों की संख्या में कटौती की है।

यूपीआई के नए फीचर में एक ही बैंक खाते से दो लोग कर सकते हैं भुगतान

मुंबई ।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई)प्लेटफॉर्म पर एक नया फीचर पेश किया है, जिससे ग्राहक अपने यूपीआई अकाउंट्स को दूसरों के साथ साझा कर सकेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार यूपीआई सर्कल डेलिगेट पेमेंट्स एक ऐसा फीचर है जिसमें यूपीआई अकाउंट का मास्टर एक्सेस अकाउंट होल्डर के पास रहता है लेकिन वह किसी और को भी भुगतान करने के लिए अकाउंट का एक्सेस दे सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा के डिजिटल बैंकिंग संचालन के एक वे रिष्ठ अे धिकारी का कहना है कि यह फीचर परिवार के सदस्यों या परिचितों को भुगतान करने का अधिकार सौंपने का एक नया तरीका है। इसके जरिए दो व्यक्ति एक ही बैंक खाते से यूपीआई भुगतान कर सकते हैं। इस फीचर के तहत प्राइमरी यूजर सेकेंडरी यूजर के लिए एक मेन्डेट बना सकता है। प्राइमरी यूजर सेकेंडरी यूजर को पूरी या आंशिक रूप से भुगतान करने का अधिकार दे सकता है। यदि पूरा अधिकार दिया जाता है, तो सेकेंडरी यूजर को प्राइमरी यूजर द्वारा निर्धारित राशि का सीधे भुगतान करने का अधिकार होगा। आंशिक अधिकार की स्थिति में, सेकेंडरी यूजर को हर लेनदेन के लिए प्राइमरी यूजर से अनुमति का अनुरोध करना होगा। प्राइमरी यूजर सेकेंडरी यूजर के लिए ट्रांजेक्शन लिमिट भी सेट कर सकता है। एनपीसीआई के

मुताबिक पूरे अधिकार पर अधिकतम मासिक सीमा 15,000 रुपए होगी। आंशिक डेलीगेशन के लिए मौजूदा यूपीआई सीमा लागू होगी।

यूजिया फार्मा को यूएसएफडीए से मिला चेतावनी पत्र

नई दिल्ली । अरबिंदो फार्मा लिमिटेड की शाखा यूजिया फार्मा स्पेशलिटीज को तेलंगाना में उसकी विनिर्माण इकाई के लिए अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक से चेतावनी पत्र प्राप्त हुआ है। इससे पहले मई में कंपनी ने बताया था कि उसकी पूरी स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी यूजिया फार्मा स्पेशलिटीज लिमिटेड की फॉर्मूलेशन विनिर्माण इकाई यूनिट-3 को अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने आधिकारिक कार्रवाई संकेतित (ओएआई) के तौर पर वर्गीकृत किया है। अरबिंदो फार्मा ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा` कि ओएआई के बाद इकाई को एक चेतावनी पत्र मिला है। कंपनी ने इस चेतावनी को लेकर जानकारी साझा नहीं की और हालांकि कहा` कि अमेरिकी बाजारों में मौजूदा आपूर्ति पर इससे कोई असर नहीं होगा। अरबिंदो फार्मा ने कहा कि वह यूएसएफडीए के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है और निरंतर आधार पर अपने अनुपालन को बढ़ा रही है। गौरतलब है कि यूएसएफडीए के अधिकारियों ने 22 जनवरी से दो फरवरी 2024 तक तेलंगाना में यूजिया फार्मा स्पेशलिटीज लिमिटेड की विनिर्माण सुविधा यूनिट-3 का निरीक्षण किया था। इसके बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने इस सुविधा की निरीक्षण वर्गीकरण स्थिति को आधिकारिक कार्रवाई संकेतित (ओएआई) निर्धारित किया था।

देश के 42 शहरों में 2,000 आवासीय परियोजनाएं अटकीं:प्रॉपइक्विटी

नई दिल्ली ।

देश के 42 शहरों में 5.08 लाख इकाइयों के साथ लगभग 2,000 आवासीय परियोजनाएं रुकी हुई हैं। डेटा एनालिटिक्स कंपनी प्रोपइक्विटी के अनुसार इसकी मुख्य वजह डेवलपर्स द्वारा वित्तीय कुप्रबंधन और क्रियान्वयन क्षमताओं की कमी है। प्रोपइक्विटी के आंकड़ों के अनुसार, 1,981 आवासीय परियोजनाएं रुकी हुई हैं, जिन में घरों की कुल संख्या 5.08 लाख है। इन रुकी हुई परियोजनाओं में से 1,636 परियोजनाएं 14 पहली श्रेणी के शहरों में हैं, जिनमें 4,31,946 इकाइयां रुकी हैं। जबकि 345 परियोजनाएं 28 दूसरी श्रेणी वाले शहरों में हैं, जिनमें 76,256 इकाईयां हैं। इसमें यह भी बताया गया कि रुकी हुई इकाइयों की संख्या बढ़कर 5,08,202 हो गई है, जो 2018 में 4,65,555 इकाई थी। प्रॉपइक्विटी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि रुकी हुई परियोजनाओं की समस्या और उसके बाद उनमें वृद्धि, डेवलपर्स की निष्पादन क्षमताओं की कमी, नकदी प्रवाह के कुप्रबंधन और नए भूखंड खरीदने या अन्य कर्ज चुकाने के लिए धन के उपयोग के कारण है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 1330 , निफ्टी 397 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1330 अंक करीब 1.68 फीसदी बढ़कर 80,436 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 397 अंक करीब 1.66 फीसदी ऊपर आकर 24,543.35 पर बंद हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.77 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 449.06 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। आईटी शेयरों में उछाल के कारण भी सभी 13 प्रमुख क्षेत्रों में बढ़त रही। आज कारोबार के दौरान सीडीएसएल, जेनसर टेक, पीरामल एंटरप्राइज, पॉलिसी बाजार सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि हिंदुस्तान जिंक, रतनइंडिया इंफ्रा, मैक्स फाइनेंशियल, वरुण बेवरेजेज नुकसान वाले शेयर रहे। निफ्टी में विप्रो, एलटीआईमाइंडट्री, टेक महिंद्रा, एमएंडएम और टाटा मोटर्स के शेयर ऊपर आये। निफ्टी पर सबसे ज्यादा लाभ गिरावट सन फार्मा, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, डिविस लैब्स, एचडीएफसी लाइफ और मारुति सुजुकी के शेयरों में रही। इसके अलावा बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में एक फीसदी से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई.सभी सेक्टोरल इंडेक्स आज लाभ के साथ ही ऊपर आये। हरे निशान में कारोबार किए.इससे पहले आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत हुई। सेंसेक्स 611 अंकों की उछाल के साथ ही 79,717.68 अंक पर जबकि निफ्टी 0.79 फीसदी बढ़कर 24,334.85 पर खुला। वहीं स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को भारतीय शेयर, बांड,

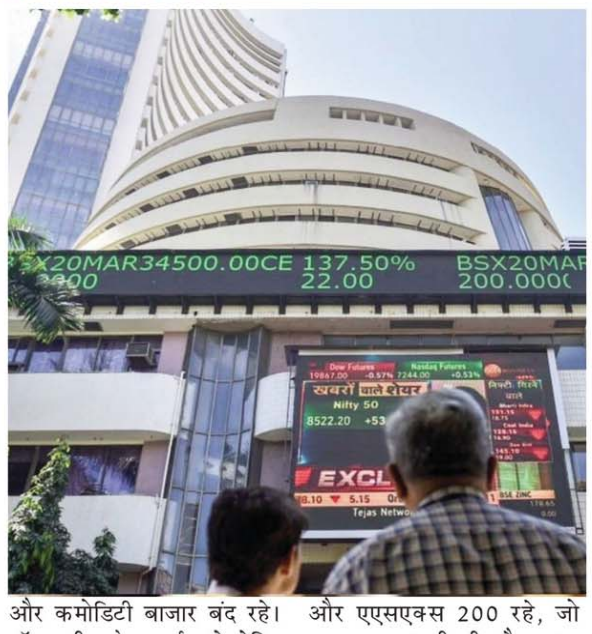

और कमोडिटी बाजार बंद रहे। वॉल स्ट्रीट के प्रदर्शन से प्रेरित होकर एशियाई बाजार सक्रिय दिख रहे हैं। जापान का निक्केई 2.76 फीसदी की बढ़त के साथ ही सबसे आगे रहा। इसके बाद कोस्पी और एएसएक्स 200 रहे, जो क्रमशः 1.70 फीसदी और 1.32 फीसदी बढ़त में है। अमेरिका में हालिया आर्थिक आंकड़ों से मंदी की आशंका कम होने के बाद बाजार बढ़त के साथ बंद हुए

आज से प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है पिक्सल 8 प्रो एक्सएल

नई दिल्ली ।

गूगल कंपनी का सबसे महंगा मॉडल पिक्सल 8 प्रो एक्सएल है। गूगल ने इसे आज से प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध करा दिया गया है।

फोन की शुरुआती कीमत 1,24,999 रुपये रखी है। फोन की सेल 22 अगस्त से शुरू कर दी जाएगी। इस फोन का कैमरा सबसे कमाल का है और खास बात ये है कि इस प्रीमियम फोन में 42 मेगापिक्सल का डुअल पीडी कैमरा दिया गया है। गूगल पिक्सल द्य 9 प्रो एक्सएल में 6.8 इंच का सुपर एक्टुआ डिस्प्ले मिलता है, जिसकी पीक ब्राइटनेस 3,000 निट्स और 1344 एक्स 2992 पिक्सल रेजोलूशन है। ये 486 पीपीआई, 20:9 आस्पेक्ट रेशियो और 1 एचझेड-120 एचझेड रिफ्रेश रेट वाला एलटीपीओ ओलेड पैनल दिया गया है।

इसका डिस्प्ले कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 की प्रोटेक्शन के साथ आता है। इसमें गूगल टेन्सर जी4 एसओसी है, जिसे टाइटन एम2 सिक्योरिटी कोप्रोसेसर, 16जीबी रैम और 512जीबी तक स्टोरेज के साथ जोड़ा गया है। साथ ही इसमें 128जीबी,256जीबी, 1टीबी की स्टोरेज भी दी जाती है।फोन का प्रो मॉडल 30 एफपीएस पर 8के वीडियो रिकॉर्डिंग का सपोर्ट करते हैं पिक्सल द्य 9 प्रो एक्सएल एक अडिशनल टेम्प्रेचर सेंसर के साथ आता है और एक अल्ट्रा-वाइडबैंड चिप पेश करता है। गूगल पिक्सल द्य 9 प्रो सीरीज़ में एड मी फीचर शामिल किया गया है, जहां फोटो खींचने के बाद किसी नए व्यक्ति को तस्वीर में जोड़ा जा सकता है। गूगल पिक्सल द्य 9 प्रो एक्सएल में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया जाता है, जिसमें 50-मेगापिक्सल एमपी ऑक्टा पीडी वाइड कैमरा, 48-मेगापिक्सल क्वाड पीडी अल्ट्रावाइड कैमरा और 30एक्स सुपर रेस के साथ 48-मेगापिक्सल क्वाड पीडी टेलीफोटो कैमरा शामिल है। ज़ूम और 5एक्स ऑप्टिकल ज़ूम की सुविधा भी है।

सेल्फी और वीडियो चैट के लिए फोन में ऑटोफोकस के साथ 42 मेगापिक्सल का डुअल पीडी सेल्फी कैमरा मिलता है।

ईकॉम एक्सप्रेस आईपीओ के जरिये जुटाएगा 2600 करोड़

नई दिल्ली ।

ईकॉम एक्सप्रेस ने आरंभिक सार्वनजिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 2,600 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल आईपीओ दस्तावेज के अनुसार निर्गम 1,284.50 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और 1,315.50 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। कंपनी के अनुसार आईपीओ से अर्जित पूंजी में से 387.44 करोड़ रुपये का उपयोग स्वचालन के साथ नए प्रसंस्करण केंद्र और नए पूर्ति केंद्र स्थापित करने के लिए किया जाएगा। 73.71 करोड़ रुपये कंप्यूटर तथा आईटी उपकरणों के लिए और 239.23 करोड़ रुपये प्रौद्योगिकी, डेटा विज्ञान क्षमताओं तथा क्लाउड बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर खर्ज किए जाएंगे। 87.92 करोड़ रुपये से कर्ज चुकाया जाएगा। कंपनी आईपीओ पूर्व निर्गम में 257 करोड़ रुपये जुटाने पर विचार कर रही है। ऐसा होने पर नए निर्गम का आकार घटा दिया जाएगा। ईकॉम एक्सप्रेस पूरे भारत में एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स नेटवर्क संचालित करती है। आवश्यक लॉजिस्टिक्स बनुयादी ढांचे की पेशकश और प्रौद्योगिकी का उपयोग कर कंपनी देश भर के उपभोक्ताओं के साथ डिजिटल खुदरा विक्रेताओं तथा ई-वाणिज्य मंचों को जोड़ती है।

पेज एक का शेष

सभी को उनका...

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के साढ़े 4 वर्ष हो चुके हैं । इन साढ़े चार वर्षों में राज्य सरकार के विभिन्न श्रेणियों और संवर्गों के कर्मियों के लिए कई निर्णायक फैसले लिए हैं। पुरानी पेंशन योजना लागू की गई है । आंगनबाड़ी सेविका- सहायिकाओं का मामला हो या अनुबंध अथवा किसी भी श्रेणी में कार्यरत कर्मचारी, उनके मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि के साथ सेवा- शर्तें बेहतर की गई है। इसके अलावे भी अनेक ऐसे निर्णय हमारी सरकार ने लिए हैं, जो सरकारी कर्मियों को बेहतर माहौल में कार्य करने का अवसर प्रदान कर रहा है ।ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने 10 अगस्त को अपने 49 वें जन्म दिवस के अवसर पर गृह रक्षकों (स्वंयसेवकों) को पुलिस कर्मियों के समकक्ष दैनिक कर्तव्य पारिश्रमिक देने के प्रस्ताव को स्वीकृति देकर बड़ी सौगात दी थी। इसके तहत गृह रक्षकों (स्वंयसेवकों) अब पुलिस कर्मियों के समकक्ष दैनिक कर्तव्य पारिश्रमिक के रूप में एक हजार अठासी रुपए (1088/-) प्रतिदिन की दर से भुगतान होना है।

हेमंत सरकार की...

उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति से इंडी एलायंस ने 5 सीट जीता है। यह जनसमर्थन की जीत नही बल्कि तुष्टिकरण की जीत है ।भाजपा जनता को तुष्टिकरण की राजनीति से मुक्ति दिलाने केलिए संकल्पित है ।उन्होंने कहा कि झारखंड आज निर्णायक मोड़ पर है। बदलते डेमोग्राफी से आने वाले दिनों में राज्य तबाह हो जायेगा। सत्ता केलिए इंडी एलायंस ने घुसपैठियों के हाथों में सब कुछ सौंप दिया है।

उन्होंने कहा कि कि 5साल पहले से जनता को धोखा देकर सत्ता में आई हेमंत सरकार एकबार फिर से जनता को दिग्भ्रमित करने में जुटी है ।आनन फानन में योजनाओं की घोषणा कर रही ।लेकिन हेमंत सोरेन यह नहीं बता पा रहे कि उनकी पिछले 5साल में कौन सी योजना धरातल पर उतरी।

कहा कि जनता को पता है कि हेमंत सरकार के खाने के दांत और दिखाने के अलग अलग हैं ।कहा कि भाजपा ने पहले भी राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है और भाजपा नेतृत्व की नई सरकार मईयां योजना से भी अच्छी योजना लाकर बहन बेटियों की उन्नति सुनिश्चित करेगी ।बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश के संगठन प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेई ने कहा कि हेमंत सरकार ने राज्य को चौतरफा लूटा और बर्बाद किया है। लेकिन अब इसे बाहर का रास्ता दिखाने का समय आ चुका है। जनता तैयार बैठी है ।हमे दरवाजे दरवाजे दस्तक देने की जरूरत है। नाकामियों विफलताओं के भार से यह सरकार दब चुकी है ।उन्होंने कहा कि हमें 2024में नेता प्रतिपक्ष नही बल्कि नेता सदन चुनना है ।उन्होंने मंडल अध्यक्षों से संकल्प को सिद्धि में बदलने केलिए कमर कसने का आहवान किया।

देश के सभी...

अस्पतालों में पहले तय ऑपरेशन टाले जाने की संभावना है। कोलकाता में बुधवार रात आरजी कर अस्पताल में हुई हिंसा के बाद, फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन, इंडिया ने भी अपनी राष्ट्रव्यापी हड़ताल फिर से शुरू करने का फैसला किया ।इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कोलकाता में महिला डॉक्टर से दरिंदगी और फिर अस्पताल में तोड़-फोड़ की घटना पर सवाल उठाए। आईएमए ने इस जघन्य कांड की निंदा करते हुए कहा कि डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है। उन्होंने बताया कि शनिवार को होने वाली हड़ताल के दौरान, मृत लेडी डॉक्टर के लिए न्याय, डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून और अस्पतालों को सुरक्षित क्षेत्र घोषित करने जैसी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे।

कांग्रेस ने शुरू...

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उन्होंने खुद भी संविधान संरक्षण स्वयंसेवकों के रूप में नामांकन कराया है। अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेश लिलोठिया ने कहा कि संविधान के निर्माण के समय इसका विरोध करने वाली और इसकी प्रतियां जलाने वाली ताकतें आज सत्ता में हैं। उन्होंने कहा कि संविधान पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। लिलोठिया ने बताया कि अभियान को पूरे देश में हर गांव तक बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर गांव में दो संविधान संरक्षण स्वयंसेवकों की पहचान की जाएगी, जिनमें एक पुरुष और एक महिला होगी, जिन्हें इस उद्देश्य के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अभियान का समापन 26 नवंबर को तालकटोरा स्टेडियम में एक विशाल कार्यक्रम के साथ होगा। इस दिन संविधान को अपनाए जाने के 75 साल भी पूरे होंगे। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि अभियान सही समय पर शुरू किया जा रहा है, क्योंकि संविधान को बदलने की चाहत रखने वाली ताकतें अभी भी सत्ता में हैं और संविधान को खतरा बहुत ज्यादा है।

उमर नहीं मैं लड़ूंगा...

चुनाव की तारीखों के एलान के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मैं ये चुनाव लड़ूंगा, उमर अब्दुल्ला चुनाव नहीं लड़ेंगे।

जब राज्य का दर्जा मिल जाएगा तो मैं पद छोड़ दूंगा और उस सीट पर उमर अब्दुल्ला चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हम राज्य का दर्जा चाहते हैं, न केवल एनसी बल्कि जम्मू-कश्मीर की सभी पार्टियां ऐसा चाहती हैं। यह भारत सरकार का वादा है कि पूर्ण राज्य का दर्जा होगा।

विकसित भारत को गढ़ने के संकल्पों का उद्बोधन

ललित गर्ग

'विकसित भारत' की थीम के साथ इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस उद्बोधन भारत की भावी दशा-दिशा को रेखांकित करते हुए कह रहा है कि देश किन्हीं समस्याओं पर थमे नहीं, रूके नहीं, क्योंकि समाधान तलाशते हुए आगे बढ़ना ही जीवंत एवं विकसित देश की पहचान होती है। इसके लिये जो अतीत के उत्तराधिकारी और भविष्य के उत्तरदायी है, उनको दृढ़ मनोबल और नेतृत्व का परिचय देना होगा, पद, पार्टी, पक्ष, प्रतिष्ठा एवं पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर। यही भावना सबल सक्षम और समरस राष्ट्र बनाएगी और विश्व में भारत का मान बढ़ाएगी, इसी से भारत विश्वगुरु बनेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लालकिले की प्राचीर से 78वें स्वतंत्रता दिवस का अब तक का सबसे लम्बा 98 मिनट का 11वां राष्ट्रीय उद्बोधन एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की बानगी है। जो आजादी के अमृतकाल को अमृतमय बनाने के लिये लोगों को ऊंचे सपने देखने, बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने वर्तमान की वैश्विक एवं राजनैतिक चुनौतियों को भविष्य की अपनी दृष्टि पर हावी नहीं होने दिया। यह उद्बोधन भारत की भावी दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व गुरु बनाने एवं दुनिया की आर्थिक महाताकत बनाने का आह्वान है। यह शांति का उजाला, समृद्धि का राजपथ, उजाले का भरोसा एवं महाशक्ति बनने का संकल्प है। लालकिले से जब देश का प्रधानमंत्री बोलता है तो वह भारत के महान लोकतंत्र की उस आत्मा को साकार करता है जो इस देश के 140 करोड़ देशवासियों के भीतर बसती है। प्रधानमंत्री मोदी के सम्बोधन को वास्तविकता की रोशनी में नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत के रूप में देखा जाना चाहिए। धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता को जरूरी बताने के साथ-साथ प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक आपदा से लेकर रिफार्म्स तक, महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों से लेकर गवर्नेंस मॉडल, रोजगार, व्यापार, रक्षा, चिकित्सा समेत कई विषयों की चर्चा की। उन्होंने न्यायिक सुधारों पर आगे बढ़ने का भी संकेत दिया। इसके साथ ही वह विपक्ष को निशाना बनाने से नहीं चूके और सरकार का एजैंडा उन्होंने पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया है। निश्चित ही अब तक हुए लालकिले की प्राचीर के उद्बोधनों में सर्वाधिक प्रेरक, संकल्पमय एवं विकसित भारत की इबारत लिखने वाला यह उद्बोधन रहा। अंधेरों को चीर कर उजाला की ओर बढ़ते भारत की महान यात्रा के लिये सबके जागने, संकल्पित होने एवं आजादी के अमृतकाल काल को अमृतमय बनाने के लिये दृढ़ मनोबली महानायक का आह्वान है।

प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में खास एवं ऐतिहासिक होने की अनुगूंजें इस उद्बोधन में साफ सुनाई दी, जैसाकि उनके पूर्व के दो कार्यकाल इस लिहाज खास रहे हैं कि उनकी पार्टी के जिन लक्ष्यों को राजनीति की अन्य धाराएं लगभग नामुमकिन मानती थीं, उन्हें देश के अजेंडा का हिस्सा बनाते हुए हासिल कर लिया गया। चाहे वह अयोध्या में राममंदिर बनाने की बात हो या अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर को हासिल विशेष दर्जा खत्म करने की। तीसरे कार्यकाल में ऐसा ही एक और लक्ष्य है कॉमन सिविल कोड जो राष्ट्रीय स्तर पर लागू होना बाकी है। मोदी ने धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता के रूप में इसका जिक्र कर-

के यह संकेत दिया है कि इसे देशवासियों के लिए स्वीकार्य बनाना और लागू करना उनकी सरकार की प्राथमिकता में काफी ऊपर है। उनके शब्दों में मौजूदा सिविल कोड एक तरह से साम्प्रदायिक नागरिक संहिता है। देश को ऐसे सिविल कोड की जरूरत है, जिससे धर्म के आधार पर भेदभाव से मुक्ति मिले। जब देश में अधिकतर मामलों में नागरिकों पर एक समान कानून लागू होते हैं तो फिर अलग-अलग धर्मों के अपने अलग-अलग लॉ भारत के संविधान पर सवालिया निशान लगाते दिखाई दे रहे हैं। मोदी देश में बार-बार होने वाले चुनावों को विकास की राह में बाधा मानते हैं और यह कोशिश करते रहे हैं कि पूरे देश में एक साथ चुनाव होने लगें। लेकिन हालिया लोकसभा चुनाव में बीजेपी की सीटें कम होने के बाद उनकी पार्टी और सरकार का यह अजेंडा आगे बढ़ना मुश्किल भले ही माना जा रहा हो, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में इसका भी जिक्र करते हुए यह संकेत दिया कि इस दिशा में उनकी सरकार के प्रयास जारी रहेंगे। इन सबके साथ ही प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की खास उपलब्धियों और उसके सामने मौजूद चुनौतियों का जिक्र करना नहीं भूले।

अनेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं वाले इस बार के उद्बोधन एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि विकसित भारत के लक्ष्य को सामने रखा गया, उससे यही स्पष्ट हुआ कि वह अपने इस एजेंडे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के बाद भी वह अपने लक्ष्य से डिगे नहीं हैं। इसका पता इससे चलता है कि उन्होंने आंतरिक और बाहरी चुनौतियों की चर्चा करते समय बांग्लादेश के हालात का भी जिक्र किया और वहां के हिंदुओं एवं अल्पसंख्यकों को लेकर भी अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने एक ओर जहां जातिवाद और परिवारवाद की राजनीति पर प्रहार किया, वहीं दूसरी ओर कोलकाता की दिल दहलाने वाली घटना को ध्यान में रखते हुए नारी सुरक्षा की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने यह कहकर देश की राजनीति में व्यापक परिवर्तन लाने की भी पहल की कि आने वाले समय में एक लाख ऐसे युवाओं को अपनी पसंद के राजनीतिक दलों में सक्रिय होना चाहिए, जिनके परिवार के लोग पहले कभी राजनीति में न रहे हों। निश्चित ही भारतीय राजनीति को परिवारवाद से मुक्ति एवं नए विचारों और नई ऊर्जा से ओतप्रोत युवा नेताओं की आवश्यकता है।

यह ऐतिहासिक उद्बोधन कोरा राजनीतिक उद्बोधन न होकर राष्ट्रीयता को समृद्ध एवं शक्तिशाली बनाने का सशक्त आह्वान है जो इस बात विश्लेषण करता है कि हम कहां से कहां तक पहुंच गए। अंतरिक्ष हो या समंदर, धरती हो या आकाश, देश हो या दुनिया आज हर जगह भारत का परचम फहरा रहा है, भारत ने जितनी प्रगति की है उसे देखकर हर देशवासी को भारतीय होने का गर्व हो रहा है तो इसका श्रेय मोदी को दिया जाना कोई अतिश्योक्ति नहीं है, इसकी चर्चा करना राजनीतिक नहीं, भारत की सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक समृद्धि का बखान है। हर भारतवासी मोदी के उद्बोधन से इसलिये भी प्रेरित एवं प्रभावित हुए है कि 'मिशन मोड' पर 'ईज ऑफ लिविंग' को पूरा करने के अपने दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए उसे आगे बढ़ा रहे है। उन्होंने व्यवस्थित मूल्यांकन, बुनियादी ढांचे और सेवाओं में सुधार के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने की बहुत जरूरी बात कही है। उन्होंने भारत में जीवन को आसान बनाने की अपेक्षा की, ताकि अमीरों एवं युवा प्रतिभाओं के पलायन को रोका जा सके। मोदी ने देश की जनता में जोश एवं संकल्प जगाते हुए ऐसा ही कुछ कहा जो जीवन की अपेक्षा को न केवल उद्घाटित करता है, बल्कि जीवन की सच्चाइयों को परत-दर-परत खोलकर रख देते हैं।

'विकसित भारत' की थीम के साथ इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस उद्बोधन भारत की भावी दशा-दिशा को रेखांकित करते हुए कह रहा है कि देश किन्हीं समस्याओं पर थमे नहीं, रूके नहीं, क्योंकि समाधान तलाशते हुए आगे बढ़ना ही जीवंत एवं विकसित देश की पहचान होती है। इसके लिये जो अतीत के उत्तराधिकारी और भविष्य के उत्तरदायी है, उनको दृढ़ मनोबल और नेतृत्व का परिचय देना होगा, पद, पार्टी, पक्ष, प्रतिष्ठा एवं पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर। यही भावना सबल सक्षम और समरस राष्ट्र बनाएगी और विश्व में भारत का मान बढ़ाएगी, इसी से भारत विश्वगुरु बनेगा। हम भारत के लोग विश्व मंगल की कामना की पूर्ति तभी अच्छे से कर सकते हैं जब पहले राष्ट्र मंगल की भावना से ओतप्रोत हों। तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत ने पिछले 78 वर्षों में जो प्रगति की उडान अपनी विविधता को संजाये हुए भरी है उससे पूरी दुनिया हैरत में है। बड़े-बड़े देश अब भारत के लोगों के विकास, ज्ञान और उनकी मेहनत के दीवाने हैं। दुनिया के हर कोने में भारतीय अपना झंडा गाड़ रहे हैं। उन्होंने देशवासियों से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के खिलाफ लड़ने का आह्वान भी किया क्योंकि ये गरीब, पिछड़े, आदिवासियों और दलितों का हक छीनते हैं। उन्होंने नवाचार के इच्छुक उद्यमियों को विशेष रूप से संबोधित किया गया। भारत का निर्यात बढ़ना जरूरी है और इसके लिए ऐसे उत्पाद बनाने की जरूरत है, जिनकी विश्व स्तर पर मांग हो। देश में चिकित्सा शिक्षा को बढ़ाने के मकसद से अगले पांच वर्षों में 75000 नई मेडिकल सीटें जोड़ने की घोषणा महत्वपूर्ण है। ऐसी ही घोषणाओं से भारत एक आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित हो सकेगा।

संपादकीय

नापाक इरादों पर प्रहार

पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में विदेशी आतंकवादियों को भेज रहा है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए भाषण में यह कहा। आतंकवाद में उल्लेखनीय कमी की बात करते हुए उन्होंने कहा कि यहां किसी भी आतंकी संगठन का कोई शीर्ष नेतृत्व नहीं बचा है। हड़ताल और पथराव की घटनाएं इतिहास के पन्नों में सिमट गई हैं। पाकिस्तान पर प्रहार करते हुए सिन्हा ने कहा, जो देश अपने नागरिकों को दो वक्त का खाना मुहैया कराने तक में असमर्थ है, वह अस्थिरता पैदा करने और शांति भंग करने के लिए यहां विदेशी आतंकियों को भेज रहा है। बीते दिनों आतंकी हमलों में शहीद हुए अधिकारियों, सैनिकों और नागरिकों के बलिदान का उन्होंने स्मरण किया। स्थानीय लोगों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करने की भी बात की। सिन्हा ने बताया कि नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले आतंकवादी नेटवर्क पर हमला कर रहे हैं। उधर जम्मू में उधमपुर जिले में आतंकवादी मुठभेड़.में शहीद कैप्टन दीपक सिंह को सेना और पुलिस ने श्रद्धांजली दी। ड़ोड़ा के अस्सार में एक दिन पहले ही कैप्टन शहीद हुए थे। अंदेशा है कि ऊपरी इलाकों खासकर जंगलों में आतंकी छिपे हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि पिछले दिनों हुए हमलों में आर्तकियों ने अल्पाइन क्वेस्ट लोकेशन एप्लीकेशन का प्रयोग किया था जिसका इस्तेमाल पाकिस्तानी सेना, नौ सेना और वायु सेना करती है। इसके जरिए घने जंगलों के नदी-नालों और पहाड़ी गुफाओं की सटीक लोकेशन मिल जाती है। कठुआ एनकाउंटर में मारे गए आतंकवादियों के पास मिली चीजों पर पाकिस्तानी जगहों के नाम और पते उर्दू में अंकित थे। जब-जब पाकिस्तान में आंतरिक उथल-पुथल होती है, वे अवाम का ध्यान बांटने के लिए सीमा से घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियों में तेजी लाने लगते हैं। सरकार के कड़े. निर्णयों और सेना को छूट देने जैसे निर्णयों ने ही आतंकवाद पर काबू पाया है। विधानसभा चुनाव से पूर्व शांति बहाली के प्रयास बेहद जरूरी हैं।

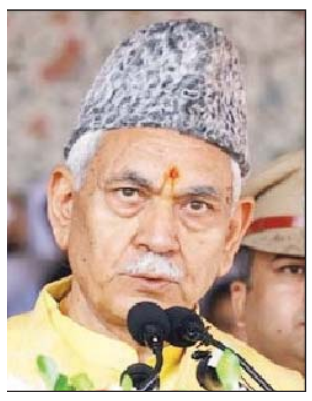

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

मामूली बारिश में शहर जलमग्न होना, व्यवस्था की नाकामी

निर्मल रानी

वर्षा ऋतु का सावन माह अपने शबाब पर है। देश के विभिन्न भागों में हलकी,तेज तो कहीं बहुत तेज बारिश के समाचार हैं। पिछले दिनों 10 -11 अगस्त को पंजाब,हिमाचल व हरियाणा के कई इलाकों में तेज बारिश हुई। इसी बारिश का प्रकोप हरियाणा के भी कई जिलों में देखने को मिला।परन्तु अम्बाला शहर में 11 अगस्त रविवार की सुबह और दोपहर में केवल दो दो घंटे की बारिश ने तो लगभग पूरे शहर को ही डुबो कर रख दिया। न तो बारिश इतनी ज्यादा हुई व इतनी देर तक चली न कहीं से बाढ़ का पानी आया। परन्तु पूरा शहर पानी पानी हो गया। शहर का दृश्य ऐसा था गोया सड़कें नदी दिखाई दे रही थीं । हजारों घरों व दुकानों में पानी भरा हुआ था। अनेक बाजार बंद थे । अनेक वाहन सड़कों पर पानी में फंसे हुए थे। लोगों का कारोबार चौपट था। हद तो यह है कि रेलवे लाइन पर भी पानी भरा था और उसे पंप द्वारा निकालने की कोशिश की जा रही थी। बारिश के मौसम में अम्बाला शहर के एक बड़े इलाके को अक्सर ही इन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।

परन्तु सवाल यह है कि ऐसा क्यों और शहरवासियों की यह दुर्दशा कब तक? और यह भी कि क्या इसके लिये सरकार व सम्बंधित व्यवस्था की कोई जिम्मेदारी भी है ? अम्बाला शहर में पिछले दस वर्षों से एक ही भाजपा विधायक निर्वाचित हो रहे हैं। इन्हें मनोहर लाल खट्टर के कार्यकाल में वर्ष 2022-23 में 14 वीं हरियाणा विधानसभा में हरियाणा के प्रथम सर्वश्रेष्ठ विधायक के रूप में चुना गया था। यह विधायक प्रदेश के सभी 90 विधायकों में इसलिये भी प्रथम पाए गये थे क्योंकि वे सदन में जनहित के मुद्दे उठाते थे। शायद इसी योग्यता के चलते ही इन्हें वर्तमान नायब सिंह सरकार में मंत्री का पद भी मिल गया है । कुछ वर्ष पूर्व जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं को प्रधान सेवक कहलाने लगे थे उस समय इन विधायक जी ने भी अपने नाम में विधायक के स्थान पर नगर सेवक लिखवाना शुरू कर दिया था।

लिहाजा आज जब मात्र दो घंटे की बारिश में शहर में जल प्रलय हो जाता है तो लोगों का यह पूछना स्वभाविक है कि जिस विधानसभा क्षेत्र के जनहित के मुद्दे आप सदन में उठाते थे जिसके चलते आपको हरियाणा का प्रथम सर्वश्रेष्ठ विधायक चुना गया था वे मुद्दे आखिर क्या थे ? उन मुद्दों में प्रत्येक वर्ष बारिश में शहर में जल प्रलय हो जाने जैसा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा भी था अथवा नहीं ? यदि था तो आपके दस वर्षों के शासन काल में इसमें क्या प्रगति हुई ? पार्क, तालाब आदि जो बन रहे थे वे भी आधे अधूरे हैं। पूरे शहर जाम हैं व अभी से टूटने भी लगे हैं। इसी बारिश के पहले विधायक जी की टीम ने एक वीडियो वायरल की जिसमें दिखाई दिया कि मंत्री जी स्वयं नाले की सफाई का निरीक्षण कर रहे हैं और सफाई कर्मियों को सख़्त निर्देश दे रहे हैं। उस वीडिओ को देखकर ऐसा लगा कि शायद इस बार विधायक जी के मंत्री बन जाने के बाद नगर वासियों को बरसाती जलप्रलय रुपी नर्क से मुक्ति मिल जाएगी। परन्तु इस बार तो केवल दो घंटे में ही पूरा शहर पानी पानी हो गया ?

विधायक जी के हाथों से उद्घाटन किया हुआ सिटी रेल स्टेशन के साथ लगता सबसे व्यस्त रेल अंडरपास भी है। इसे विधायक जी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर पिछले साल ही उद्घाटित किया था। यह रेल अंडरपास बरसात में स्वीमिंग पूल बना रहता है। यहीं नहीं बल्कि बारिश में शहर के तीनों अंडर पास तालाब बन जाते हैं। गोया न ही अंडर पास के पानी की व्यवस्थित निकासी है न ही शहर के मुख्य नालों व नालियों की। परन्तु आपको विकास कार्य पूरे वर्ष होते दिखाई देगा। विकास कैसा ? कहीं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चौक, तो कहीं एल ई डी की चमकदार रौशनी ,कहीं कुछ चौक पर लगी लाल बत्तियां तो कहीं चौक चौराहों पर स्टील द्वारा की गयी सजावटें। कुछ ही दिनों बाद लाल बत्तियां भी बंद और एल ई डी भी गुल। निमार्णाधीन पार्कों में लगी पत्थरों की कीमती जालियां अभी से टूटने लगी हैं। परन्तु इनसबसे जनता को क्या दिलचस्पी। अम्बाला शहर की जनता की सबसे बड़ी समस्या है शहरी जल भराव। और इससे निजात पाने का एकमात्र उपाय है जल निकासी व इसका सुचारु निष्पादन और इसके लिये कारगर,समुचित व भ्रष्टाचार मुक्त योजना।

आज शहर के अधिकांश नाले न केवल जाम पड़े हैं बल्कि टूटे हुए भी हैं। कई जगह तो टूटे हुये नालों का लेवल साथ लगती कालोनियों की जमीन के बराबर है। परिणामस्वरूप नालों में जरा भी पानी ओवरफ़्लो होता है वह आगे बढ़ने के बजाये कॉलोनी में घुस आता है। शहर की सीवरेज व्यवस्था लगभग फेल हो चुकी है। जगह जगह सीवर के मेन होल ओवर फ़्लो हैं। ओवर फ़्लो सीवर का गंदा व बदबूदार पानी कालोनियों में फैल रहा है। कई जगह तो सीवर के मेन होल के या तो ढक्कन टूट गए हैं या फिर पूरा मेन होल ही धंस गया है। जिला प्रशासन सहित इस व्यवस्था से सम्बंधित अधिकारियों को स्थानीय समाजसेवियों व पत्रकारों द्वारा कई बार इस दुर्व्यवस्था व बारिश में होने वाले संभावित जलप्रलय के प्रति सचेत भी किया गया। परन्तु नतीजा वही है जो लगभग हर साल बारिश में दिखाई देता है। इसी दुर्व्यवस्था के चलते हरियाणा की सबसे बड़ी कपड़ा मार्किट प्रभावित होती है। तमाम दुकानों में पानी भरने से करोड़ों का नुक़्सान हो जाता है। दुकानें बंद,ग्राहकों का आवागमन बंद,सड़कें नदी बन जाती हैं। हद तो यह है कि जिलाधिकारी कार्यालय के चारों ओर कई कई दिन तक पानी भरा रहता है ,स्टेट बैंक की शहर की सबसे मुख्य ब्रांच में पानी घुसा रहता है ,नगर निगम के चौक जगाधरी गेट पर जलभराव ,धनाढ्यों व नव धनाढ्यों के रहने वाले कथित पॉश इलाके सेक्टर्स व मॉडल टाउन,इनको चौक,जंडली, प्रेम नगर, आदि सभी जगह पानी रुका रहता है। शुकुल कुंड रोड,बादशाही बाग ,सोनिया कॉलोनी,रणजीत नगर,महावीर नगर जैसे दर्जनों इलाके जलमग्न रहते हैं। लोगों के घरों के फर्नीचर और अनेक जरूरी सामान बरसाती पानी घुसने से खराब हो जाते हैं। लोगों का काम काज ठप्प हो जाता है। शहर में जब तक पानी की निकासी न हो तब तक दुर्गन्ध का साम्राज्य रहता है। मामूली सी बारिश में शहर का जलमग्न हो जाना निःसंदेह केवल संबद्ध व्यवस्था की नाकामी का ही परिणाम है जो जनता भुगतने के लिये मजबूर रहती है। जनता को हर साल बारिश में होने वाली ऐसी परेशानियों के लिये किसी न किसी को जिम्मेदार तो ठहरना ही पड़ेगा ?

उत्तराखंड़ : विकास मापने का नया आधार

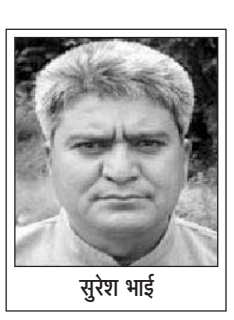

सुरेश भाई

जुलाई के तीसरे सप्ताह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड सकल पर्यावरण उत्पाद सूचकांक (जीईपी) लॉन्च किया। इसका सरल अर्थ है कि उत्तराखंड जैसे संवेदनशील क्षेत्र में विकास कार्य से पहले मूल्यांकन करके जल, जंगल, जमीन, वायु पर उसके प्रभाव का आकलन होगा। यदि विपरीत प्रभाव की अधिक संभावनाएं होंगी तो निश्चित ही उसको रोकना भी पड़ेगा। यही बात 2007 की केंद्रीय पुनर्वास नीति में भी लिखी गई है।

5 जून, 2021 को तत्कालीन मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने भी यही ऐलान किया था कि उत्तराखंड पहला राज्य होगा जहां विकास को मापने के लिए जीईपी लागू किया जाएगा। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा और डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने भी यह आश्वासन दिया था क्योंकि उत्तराखंड हिमालय में तेजी से भोगवादी विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हो रहा है, उसे रोकने के लिए छोटे-बड़े आंदोलन चलते रहते हैं। इसके बावजूद अब हर वर्ष सकल पर्यावरण उत्पादन में हम कहां खड़े हैं उसका मूल्यांकन करके जीडीपी के साथ जीईपी का लेखा-जोखा भी राज्य को प्रस्तुत करना पड़ेगा। यह किसी एक राज्य के लिए ही नहीं अपितु देश के लिए भी स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन इससे एक गंभीर आशंका भी पैदा होती है। यह कि संबंधित विभागों से प्रस्तावित विकास से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों के मूल्यांकन का आधार क्या होगा? क्या कोई मॉनिटरिंग प्रणाली होगी? यह भी कहा जा रहा है कि राज्य द्वारा 95,112 करोड़ के लगभग दी जाने वाली पारिस्थितिकीय सेवाएं क्या हरियाली बचाने वाले निवासियों को लाभ प्रदान करेंगी या सिर्फ केंद्र से बजट का दावा पेश किया जाएगा। नीति आयोग इस विषय पर किस आधार पर फैसला लेगा? इन सब के उत्तर भविष्य के गर्त में छिपे हैं।

वैसे भी समझने के लिए यह पर्याप्त है कि उत्तराखंड के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में से 71 प्रतिशत वन भूमि के अधीन है, जबकि सघन वन 40 प्रतिशत से अधिक नहीं है। लेकिन राज्य सरकार यही कह रही है कि जीईपी सूचकांक के आधार पर ग्रीन बोनस और केंद्र की सहायता लेने में यह लाभकारी साबित होगा। प्रति वर्ष जीईपी सूचकांक प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी उत्तराखंड के प्रमुख सचिव (वन) को दी गई है। इसका आंकलन मानवजनित और प्राकृतिक गतिविधियों के आधार पर होगा जिसमें जंगल, हवा, पानी, मृदा पर लगातार परिवर्तन जैसे-जंगल के संबंधित सूचकांक के लिए विभिन्न वर्षों में वन विभाग द्वारा रोपे गए पौधों की संख्या और इन्हीं प्रजातियों के वृक्षों के पातन की संख्या के आधार पर आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे। इसमें यह भी पता हो पाएगा कि पातन के दौरान छोटी-छोटी वनस्पतियां, जीव-जंतु बुरी तरह प्रभावित होते हैं, लेकिन क्या हर वर्ष भीषण आग से जल रहे जंगल और रोपे गए पौधों के सापेक्ष प्राकृतिक वन संपदा की व्यावसायिक कटाई का मूल्यांकन करना आसान होगा? क्योंकि जिन पेड़ों को उसी वर्ष लगाया गया और यह मान लेंगे कि इतने ही इसी प्रजाति के पेड़ काटे गए तो यह अधूरी जानकारी होगी क्योंकि उत्तराखंड में हर साल चीड़, देवदार, कैल आदि प्रजातियों का बड़े पैमाने पर कटान हो रहा है।

मृदा के बारे में संभव है कि बड़े निर्माण कार्यों से बेतरतीब ढंग से काटे जा रहे पहाड़ों से खिसक रही मिट्टी को सीधे नदियों में डाला जाता हो और कहीं भी मिट्टी को पुनः उपयोग में लाने के लिए डंपिंग जोन नहीं है जिसके ऊपर पौधे रोपे जा सकते थे। जब तक ऐसा नहीं होगा तब तक मिट्टी की बबार्दी का मूल्यांकन संभव नहीं। जल के मामले में उपलब्ध जल की गुणवत्ता और मात्रा में तेजी से बढ़ रहे प्रभाव का सबसे जीता जागता उदाहरण तो यही है कि पहाड़ी भू-भाग में भी 60 प्रतिशत जल स्रोत सूख चुके हैं, जिसके एवज में जो भी जल संरचनाएं बनी हैं, क्या उन्हें प्राकृतिक जल स्रोतों के समान स्वीकार किया जा सकता है? और कोई भी विकास संरचना यदि जल स्रोतों को बर्बाद करती है तो उसे न्यूनतम करने के क्या तरीके होंगे। जंगल के बारे में भी कहा जा सकता है कि विकास के नाम पर न्यूनतम वनों को ही नुकसान हो।

भौगोलिक संरचना के आधार पर विकास की संरचना निर्धारित हो। भारी-भरकम परियोजनाओं से हिमालय के प्राकृतिक संसाधनों का विनाश नहीं रोक पाएंगे तो जीईपी की हालत जीडीपी जैसी होगी। सकल पर्यावरण उत्पाद की मांग करने वाले पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी मानते हैं कि उत्तराखंड में .9 प्रतिशत जीईपी है, जिसे 4-5 तक ले जाना पड़ेगा। लेकिन राज्य व्यवस्था तो फंड़ के लिए मजबूत हथियार के रूप में इसे देख रही है जबकि ग्रीन बोनस की मांग करने वाले पर्यावरणविद् जगत सिंह ह्यजंगली' और रक्षा सूत्र आंदोलन की टीम का कहना है कि रसोई गैस पर लोगों को आधी से अधिक सब्सिडी दी जानी चाहिए। जल पुरु ष राजेंद्र सिंह कहते हैं कि पर्यावरणीय आर्थिकी वहां होगी जहां लोग अहिंसक होंगे।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

भक्षक के निर्देशक पुलकित के साथ काम करेंगे राजकुमार राव!

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म स्त्री 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वे फिल्म में एक बार फिर श्रद्धा कपूर के साथ नजर आएंगे। अभिनेता फिल्म का जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं। वहीं, इस बीच उनकी नई फिल्म के बारे में कुछ दिलचस्प जानकारियां सामने आई हैं। अभिनेता को लेकर दावा किया गया है कि वे अगली फिल्म में गैंगस्टर की भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म में गैंगस्टर की भूमिका निभाएंगे, जिसका निर्देशन भक्षक के निर्देशक पुलकित करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग इस साल सितंबर में शुरू होगी। इसकी आधिकारिक घोषणा की जा रही है। यह एक पूरी तरह से कमर्शियल एंटरटेनर है जिसमें राजकुमार राव एक गैंगस्टर की भूमिका में हैं। निर्माताओं ने फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर उत्तर प्रदेश में करने की योजना बनाई है, उसके बाद कुछ हिस्सा मुंबई में भी शूट किया जाएगा, क्योंकि पूरी कहानी और किरदार यूपी में ही आधारित है। राजकुमार इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हैं और सितंबर के पहले हफ्ते में टीम के साथ कुछ रीडिंग और वर्कशॉप करेंगे। इसके साथ ही रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निर्माता नई कास्टिंग की तलाश में थे और उन्होंने फिल्म के लिए राजकुमार और मानुषी छिल्लर की जोड़ी बनाने का सोचा है। दोनों की जोड़ी फिल्म में दिलचस्प भूमिका निभाएगी। ऐसे में पुलकित निर्देशित आगामी फिल्म में राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर पहली बार साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म के सितंबर 2024 में फ्लोर पर आने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट से राव एक्शन जॉनर में भी कदम रखेंगे।

मुझे हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती

एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी ने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। वह ओटीटी पर भी कई अच्छे प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं। इन दिनों वह अपकमिंग डिटेक्टिव ड्रामा शेखर होम को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। कीर्ति ने कहा, मैं ऐसी फीचर फिल्मों पर काम कर रही हूं, जो अभी रिलीज नहीं हुई हैं। मैं प्रोडक्शन के बारे में भी सोच रही हूं, लेकिन मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और बदलाव की जरूरत है। मुझे ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती। उन्होंने कहा, काम की क्वांटिटी कभी-कभी क्वालिटी को प्रभावित कर सकती है। ओटीटी और फिल्म स्टार्स के बीच का अंतर खत्म किया जाना चाहिए। सभी को समान रूप से पहचाना जाना चाहिए। इस सीरीज में मेरा रोल रिफ्रेशिंग चेंज है, इसमें डिटेक्टिव एलिमेंट्स को कॉमेडी के साथ जोड़ा गया है और यह मेरे पिछले काम की तुलना में कुछ नया है। शेखर होम में के. के. मेनन जासूस शेखर होम का रोल निभा रहे है, जबकि कीर्ति कुल्हारी का किरदार शो के सस्पेंस और कॉमेडी में तड़का लगाने का काम कर रहा है। इस सीरीज में दोस्ती, प्यार, विश्वासघात और अपराध जैसे रोमांचक ट्विस्ट है। इसमें रणवीर शौरी जयव्रत साहनी की भूमिका में हैं।

शेखर होम का प्रीमियर 14 अगस्त से जियो सिनेमा प्रीमियम पर होगा। एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो कीर्ति ने 2010 में फिल्म खिचड़ी- द मूवी से अपने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह शैतान, सुपर से ऊपर, जल जैसी फिल्मों में नजर आईं। कीर्ति को 2016 की लीगल थ्रिलर फिल्म पिंक में फलक के किरदार में देखा गया। इसका निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया और फिल्म की कहानी शूजित सरकार, रितेश शाह और अनिरुद्ध ने लिखी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, तापसी पन्नू, एंड्रिया तारियांग, अंगद बेदी, तुषार पांडे, पीयूष मिश्रा और धृतिमान चटर्जी जैसे कलाकारों ने काम किया था। इसके बाद उन्होंने इंदु सरकार में लीड रोल निभाया और ब्लैकमेल में भी नजर आईं। कीर्ति ने जगन शक्ति द्वारा निर्देशित मिशन मंगल में काम किया, जो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों के जीवन पर आधारित थी। इसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन, सोनाक्षी सिन्हा, तापसी पन्नू, नित्या मेनन और शरमन जोशी लीड रोल में थे। एक्ट्रेस ने उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक, द गर्ल ऑन द ट्रेन, शादीस्थान और खिचड़ी 2- मिशन पंथुकिस्तान में काम किया। वह फोर मोर शॉट्स प्लीज!, बार्ड ऑफ ब्लड, क्रिमिनल जस्टिस- बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स और ह्यूमन जैसी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

अभिनेत्री-फिल्म निर्माता निहारिका कोनिडेला की पहली फिल्म हुई ब्लॉकबस्टर

अभिनेता राम चरण ने दी बधाई

तेलुगु फिल्मों में हर फिल्म के साथ एक नई प्रतिभा सामने आती है, जिसे बड़ी हस्तियों द्वारा समर्थन और सराहना भी मिलती हैं। इस कड़ी में अब अभिनेत्री सह फिल्म निर्माता निहारिका कोनिडेला और साउथ फिल्मों के मशहूर अभिनेता राम चरण का नाम भी जुड़ गया है। निहारिका बतौर फिल्म अभिनेत्री तेलुगु फिल्मों में कोई नया नाम नहीं हैं, लेकिन उन्होंने बतौर निर्माता अपनी पहली फीचर फिल्म कमिटी कुरोर्लु बनाई है, जिसे काफी पसंद भी किया जा रहा है। इस फिल्म को राम चरण से भी तारीफ मिली है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा कर टीम की तारीफ की है।

ब्लॉकबस्टर साबित हुई है कमिटी कुर्रोलु

अभिनेत्री-फिल्म निर्माता निहारिका कोनिडेला की फिल्म कमिटी कुर्रोलु, पिछले शुक्रवार को एक छोटी फिल्म के रूप में रिलीज हुई थी। हालांकि, अपने नयेपन की वजह से देखते ही देखते ये बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई। अपने चार दिवसीय नाट्य सफर में, कमिटी कुर्रोलु ने दुनिया भर के टिकट काउंटरों पर 8 करोड़ रुपये के आसपास की कमाई की है। फिल्म की सफलता के बाद टीम की काफी तारीफ हो रही है। अब इस फिल्म की सराहना करने वालों की सूची में निहारिका के चचेरे भाई राम चरण का नाम भी शामिल हो गया है। उन्होंने इस सफलता के लिए पूरी टीम को बधाई दी है।

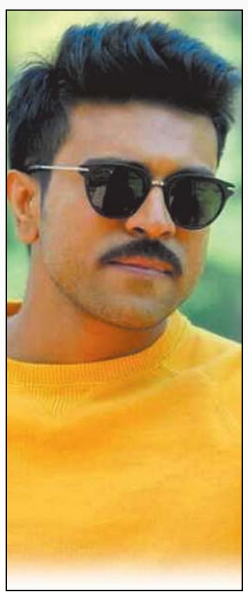

राम चरण ने दी बधाई

राम चरण ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, कमिटी कुर्रोलु की बड़ी सफलता के लिए बधाई निहारिका थल्ली। यह सफलता पूरी तरह से योग्य है। आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ-साथ आपकी टीम भी वास्तव में प्रेरणादायक है। उनके अविश्वसनीय प्रयास के लिए पूरी कास्ट और क्रू को बधाई। इसके साथ ही अभिनेता ने इस कहानी को पर्दे पर बेहतरीन तरीके से उतारने के लिए निर्देशक यधु वामसी को भी धन्यवाद दिया।

हीरामंडी के बाद चमके ताहा शाह की किस्मत के सितारे, अभिनेता ने साइन की तीन फिल्मों की डील

अभिनेता ताहा शाह बदुशा के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार में ताजदार का किरदार निभाकर उनकी किस्मत चमक चुकी है। ताजा खबरों की मानें तो ताहा शाह ने रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ तीन फिल्मों का करार किया है। रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ ताहा की तीन फिल्मों में से पहली का निर्देशन रोहन सिप्पी करेंगे। रोहन इससे पहले ब्लफमास्टर, दम मारो दम और नौटंकी साला जैसी फिल्में बना चुके हैं। ताहा के साथ काम करने को लेकर रोहन ने कहा, ताहा स्क्रीन पर एक अनूठी ऊर्जा और उपस्थिति लाते हैं। मैंने उन्हें ताज और हीरामंडी में देखा है।अपने काम के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता सराहनीय है। वहीं, ताहा भी तीन फिल्मों के इस करार के बाद काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ तीन फिल्मों का करार करना सम्मान की बात है। ताहा ने कहा, रोहन सिप्पी के निर्देशन में बनी फिल्म में काम करना एक सपने जैसा है। उन्होंने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं।

किंग में सुहाना के साथ अपनी भूमिका पर शाहरुख ने तोड़ी चुप्पी

शाहरुख खान ने पिछले साल एक नहीं, बल्कि तीन धमाकेदार फिल्मों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। वहीं, अब शाहरुख खान अपनी अगली फिल्मों में व्यस्त हैं, जिनमें से एक है किंग। इस फिल्म में वे अपनी बेटी सुहाना खान के साथ काम करेंगे। हालांकि, अब तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी, लेकिन अब शाहरुख ने खुद इस फिल्म में अपनी भूमिका पर चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में 77वें लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में मीडिया से बातचीत के दौरान शाहरुख ने आखिरकार अपनी आने वाली एक्शन फिल्म के बारे में बात की, जिसका निर्देशन सुजॉय घोष ने किया है। एक वीडियो में जो अब ऑनलाइन वायरल हो रहा है, अभिनेता ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की। उन्होंने कहा, अगली फिल्म जो मैं कर रहा हूं वह किंग है। मुझे इस पर काम करना शुरू करना है। थोड़ा वजन कम करना है। थोड़ा स्ट्रेच करना है, ताकि एक्शन करते समय मेरी कमर में खिंचाव न आए। किंग के बारे में संकेत देते हुए शाहरुख ने कहा, अब, मैं एक खास तरह की फिल्म करना चाहता हूं, जिसमें शायद उम्र पर ध्यान केंद्रित हो और मैं कुछ नया करना चाहता हूं। छह-सात साल से मैं इसके बारे में सोच रहा हूं। मैंने एक दिन सुजॉय से इस बारे में बात की और उन्होंने कहा, सर, मेरे पास एक विषय है। फिल्में चुनने के अपने तरीके के बारे में बात करते हुए शाहरुख खान ने कहा, मैं इसे सुनता हूं, उनके साथ समय बिताता हूं और फिर हम आगे बढ़ते हैं, फिल्म बनाते हैं और खूब मौज-मस्ती करते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि कभी कभी यह इतना भी सरल नहीं रहता। इसके साथ ही उन्होंने किंग में काम करने को लेकर उत्साह साझा किया है और अब उनके प्रशंसक भी इस खबर से खुश हैं। किंग सुहाना की पहली बड़ी फिल्म होगी, जो सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

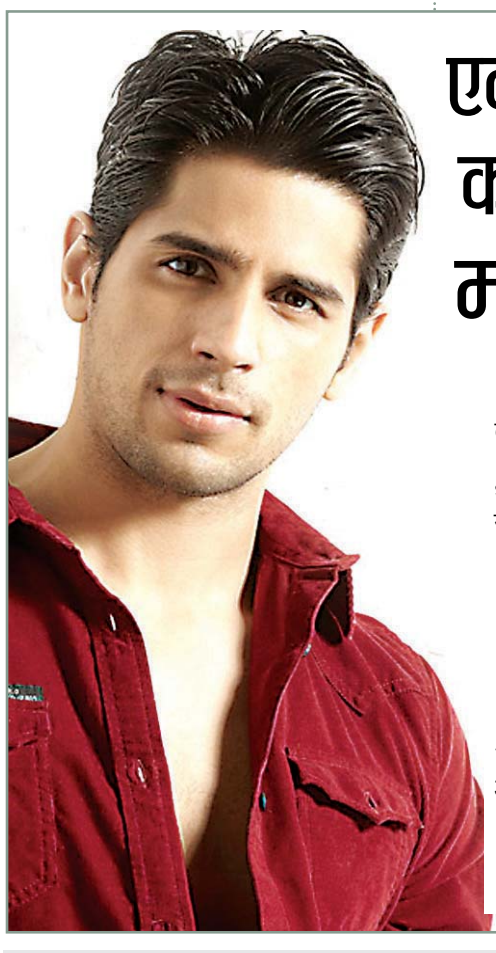

एक बार फिर साथ काम करने को तैयार सिद्धार्थ मल्होत्रा-करण जौहर!

सिद्धार्थ मल्होत्रा को लेकर दावा किया जा रहा है कि वे अपनी नई फिल्म के लिए फिल्म निर्देशक और निर्माता करण जौहर से बातचीत कर रहे हैं। यह फिल्म एक्शन ड्रामा हो सकती है। बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा को आखिरी बार इस साल फिल्म योद्धा में देखा गया था, जिसमें वे जवान की भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद सिद्धार्थ ने अब तक अपनी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि वे जल्द ही अपनी नई फिल्म के बारे में प्रशंसकों को जानकारी देंगे। सोशल मीडिया पर पहले ही ये खबरें चल रही थीं कि सिद्धार्थ मल्होत्रा अगली बार फिल्म मिट्टी में नजर आएंगे, जिसकी उन्होंने शूटिंग भी शुरू कर दी है। वहीं, इस बीच अब उनकी नई फिल्म को लेकर जानकारी सामने आई है।

करण जौहर लिख रहे हैं स्क्रिप्ट

रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ मल्होत्रा फिल्म निर्माता करण जौहर की आगामी एक्शन फिल्म में अभिनय करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों अगले साल नई फिल्म पर साथ काम कर सकते हैं। अगले साल फिल्म शुरू होने की भी चर्चा है। करण जौहर ने पहले पुष्टि की थी कि उनकी अगली फिल्म एक एक्शन ड्रामा होगी, जिसकी कहानी वे फिलहाल लिख रहे हैं।

सिद्धार्थ को सुनाई गई कहानी

वहीं अब दावा किया जा रहा है कि करण जौहर की इस एक्शन फिल्म के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा को चुना गया है। फिल्म में सिद्धार्थ मुख्य भूमिका के लिए करण जौहर के साथ बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और करण जौहर के बीच बहुत ही खास रिश्ता है और करण को लगता है कि सिद्धार्थ एक्शन फिल्में करने के लिए ही बने हैं। ऐसे में करण जौहर ने सिद्धार्थ को फिल्म की कहानी सुनाई है और सिद्धार्थ ने भी कहानी को लेकर अपनी रुचि दिखाई और उत्साह भी जताया हैं।

जल्द किया जाएगा फिल्म का एलान

हालांकि, अभी इन खबरों पर ना तो सिद्धार्थ मल्होत्रा और ना ही करण जौहर ने चुप्पी तोड़ी है। इस फिल्म को लेकर आधिकारिक सूचनाएं आने अभी बाकी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, करण जौहर इस एक्शन फिल्म का निर्देशन खुद करेंगे। इससे पहले उन्होंने रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए सात साल बाद निर्देशक की कुर्सी पर वापसी की थी। वहीं अब चर्चा है कि यदि सिद्धार्थ और करण जौहर के बीच सब कुछ सही रहा तो वे जल्दी फिल्म का आधिकारिक एलान करेंगे।

केजीएफ 3 के सवाल पर रवीना ने दी प्रतिक्रिया

रवीना टंडन बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा हैं। 90 दशक से लेकर अब तक वह लगातार फैंस के दिलों पर राज कर रही हैं। हाल ही में रवीना मुंबई की सड़कों पर पैपराजी के कैमरे में कैद हो गईं जब उनसे केजीएफ 3 को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह इस बारे में कुछ नहीं बता सकती हैं। बता दें कि केजीएफ 2 में रवीना ने अपनी दमदार अदाकारी से लोगों के दिल जीत लिए थे।

विनेश फोगाट का भव्य स्वागत, बोलीं- पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं

डरबन (एजेंसी)। नई दिल्ली = पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बावजूद अधिक वजन होने के कारण पदक नहीं जीत पाने वाली भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट का शनिवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे स्टार खिलाड़ियों के अलावा पंचायत नेता भी विनेश का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। विनेश फूल मालाओं से लदी थी। उन्होंने खुली जीप में सवार होकर लोगों का आभार व्यक्त किया।

विनेश ने हाथ जोड़कर कहा कि मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं। यह विशाल काफिला विनेश के साथ हरियाणा के बलाली गांव तक जाएगा। विनेश के आगमन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले किए गए वजन में उनका वजन 100 ग्राम अधिक निकला था जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। विनेश ने संयुक्त रूप से रजत पदक दिलाने के लिए खेल पंचाट में अपील की थी जिसके कारण वह पेरिस में रुकी रही। खेल पंचाट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया था।

लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के नेता गगन नारंग ने विनेश को चैंपियन करार दिया। यह दोनों एक ही उड़ान से दिल्ली पहुंचे थे। नारंग ने पेरिस हवाई अड्डे पर विनेश के साथ खींची गई तस्वीर को एक्स पर पोस्ट किया। नारंग ने लिखा- वह खेल गांव में पहले दिन चैंपियन के रूप में पहुंची थी और वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेगी। कुछ अवसरों पर करोड़ों लोगों को प्रेरित करने के लिए ओलंपिक पदक की जरूरत नहीं पड़ती। विनेश फोगाट आपने लोगों को प्रेरित किया है। आपके जज्बे को सलाम।

विनेश के भाई हरविंदर फोगाट ने कहा कि विनेश स्वदेश लौट रही है। लोग यहां हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए पहुंचे हैं। लोग हमारे गांव में भी उनका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे हैं। लोग उनसे मिलने को लेकर उत्साहित हैं।

सिनसिनाटी में हारे कार्लोस अल्कराज, रैकेट तोड़ा, बोले- मेरा सबसे खराब मैच

सिनसिनाटी (एजेंसी)। 4 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता कार्लोस अल्कराज ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में गेल मोनफिल्स से हारने के बाद अपना गुस्सा रैकेट पर निकाला और उसे कई बार नीचे पटककर तोड़ डाला। मोनफिल्स ने तीन सेट तक चले इस कड़े मुकाबले में 4-6, 7-6 (7-5), 6-4 से जीत दर्ज की। बारिश के कारण यह मैच गुरुवार को पूरा नहीं हो पाया था।

दूसरी वरीयता प्राप्त अल्कराज ने मैच के बाद कहा कि मुझे ऐसा लगा जैसे यह मेरे करियर का अब तक का सबसे खराब मैच था। मैंने वास्तव में बहुत अच्छी तैयारी कर रही थी और मैं अच्छा महसूस कर रहा था लेकिन मैं उस तरह का खेल नहीं दिखा पाया। मैं इस मैच को भूल जाना चाहता हूं और अमेरिकी ओपन में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। यह टूर्नामेंट 26 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण माना जाता है।

मोनफिल्स का सफर भी लंबा नहीं चला और शुक्रवार को बाद में खेले गए मैच में वह होल्गर रूण से 3-6, 6-3, 6-4 से हार गए। महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने मार्ता कोस्त्युक पर 6-2, 6-2 की शानदार जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

आर्यना सबालेंका भी एलिना स्वितोलिना पर 7-5, 6-2 से जीत के साथ आगे बढ़ने में सफल रही लेकिन फ्रेंच ओपन और विंबलडन में उपविजेता रही जैस्मीन पाओलिनी को मीरा एंड्रीवा से 3-6, 6-3, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य मैच में अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन को 7-5, 6-1 से हराया।

यूथ ओलंपिक 2030 में शामिल होगा क्रिकेट ? भारत की दिलचस्पी से उम्मीदें बढ़ीं

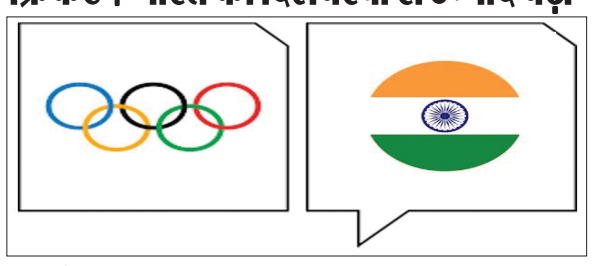

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलए ओलंपिक 2028 में क्रिकेट की एंट्री के बाद अब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) युवा ओलंपिक 2030 में क्रिकेट को शामिल करने के लिए गंभीरता से विचार कर रही है। हाल ही में, भारत सरकार ने युवा ओलंपिक के 2030 संस्करण की मेजबानी में रुचि व्यक्त की है। ऐसे में अब आईसीसी के आगे आने के कारण क्रिकेट फैंस और भी उत्साहित हो गए है।

आईसीसी के विकास महाप्रबंधक ने विलियम ग्लेनराइट ने इस पर सकारात्मक जवाब रिपोर्ट दी है। उन्होंने तर्क दिया है कि क्रिकेट को खेलों में जगह मिलनी चाहिए क्योंकि अन्य सभी बड़े खेल इस आयोजन का हिस्सा हैं और क्रिकेट को शामिल करने से विश्व स्तर पर खेल की जमीनी स्तर पर उपस्थिति बढ़ेगी।

यह भी तर्क दिया गया है कि भारत क्रिकेट का पावरहाउस है, इसलिए 2030 संस्करण क्रिकेट के प्रवेश के लिए उपयुक्त है। यह भी कहा गया है कि आईसीसी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को मनाना कोई मुश्किल काम नहीं होगा क्योंकि शीर्ष ओलंपिक संस्था ने अब क्रिकेट के महत्व और इससे ओलंपिक खेलों में आने वाले मूल्य को पहचान लिया है। युवा ओलंपिक खेलों की आयु सीमा 15 से 18 वर्ष है, और यदि भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है, तो क्रिकेट भी 2030 संस्करण में अपनी पहली प्रविष्टि बनाने की प्रबल संभावना होगी।

1900 के पेरिस खेलों के बाद पहली बार 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किया गया है। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बीच वॉलीबॉल, मुक्केबाजी, कैनोइंग, साइकिलिंग, गोताखोरी, घुड़सवारी, तलवारबाजी, फील्ड हॉकी, फुटबॉल, फुटसल, गोल्फ, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, जूडो, आधुनिक पेंटाथलॉन, रोइंग, रग्बी सेवन्स, नौकायन, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, तायक्वोंडो, टेनिस, ट्रायथलॉन, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन और कुश्ती ऐसे खेल हैं जो यूथ ओलंपिक में शामिल हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया पर दर्ज करनी होगी जीत

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम को आने वाले समय में टेस्ट सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तभी भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बना सकती है। इसके लिए भारतीय टीम को अगले 10 में से 7 टेस्ट जीतने होंगे। इस दौरान उसे न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी मुश्किल टीमों से कड़ी टक्कर मिलेगी। भारतीय टीम अब तक डब्ल्यूटीसी फाइनल नहीं जीती है। उसे पहली बार न्यूजीलैंड जबकि दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। अभी भारतीय टीम के 6 जीत और 2 हार के बाद 74 अंक हैं। टीम 68.51 फीसदी फीसदी अंकों के साथ ही शीर्ष पर है। भारतीय टीम अगर सभी टेस्ट खत्म होने के बाद इतने ही या इससे कुछ कम अंक भी बरकरार रख पायी तो भी फाइनल में पहुंच जाएगी।

डब्ल्यूटीसी में टीमों को एक जीत पर 12 अंक, ड्रॉ पर 4 और हार पर कोई अंक नहीं मिलता। जबकि टाई होने पर दोनों टीमों को 6-6 अंक मिलते हैं। एक टीम को 2 साल के चक्र में 6 सीरीज खेलनी ही होती हैं पर हर टीम की सीरीज में मैचों की संख्या निर्धारित नहीं होती। किसी सीरीज में 2 तो किसी में 5 टेस्ट भी हो सकते हैं। ऐसे में अगर कुल अंक तालिका के आधार पर रैंकिंग बनाई जाती तो उन टीमों को ज्यादा फायदा होता जो 5 टेस्ट की सीरीज खेलती हैं। इस स्थिति से बचने के लिए आईसीसी ने रैंकिंग के लिए परसेंटेज अंकों का मापदंड बनाया है। इसी से रैंक तय होता है। इसमें भारतीय टीम अभी तक ऑस्ट्रेलिया से ऊपर है। भारतीय टीम ने इस चक्र में 3 सीरीज खेलते हुए वेस्टइंडीज को 1-0 से हराया पर सीरीज में एक टेस्ट ड्रॉ खेला। वहीं दक्षिण अफ्रीका में 2 टेस्ट की सीरीज 1-1 से बराबरी पर रही, फिर इंग्लैंड के खिलाफ घर में ही एक टेस्ट हार गए, लेकिन सीरीज 4-1 से जीत ली।

सूर्यकुमार को टेस्ट टीम में भी मिल सकती है जगह

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान सूर्यकुमार यादव को अब टेस्ट टीम में भी जगह मिल सकती है। सूर्या को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज में शामिल किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश के खिलाफ सितंबर जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज अक्टूबर से होगी और इसमें सूर्या जगह बना सकते हैं। सूर्यकुमार अभी बूची बाबू टूर्नामेंट में मुंबई की ओ से खेलते हुए बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट के लिए अपना दावा मजबूत करेंगे। ठीक बाद वह दलीफ ट्रॉफी में भी खेलेंगे। साल 2023 में सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। भारतीय टीम ने यह मैच पारी और 132 रन से जीता था। इस मैच की पहली पारी में सूर्यकुमार केवल 8 रन ही बना पाये थे। वहीं दूसरी पारी में उन्हें बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला। इसके बाद से ही वह टेस्ट से बाहर रहे हैं। टी20 में अपने शानदार प्रदर्शन से वह विश्व के नंबर एक बल्लेबाज हैं। टी20 विश्वकप में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था।

महिला टी-20 विश्वकप 2024 की दावेदारी के लिए आगे आया यह देश

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने महिला टी-20 विश्वकप की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त की है। जिम्बाब्वे ने पिछले दो एकदिवसीय विश्वकप क्वालीफायर (2023 और 2018 में) की सफलतापूर्वक मेजबानी की है और उनके दो नए स्टेडियम निर्माणाधीन हैं। इसी कारण से जिम्बाब्वे इस टूर्नामेंट की मेजबानी में अधिक दिलचस्पी ल रहा है। हालांकि उनकी महिला टीम क्वालीफाइ नहीं होने कारण कभी भी विश्वकप में भाग नहीं ले पाई है। जिम्बाब्वे अन्य बड़े आयोजनों की तैयारी के लिए टूर्नामेंट के तटस्थ मेजबान बनने के इच्छुक है। जिम्बाब्वे 2026 में नामीबिया के साथ पुरुष अंडर 19 विश्वकप और 2027 में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ एकदिवसीय विश्वकप की सह मेजबानी करेगा। तब तक देश में दो और अंतरराष्ट्रीय मैदान होंगे। जिम्बाब्वे क्रिकेट और स्थानीय सरकारी अधिकारी विक्टोरिया फॉल्स और मुतारे में बहुउद्देशीय सुविधाओं के निर्माण पर काम कर रहे हैं। जिम्बाब्वे हरारे स्पोर्ट्स क्लब और बुलावायो में क्वींस स्पोर्ट्स क्लब को टी-20 विश्वकप के मेजबान के रूप में पेश कर सकता है। इन मैदानों ने 2023 विश्वकप क्वालीफायर के सभी मैचों की मेजबानी की थी।

डोप जांच में फेल हुए श्रीलंकाई क्रिकेटर डिकवेला पर लगा प्रतिबंध

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेटर निरोशन डिकवेला को डोप टेस्ट में असफल होने पर खेल के सभी प्रारुपों से बाहर कर प्रतिबंध दिगा दिया गया है। हाल में हुई लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2024 में डिकवेला को एंटी डोपिंग नियमों को तोड़ने का दोषी पाये जाने के बाद निलंबित कर दिया गया था। डिकवेला पर यह प्रतिबंध कब तक लागू रहेगा अभी इस बारे में नहीं कहा जा सकता। डिकवेला का विवादों से पुराना नाता रहा है. उनपर अनिश्चितकाल तक के लिए बैन लगाया जा सकता है. डिकवेला घरेलू टी20 लीग लंका प्रीमियर के दौरान एक दवा के डोपिंग रोधी टेस्ट में फेल हो गए थे। एलपीएल वह गॉल मार्वल्स के कप्तान थे। डिकवेला की कप्तानी वाली गॉल मार्वल्स टीम ने लीग स्तर में शानदार प्रदर्शन किया था। वह ग्रुप चरण में पहले नंबर पर रही थी। मार्वल्स ने एलपीएल में 8 मैच खेले जिसमें से उसे 5 में जीत मिली। इसके बाद क्वालीफायर 1 में मार्वल्स अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और जाफना किंग्स के खिलाफ मुकाबला हार गयी। डिकवेला ने लंका प्रीमियर लीग 2024 में 10 पारियों में एक अर्धशतक के साथ ही कुल 184 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 153.33 का रहा। डिकवेला को हाल में भारत के खिलाफ खेली गई वनडे और टी20 सीरीज में शामिल नहीं किया गया था।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज का दावा, कहा- जो रूट 3-4 साल में सचिन तेंदुलकर में पीछे छोड़ देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जो रूट ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट में 12 हजार रन पूरे किए। वह टेस्ट क्रिकेट में वर्तमान ने 7वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में मास्टर ब्लास्ट सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रन के रिकॉर्ड से मुश्किल से 4 हजार रन पीछे हैं। तेंदुलकर के 15,921 रन हैं। वहीं 33 साल के रूट के 143 टेस्ट की 261 पारी में 12,027 रन हैं।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग का मानना है कि अगर इंग्लैंड साल में 10 से 14 टेस्ट खेलता है तो जो रूट अगले 3-4 साल में तेंदुलकर को पीछे छोड़ देंगे। वह 37 साल की उम्र तक टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। पोंटिंग के 13,378 रन से रूट 1351 रन पीछे हैं। रूट ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। अब वह श्रीलंका के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे।

इससे पहले पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू पर संजना गणेशन से कहा कि, वह ऐसा कर सकते हैं। वह 33 वर्ष के हैं। 3 हजार से ज्यादा पीछे है। ये इस बात पर निर्भर करता है कि वे कितने टेस्ट मैच खेलते हैं, लेकिन अगर वे साल में 10 से 14 टेस्ट मैच खेल रहे हैं। अगर साल में 800 से 1000 रन बना रहे हैं, तो इसका मतलब है कि उन्हें वहां पहुंचने में केवल तीन या चार साल लगेंगे। अगर उनमें भूख बनी रहती है, तो उशके ऐसा करने की पूरी संभावना है।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप से पहले सिंकिफील्ड कप में होगी गुकेश और डिंग लीरेंन की टक्कर

सेंट लुईस। आने वाले नवंबर में भारत के 18 वर्षीय डी गुकेश और चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लीरेंन के बीच विश्व चैंपियनशिप का सभी को इंतजार है पर दुनिया भर के शतरंज प्रेमियों को एक आगामी 19 अगस्त के दिन ही दोनों के बीच एक क्लासिकल मुकाबला देखने का मौका मिलने वाला है। दरअसल ग्रांड चैस टूर के अंतिम पड़ाव सिंकफील्ड कप के पहले राउंड में दोनों खिलाड़ी क्लासिकल मुक़ाबला खेलेंगे। इस मुक़ाबले में डिंग सफ़ेद मोहरो से तो गुकेश काले मोहोरो से खेलते हुए नजर आएंगे, और अगर इस मुक़ाबले में कोई एक जीतने में कामयाब रहा तो विश्व चैंपियनशिप के पहले वह दूसरे खिलाड़ी पर मनोवैज्ञानिक बढ़त बना सकता है। सिंकिफील्ड कप में कुल पुरुस्कार राशि 3 लाख 50 हजार डॉलर रखी गयी है, पहले राउंड में अन्य मुकाबलों में यूएसए के फबियानों करूआना फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा से, भारत के आर प्रज्ञानन्दा उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से, रूस के यान नेपोमनिशी फ्रांस के मकसीम लागरेव से और यूएसए के वेसली सो नीदरलैंड के अनीश गिरि से टक्कर लेते नजर आएंगे। 19 अगस्त से 28 अगस्त के बीच 10 खिलाड़ियों के बीच यह टूर्नामेंट राउंड रॉबिन आधार पर 9 राउंड में खेला जाएगा।

पेरिस पैरालम्पिक : खेल मंत्री मांडविया बोले- मैंने 25 पदक का लक्ष्य बताया है

नई दिल्ली। अपनी जिंदगी में हर तरह की चुनौतियों को मात देकर पैरालंपिक खेलों में भारत के प्रतिनिधित्व के लिए तैयार खिलाड़ी एक बार फिर से इन खेलों में अपनी चमक बिखरने को तैयार हैं। पैरालंपिक खेलों का आयोजन 28 अगस्त से 8 सितंबर तक पेरिस में होगा। भारत के 84 सदस्यीय दल के लिए शुक्रवार को यहां आयोजित विदाई समारोह में केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि उन्हें 'चुनौती' को चुनौती देने वाले खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है। इस मौके पर खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेन्द्र झाझड़िया और उद्घाटन समारोह में भारतीय ध्वजवाहक भाला फेंक चैंपियन सुमित अंतिल मौजूद थे। मांडविया ने पिछले कुछ वर्षों में पैरा खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि भारत का 84 सदस्यों का दल पेरिस जा रहा है। पिछली बार टोक्यो पैरालंपिक में यह संख्या 56 थी। हमारे 56 खिलाड़ियों के दल ने 19 पदक जीते लेकिन इस बार हमारे खिलाड़ियों की संख्या 84 है। हमें उम्मीद और विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी पेरिस में पहले से अच्छा प्रदर्शन कर अपने माता पिता और देश का गौरव बढ़ाएंगे। उन्होंने पैरालंपिक खिलाड़ियों से कहा कि आप चुनौती को चुनौती देने वाले खिलाड़ी हो, आप विपरीत परिस्थिति को अनुकूल करने वाले लोग हो। आपको बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस मौके पर भाला फेंक चैंपियन सुमित और गोला फेंक की अनुभवी खिलाड़ी भाग्यश्री जाधव को उद्घाटन समारोह के लिए भारतीय दल का ध्वजवाहक नामित किया गया।

अदिति अशोक महिला स्कॉटिश ओपन में कट से चूकीं

इर्विन (स्कॉटलैंड)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर में तीन ओवर 75 के लचर प्रदर्शन के साथ आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन टूर्नामेंट में कट हासिल करने में नाकाम रहीं। लेडीज यूरोपीय टूर पर 5 बार की विजेता अदिति ने पहले दौर में 81 का स्कोर बनाया था। अदिति ने दूसरे दौर में एक बोगी और एक डबल बोगी की जिसका उनका स्कोन तीन ओवर रहा। वह दोनों दौर में एक भी बर्डी नहीं लगा पाईं। अदिति स्कॉटिश ओपन में आठ बार हिस्सा लेते हुए छह बार कट से चूकीं हैं जबकि इस टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में आया जब वह संयुक्त रूप से 55वें स्थान पर रहीं। ऑस्ट्रेलिया की मिनजी ली (तीन अंडर 69) और मेगान खेंग आठ अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रही हैं।

ओलिम्पिक फाइनल पर बोले नीरज चोपड़ा- मैं खुद को चरम तक धकेल नहीं सका

मैगलिंगन (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह खुद को चरम तक नहीं पहुंचा सके। चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने से चूक गए और 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत ही जीत पाए। नीरज ने कहा कि वह मानसिक रूप से तैयार थे लेकिन शारीरिक क्षेत्र में कमी थी। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि फाइनल के दौरान उनका लेगवर्क वैसा नहीं था जैसा होना चाहिए था।

नीरज कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यह नहीं कर सकता... अरशद नदीम का पिछला सर्वश्रेष्ठ 90.18 मीटर था जो उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में फेंका था और मेरा पिछला सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर था... मैं खुद को अपनी चरम सीमा तक नहीं पहुंचा सका। मानसिक रूप से मैं तैयार था लेकिन शारीरिक रूप से, मैं खुद को फिर से प्रशिक्षित कर रहा था। रनवे पर मेरा लेगवर्क वैसा नहीं था जैसा होना चाहिए था। नदीम के थ्रो के तुरंत बाद मेरा थ्रो अच्छा था क्योंकि मैं बेहद सकारात्मक था।

नीरज ने अपनी अगली प्रतियोगिता का भी खुलासा किया और कहा कि वह लॉज़ेन डायमंड लीग में भाग लेंगे, जो 22 अगस्त से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि मैंने आखिरकार लॉज़ेन डायमंड लीग में भाग लेने का फैसला किया है, जो 22 अगस्त से शुरू हो रही है। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, एक नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया और बीजिंग 2008 में डेनमार्क के एंड्रियास थोरकिल्डसन के निशान को पीछे छोड़ दिया। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 88.54 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने में विफलता के बाद नीरज ने अपने प्रदर्शन पर असंतोष व्यक्त किया और खुलासा किया कि पिछले दो से तीन साल फिटनेस के मामले में उनके लिए अच्छे नहीं थे। नीरज ने कहा कि यह एक अच्छा थ्रो था लेकिन मैं आज अपने प्रदर्शन से उतना खुश नहीं हूं। मेरी तकनीक और रनवे उतना अच्छा नहीं था। (मैं) केवल एक थ्रो करने में सफल रहा, बाकी मैंने फाउल कर दिया। नीरज ने कहा कि (मेरे) दूसरे थ्रो के लिए मुझे लगा कि मैं भी इतनी दूर तक थ्रो कर सकता हूं। लेकिन भाला में, अगर आपकी दौड़ इतनी अच्छी नहीं है, तो आप बहुत दूर तक थ्रो नहीं कर सकते।

25 साल में पहली बार गाजा में मिला पोलियो का संक्रमण, युद्ध विराम की मांग

गाजा। गाजा में हमास और इजराइल युद्ध के बीच सालों बाद गाजा में पोलियो का पहला मामला सामने आया है। दीर अल-बलाह शहर में दस माह के एक बच्चे में इसके संक्रमण की पुष्टि हुई है। फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चे में पोलियो के लक्षण दिखाई देने के बाद जांच की गई, जिसमें संक्रमण पाया गया। इस बच्चे को पोलियो रोधी टीके की एक भी खुराक नहीं पिलाई गई थी। यह संक्रमण आमतौर पर पांच साल के कम उम्र के बच्चों में पाया जाता है और यह दूषित जल आदि से फैलता है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ऐसे देश हैं, जहां पोलियो का संक्रमण आज तक नहीं थमा। डब्ल्यूएचओ ने इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी (यूनिसेफ) ने इजराइल और हमास से सात दिन के लिए युद्ध विराम की मांग की है, ताकि 6,40,000 फलस्तीनी बच्चों को पोलियो से बचाव का टीका लगाया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि पिछले महीने गाजा के दो प्रमुख शहरों के अपशिष्ट जल में पोलियो का वायरस मिला था। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक क्षेत्र पिछले 25 सालों से पोलियो मुक्त है।

रुस और भारत वैश्विक मंच पर गहन सहयोग की तलाश रहे संभावनाएं

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सलाहकार एंटोन कोब्याकोव ने रूस में भारतीय राजदूत विनय कुमार से मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत बनाने के तौर-तरीकों पर बातचीत हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोब्याकोव को एक टीवी चैनल पर यह कहते सुना गया है कि भारत और रूस व्यापार, ऊर्जा, विज्ञान, निवेश, पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण में समान स्तर पर सहयोग करते हैं। खास बात यह है कि समेकन संधि के ढांचे के भीतर परस्पर सहयोग को भी मजबूत किया जा रहा है। इसका संप्रभु बहुध्रुवीय विश्व के गठन के लिए खास महत्व है। रिपोर्ट में कोब्याकोव और कुमार के बीच वार्ता का विषय द्विपक्षीय संबंधों और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग बढ़ाना था। दोनों नेताओं ने कजान में आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और मॉस्को में ब्रिक्स व्यापार मंच में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी पर भी बातचीत की। ये अक्टूबर 2024 में होना है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 9 माह तक सिख महिला से बलात्कार, दोनों आरोपी भाईयों ने महिला के बेटे को कैद करके रखा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 9 माह तक सिख महिला के साथ दरिंदगी की घटना सामने आई है। दो लोगों ने 40 वर्षीय पाकिस्तानी सिख महिला को अगवा किया था। इसके बाद दोनों ने नौ माह तक महिला के साथ गैंगरेप किया। घटना लाहौर से करीब 130 किलोमीटर दूर फैसलाबाद जिले की है। अपहरणकर्ता महिला के नाबालिग बेटे को भी साथ ले गए थे। पुलिस ने दावा किया कि सिख महिला और उसके नाबालिग बेटे को बचाया गया है। इसके साथ ही महिला का अपहरण करने वालों को भी गिरफ्तार किया गया है। फैसलाबाद में तैनात पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि सिख महिला ननकाना साहिब की रहने वाली है। महिला को फैसलाबाद के दो भाइयों ने बंधक बनाकर रखा हुआ था। दोनों आरोपियों की पहचान खुर्रम शहजाद और किज शहजाद के रूप में हुई है। दोनों ने महिला के साथ नौ महीने तक बार-बार बलात्कार किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला तलाकशुदा है। महिला की एक सहेली साइमा ने कुछ साल पहले आरोपी खुर्रम से मिलवाया था। पिछले साल दिसम्बर में उसने खुर्रम से अपने नाबालिग बेटे को ननकाना साहिब से फैसला में अपनी बहन के घर छोड़ने के लिए कहा, लेकिन आरोपी ने लड़के को बंधक बनाकर महिला को अपने घर आने के लिए मजबूर किया। इसके बाद पीड़ित महिला को दोनों को बंधक बनाया और नौ महीने तक अपने भाई के साथ महिला से बार-बार बलात्कार किया। पुलिस ने महिला के रिश्तेदार की शिकायत पर जांच शुरू की और 14 अगस्त को खुर्रम के घर छापा मारकर महिला और बेटे को बरामद किया। सिख महिला ने बताया कि बलात्कार का विरोध करने पर उसके साथ प्रताड़ना की गई।

इंडिया डे परेड : अयोध्या के राम मंदिर झांकी को लेकर अमेरिका में विवाद

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क में होने वाली इंडिया डे परेड में अयोध्या में नए बने राम मंदिर की झांकी तैराने की योजना है। इसको लेकर वहां के कुछ संगठनों ने ऐतराज जताया है और इसे एंटी मुस्लिम बताया है। इसको लेकर न्यूयॉर्क के मेयर को चिट्ठी भी लिखी गई है और कहा गया है कि मंदिर तैराने की योजना को इवेंट से हटा दिया जाए। इस पत्र में कहा गया है कि राम मंदिर की अनुकृति को तैराना मुस्लिम विरोधी होगा। इतना ही नहीं, संगठनों ने यह भी कहा कि ऐसा करना मस्जिद के गिराने की घटना को ग्लोरीफाई करना होगा। पत्र लिखने वाले संगठनों में अमेरिकन इस्लामिक रिलेशंस काउंसिल, इंडियन अमेरिका मुस्लिम काउंसिल और हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स हैं। पत्र में कहा गया है कि झांकियों की मौजूदगी इन समूहों की हिंदू राष्ट्रवादी विचारधारा को भारतीय पहचान से मिलाने की इच्छा को दिखाती है। लेकिन भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। बता दें कि अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। देश और दुनिया में बसे श्रद्धालु भगवान राम के दर्शन के लिए आ रहे हैं। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स और गवर्नर केथी होचुल को लिखे पत्र में कुछ संगठनों ने आपत्तियां उठाई हैं। वहीं, झांकी का आयोजन कर रही अमेरिका की विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि यह एक हिंदू पूजा स्थल का प्रतिनिधित्व करता है। इसका उद्देश्य भारतीय और हिंदू पहचान के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखे जाने वाले देवता का महिमामंडन करना है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की कवायद है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन्स ने कहा कि परेड भारत की सांस्कृतिक विविधता का प्रतिनिधित्व करती है। इसमें विभिन्न समुदायों की झांकियां शामिल होंगी। एडम्स ने इस हफ्ते की शुरुआत में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि नफरत के लिए कोई जगह नहीं है।

अरे बाबा.....इस महिला की आंखें नहीं एक्सरे मशीन, शरीर के अंदर देख लेती

लंदन । दुनियाभर में कई लोग हैं, जो अद्भुत शक्तियों के मालिक हैं। इनमें से कोई पूरा का पूरा हवाई जहाज खा लेता है और उसके शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, किसी का शरीर चुंबक जैसा होता है, जिससे लोहे की चीजें अपने आप चिपक जाती हैं। ऐसी ही एक शख्स रशियन गर्ल नताशा डेमकिना हैं, जो अब 37 साल की हैं। नताशा को लेकर दावा किया गया है कि उनकी आंखों में एक्स-रे विजन है। यानी कि वे अपनी खुली आंखों से किसी के भी शरीर के अंदर देख सकती हैं और बीमारियों को पहचान सकती हैं। हालांकि, नताशा ने जब एक्सरे विजन का दावा किया तब उनकी बातों पर किसी को यकीन नहीं था, लेकिन बाद में धीरे-धीरे लंदन, न्यूयॉर्क और जापान के डॉक्टर और वैज्ञानिकों ने उसके इस प्रतिभा पर सहमती व्यक्त कर दी। नताशा ने कहा था कि मैं जो भी देखती हूं, उसे समझने में थोड़ा समय लेती हूं। मैं एक्सरे की तरह ज्यादा तेजी से काम नहीं करती, लेकिन बीमारी की सही पहचान कर लेती हूं। नताशा ने दावा कि वे किसी बीमारी के शुरुआती स्टेज को भी पहचान जाती हैं, जिसे चिकित्सक भी जल्द नहीं पकड़ पाते। नताशा के अनुसार 10 साल की उम्र तक वे एक सामान्य बच्ची थीं, तब तक उनके अंदर एक्स-रे विजन नहीं था। लेकिन बाद उनके अंदर ये गुण आने शुरू हो गए। डॉक्टर नताशा के एक्सरे विजन की बार-बार परीक्षा लेते और वे उसकी पहचान कर उन्हें गलत साबित करतीं। डॉक्टरों ने नताशा को कृत्रिम घुटने को पहचानने के लिए कहा, जिसे उन्होंने पहचान लिया।

टोरंटो में कनाडाई नेशनल एक्सहीबिशन सेंटर में एक कार्यक्रम में पहुंचे लोग।

तहव्वुर हुसैन राणा को झटका.....भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने मुंबई आतंकी हमले में शामिल पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर हुसैन राणा को बड़ा झटका दिया है। कैलिफोर्निया अदालत ने फैसला सुनाकर कहा कि हुसैन को दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

कोर्ट ने खारिज की अपील- अमेरिकी अपीलीय अदालत ने अपने फैसले में कहा, भारत अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को प्रत्यर्पित करने की अनुमति है। 63 वर्षीय राणा ने कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के फैसले को चुनौती देकर अमेरिका के अपीलीय न्यायालय में याचिका दायर की थी।

डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने प्रत्यर्पण की दी थी इजाजत- कोर्ट ने अब याचिका को खारिज कर दिया। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने फैसला दिया था कि आतंकवादी हमलों में उसकी कथित भागीदारी के लिए राणा को भारत को प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

आतंकी डेविड हेडली के साथ संबंध- वर्तमान में लॉस एंजिल्स जेल में बंद राणा पर 26/11 के मुंबई हमले में शामिल होने के आरोप हैं। उसके पाकिस्तानी-अमेरिकी लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली के साथ संबंध माने जाते हैं। हेडली को कई आतंकवादी घटनाओं का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है। प्रत्यर्पण आदेश की बंदी प्रत्यक्षीकरण समीक्षा के सीमित दायरे के तहत, पैनल ने माना कि राणा का कथित अपराध अमेरिका और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि की शर्तों के अंतर्गत आता है, जिसमें प्रत्यर्पण के लिए नॉन बिस इन आइडेम (दोहरा खतरा) अपवाद शामिल है।

सबसे बड़े आतंकी तो वे हैं जो इन सीटों पर बैठे हैं इतना कहते ही मचा बवाल

तुर्की संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसद भिड़े, चले लात और मुक्के

अंकारा, (एजेंसी)। तुर्की की संसद में तीखी बहस के बाद सत्तारूढ़ एकेपी पार्टी के सदस्यों और विपक्षी सांसदों के बीच जमकर मारपीट हुई। विवाद का कारण विपक्षी सांसद की ओर से अपने सहयोगी को सदन में बुलाने की मांग था, जो सरकार विरोधी प्रदर्शन के कारण जेल में बंद है लेकिन एक सांसद चुने जाने के बाद भी जेल में बंद हैं। वर्कर्स पार्टी ऑफ तुर्की (टीआईपी) के सदस्य अहमत सिक ने अपने सहयोगी कैन अटाले की रिहाई की मांग की। संसद में हुई इस मारपीट के वीडियो में दिख रहा है कि सत्ताधारी एकेपी पार्टी के सांसद मुक्का मारने के लिए दौड़ रहे हैं। दर्जनों लोग इस मारपीट में शामिल हो गए। कुछ दूसरों को रोकने की कोशिश कर रहे थे। मारपीट के बाद संसद की सफेद सीढ़ियों पर खून बिखरा दिख रहा है।

बता दें जेल में होने के बावजूद अटले को मई 2023 में सांसद चुना गया था। संसद ने उनकी सदस्यता रद्द कर दी, लेकिन एक अगस्त को संवैधानिक कोर्ट ने उनके निष्कासन को अमान्य घोषित कर दिया। सत्र के दौरान सिक ने एक तीखा भाषण देते हुए सत्तारूढ़ एकेपी पर आरोप लगाया कि वह अपने विरोधियों को आतंकी बताते हैं। उन्होंने कहा कि हमें आश्चर्य नहीं है कि आप कैन अटाले को

आतंकी कहते हैं। आप हर उस व्यक्ति को आतंकी कहते हैं जो आपका पक्ष नहीं लेता है।

सिक ने कहा कि सबसे बड़े आतंकी तो वे हैं जो इन सीटों पर बैठे हैं। उनके इतना कहते ही एकेपी सांसद भड़क गए और उन्होंने आक्रामक प्रतिक्रिया दी। झड़प के बाद डिप्टी पार्लियामेंट स्पीकर ने संसद स्थगित कर दी। तीन घंटे से ज्यादा के ब्रेक के बाद सत्र फिर शुरु हुआ। तब इसकी अध्यक्षता संसद अध्यक्ष ने की। संसद ने एक वोट में सिक को एकेपी के खिलाफ उनके बयान के लिए और एकेपी के अलपे ओजलान को सिक पर हमले के लिए फटकार लगाई। मुख्य विपक्षी पार्टी सीएचपी के नेता ओजगुर ओजेल ने कहा कि सांसदों ने महिलाओं को भी मुक्का मारा जो की शर्मनाक है।

यूनुस ने पीएम मोदी से कहा... हिंदुओं पर हमलों की रिपोर्ट को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। बांग्लादेश में नई सरकार बनने के बाद दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच यह पहली बातचीत है। बांग्लादेश सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मुख्य सलाहकार प्रोफेसर यूनुस ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी से बात की। मुख्य सलाहकार ने बांग्लादेश सरकार के मुखिया के रूप में उनके शपथ ग्रहण के बाद बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा किया। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के साथ हुई हिंसा के मामले पर भी जानकारी दी।

यूनुस ने पीएम मोदी से कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की रिपोर्ट को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। इसके लिए उन्होंने स्थिति को जांचने के लिए भारतीय पत्रकारों को देश का दौरा करने के लिए और मौके से घटना की रिपोर्टिंग करने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री मोदी के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाने पर अंतरिम सरकार के मुखिया यूनुस ने कहा कि उनकी सरकार अल्पसंख्यकों सहित देश के सभी नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में स्थिति नियंत्रण में है और देश में जनजीवन सामान्य हो रहा है। इस दौरान पीएम मोदी ने नई दिल्ली से वर्चुअली आयोजित हो रही तीसरी वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में शामिल होने के लिए यूनुस को आमंत्रित किया। मुख्य सलाहकार यूनुस ढाका से वर्चुअली सम्मेलन में शामिल होने वाले है।

पाकिस्तान को लेकर योगी ने ऐसा क्या कहा.....पूरे देश में मच गई हलचल

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारत के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान ने पाकिस्तान ने हलचल मचा दी है। योगी ने 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस के मौके पर कहा था कि पाकिस्तान का या तो भारत में विलय होगा या फिर हमेशा के लिए इतिहास से समाप्त होगा। योगी ने महर्षि अरविंद के साल 1947 में दिए गए बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान का आध्यात्मिक जगत में कोई अस्तित्व नहीं है। योगी के बयान पर भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित ने प्रतिक्रिया दी है। बासित ने पाकिस्तान के खत्म होने की भविष्यवाणी का विरोध कर कहा कि उनका देश बना रहेगा। हालांकि, बासित को योगी के बयान का मतलब ही समझ नहीं आया और ये बात उन्होंने खुद स्वीकार की। बासित ने इस्लाम को पाकिस्तान का सबसे बड़ा आधार बताया। बासित ने कहा कि योगी कह रहे हैं कि पाकिस्तान का आध्यात्मिक जगत में अस्तित्व नहीं है। बल्कि, हमारे देश का आधार ही इस्लाम है। यह आध्यात्मिक ही है। मुझे नहीं समझ पाता कि महर्षि अरविंद ने विचार कहां से लिया और अब विचार को योगी ने दोहराया है। पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक ने योगी आदित्यनाथ के बयान को अफसोसजनक बताया था।

स्वीडन अपने ही नागरिकों को देश छोड़ने के पैसे देगा

-बड़ों को 80 हजार, बच्चों को 40 हजार मिलेंगे

स्टॉकहोम (एजेंसी)। स्वीडन ने अपने ही देश के नागरिकों को देश छोड़ने के लिए ऑफर दिया है। स्वीडन की इमीग्रेशन मिनिस्टर मारिया माल्मर स्टेनगार्ड ने ये प्रस्ताव पेश किया है। स्टेनगार्ड ने कहा कि जिन्हें स्वीडन की संस्कृति पसंद नहीं है या फिर वे लोग जो यहां घुलमिल नहीं पाए हैं वे स्वीडन छोड़ सकते हैं। स्वीडन में अभी भी देश छोड़ने पर पैसे दिए जाते हैं। पहले विदेश से आकर स्वीडन में बसने वाले नागरिकों पर ही ये नियम लागू होता था, लेकिन नए प्रावधान के तहत जन्मजात नागरिकों पर भी ये नियम लागू होगा।

मौजूदा नियमों के मुताबिक यदि कोई स्वीडिश नागरिक देश छोड़ता है तो उसे 10 हजार स्वीडिश क्रोन (80 हजार रुपए) मिलते हैं। बच्चों को देश छोड़ने पर 40 हजार रुपए मिलते हैं। इसके अलावा उन्हें किराए के पैसे भी मिलते हैं। ये पैसा उन्हें एक बार में ही देश छोड़ने से पहले मिल जाता है।

50 सालों में पहली बार देश छोड़ने वाले लोग बढ़े

नए प्रस्ताव के मुताबिक, अब इसमें देश के सभी नागरिकों को शामिल किया जाएगा। देश छोड़कर जाने वालों को और अधिक पैसे देने और इसे बढ़ाकर 14,800 डॉलर (करीब 12 लाख रुपए) करने पर विचार हुआ था, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया। सरकार का कहना है कि अगर देश छोड़ने पर पैसे बढ़ाए गए तो इससे संदेश जाएगा कि स्वीडन लोगों को पसंद नहीं करता। हैरानी की बात ये है कि स्वीडन में ये प्रस्ताव तब पास हुआ है जब देश छोड़ने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई है।

कारोबारी व्यापार शुरु करने शहबाज सरकार पर बना रहे दबाव, भारत नहीं दे रहा भाव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान को भारत भाव नहीं दे रहा है जिससे शहबाज सरकार बौखला गई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत के साथ कोई भी द्विपक्षीय बातचीत नहीं हो रही है। फिर चाहे यह पर्दे के पीछे से हो या आमने सामने से। भारत के साथ यापार को फिर से बहाल करने पर भी कोई बातचीत नहीं हो रही है। इससे पहले नवाज शरीफ से लेकर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ तक भारत से फिर से बातचीत शुरू करने के लिए कहा जा चुका है। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि भारत में मोदी के तीसरी बात पीएम बनने के बाद बातचीत शुरू होगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

पाकिस्तान के कई कारोबारी कह चुके हैं कि भारत के साथ व्यापार को फिर से शुरू किया जाए। पाकिस्तान के

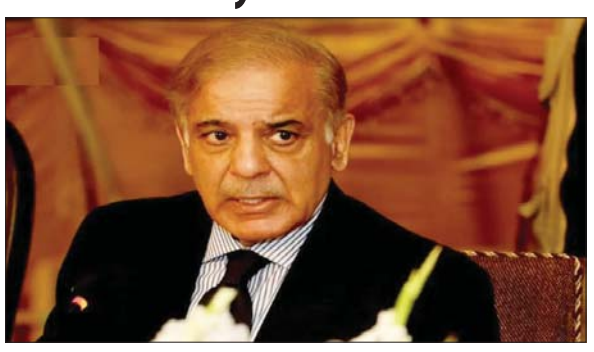

विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने धारा 370 का मुद्दा उठाया और मांग की कि भारत इसे बहाल करे। उन्होंने कहा कि भारत के धारा 370 खत्म करने के बाद ही उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार को बंद किया है। उन्होंने कहा कि यह हालात अभी भी वैसे ही बने हुए हैं। बलोच ने कहा कि इस समय भारत के साथ व्यापार को फिर से बहाल करने को लेकर कोई बातचीत नहीं हो रही है।

वहीं भारत ने कहा है कि जब तक कश्मीर में आतंकवादियों को पाकिस्तान भेजना बंद नहीं करता है, उसके साथ कोई बातचीत नहीं होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच फरवरी 2021 में सीजफायर समझौता हुआ था जो अभी तक है। पाकिस्तानी की ओर से भेज आतंकियों ने इन दिनों जम्मू और कश्मीर में काफी हमले किए हैं। इन हमलों में कई जवान शहीद हो गए हैं।

बलोच ने भारतीय सेना की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए और दुनियाभर के देशों से मांग की कि वे कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर के लोगों को अपना समर्थन देना जारी रखेगा। इससे पहले नवाज शरीफ ने भी पीएम मोदी को बधाई देते हुए शांति की बात कही थी। वहीं आतंकियों के हमले के बीच भारत ने कड़ा जवाब देना जरुरी समझा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने पिछले दिनों इशारों में भारत को धमकी दी थी।

हमास ने संघर्ष विराम के प्रस्ताव को खारिज किया... बाइडेन की कटूनीति पर फिरा पानी

गाजा (एजेंसी)। हमास ने कहा कि गाजा में संघर्ष विराम के प्रस्ताव में नई शर्तों को खारिज कर दिया है, जिसे कतर में दो दिनों की वार्ता के दौरान अमेरिकी नेतृत्व वाले मध्यस्थों ने पेश किया था। 10 माह से जारी युद्ध में झेली गई पीड़ा को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास अब तक विफल रहे हैं, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वार्ता के नवीनतम दौर पर कहा कि हम पहले से कहीं ज्यादा करीब हैं। विदेश विभाग ने कहा कि वह नवीनतम प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए सप्ताहांत अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को इजरायल भेज रहे हैं।

मिस्र, कतर और अमेरिकी मध्यस्थ मई में बाइडेन द्वारा शुरू में रेखांकित किए गए ढांचे के विवरण को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे उन्होंने कहा कि इजरायल ने प्रस्तावित किया था। एक संयुक्त बयान में, मध्यस्थों ने कहा कि उन्होंने दोनों पक्षों को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है जो शेष अंतराल को पाटता है और आने वाले दिनों में मानवीय प्रावधानों और बंधक-कैदियों की अदला-बदली पर बारीकियों को सुलझाने के लिए काम करना जारी रखेगा। एक त्वरित सौदे को सुरक्षित करने के उद्देश्य से वार्ता अगले सप्ताह के अंत से पहले काहिरा में फिर से शुरू होने वाली है। हमास, जो दोहा वार्ता में शामिल नहीं हुआ था, ने नवीनतम योजना में इजरायल की ओर से नई शर्तों के विरोध की घोषणा की। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मध्यस्थों से हमास पर बाइडेन के ढांचे को स्वीकार करने के लिए दबाव डालने का आह्वान किया।ईरान और उसके सहयोगियों द्वारा इजरायल पर हमला करने की धमकियों ने गाजा युद्धविराम को समाप्त करने के प्रयासों में नई तत्परता ला दी है, मध्यस्थ व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष को समाप्त करने की उम्मीद में एक समझौते की मांग कर रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने चेतावनी दी, क्षेत्र में किसी को भी इस प्रक्रिया को कमजोर करने के लिए कार्रवाई नहीं करनी चाहिए।

बिहार में नदियों में बढ़ा प्रदूषण.... एनजीटी ने लगा दी फटकार

नई दिल्ली । राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने बिहार में प्रदूषित नदी क्षेत्र के बढ़ने का उल्लेख कर अपर्याप्त सीवेज शोधन सुविधाओं को लेकर सख्त कार्रवाई नहीं करने के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के प्रति असंतोष व्यक्त किया है। हरित अधिकरण बिहार में गंगा सहित विभिन्न नदियों के प्रदूषण को लेकर प्रकाशित खबर का स्वत-संज्ञान लेने के बाद शुरू किए मामले की सुनवाई कर रहा था। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने पिछले सप्ताह पारित आदेश में कहा था कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने नौ अगस्त को एक रिपोर्ट दाखिल की थी। मौजूदा सीवेज शोधन संयंत्रों (एसटीपी) की क्षमता का उपयोग एक मुद्दा बना हुआ है और कुछ स्थापित बुनियादी ढांचे को अभी तक चालू नहीं किया गया है। पीठ में न्यायिक सदस्य अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट से पता चला है कि बिहार में नदियों के प्रदूषित क्षेत्रों का रकबा समय के साथ बढ़ा है। न्यायाधिकरण ने अपनी नाराजगी जाहिर कर कहा, बिहार में कोई उचित सीवेज उपचार सुविधा मौजूद नहीं है और पर्याप्त एसटीपी नहीं हैं तथा प्रदूषित हिस्सों का क्षेत्रफल भी बढ़ रहा है, लेकिन एनएमसीजी द्वारा कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है। मामले को आगे की कार्यवाही के लिए 25 नवंबर के लिए स्थगित कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में युवाओं की नई फौज खड़ी करेगी भाजपा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा का चुनाव यहां से नहीं लड़ा था। विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने एक नई रणनीति तैयार की है। जम्मू कश्मीर की राजनीति कुछ ही परिवारों के हाथ में है। भारतीय जनता पार्टी 25 से 40 वर्ष के युवा जो किसी भी राजनीतिक परिवार से नहीं जुड़े होंगे। उनके युवा और युवतियों को चुनाव मैदान में उतारकर, परिवारवादी नेताओं को चुनौती देगी। भाजपा प्रत्येक विधानसभा चुनाव में एक प्रभारी नियुक्त करेगी। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का कहना है, इस बार पार्टी कश्मीर घाटी में भी पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए अनुभवी नेताओं की एक टीम तैयार की है। जो घाटी की संस्कृति के अनुसार चुनाव लड़ने की रणनीति तैयार करेगी। केंद्र सरकार की योजनाओं का जो लाभ जम्मू कश्मीर में दिया गया है। उसका प्रचार प्रसार करेगी। जम्मू कश्मीर की राजनीति में परिवार वादियों के मुकाबले एक नई फौज भाजपा खड़ी करने जा रही है। जो पूरी तरह से युवा होगी।

जब स्पाइसजेट ने विलंबित उड़ान रद्द कर दी, 8 घंटे तक फंसे रहे यात्री

मुंबई, । मुंबई से दरभंगा जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी 115 में सवार यात्रियों को शुक्रवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करीब आठ घंटे तक फंसे रहने पड़ा. हद तो तब हो गई जब उक्त उड़ान को रद्द कर दिया गया. दरअसल शुक्रवार सुबह 7.45 बजे रवाना होने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट में पहले तकनीकी समस्या के कारण देरी हुई और बाद में दोपहर 2 बजे के आसपास उसे रद्द कर दिया गया, जिससे यात्री परेशान और भ्रम की स्थिति में रह गए. प्रभावित यात्रियों, जिनमें से कई दरभंगा की यात्रा करने वाले परिवार थे, ने आरोप लगाया कि एयरलाइन ने उन्हें घंटों तक अकेला छोड़ दिया और फ्लाइट की स्थिति के बारे में बहुत कम जानकारी दी. फंसे हुए यात्रियों के अनुसार, देरी के शुरुआती घंटों के दौरान कोई नाश्ता नहीं दिया गया. यात्रियों में से एक ने कहा, 'हम सुबह से ही एयरपोर्ट के अंदर फंसे रहे और एयरलाइन की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई. यह बहुत ही परेशान करने वाला अनुभव रहा.' यात्रियों को यह और भी आश्चर्यजनक लगा कि एयरलाइन के ग्राउंड स्टाफ को पता चलने से पहले ही उन्हें फ्लाइट के रद्द होने के बारे में पता चल गया. उधर स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि, हमने सभी प्रभावित यात्रियों को 17 अगस्त को सुबह 8 बजे निर्धारित एक अतिरिक्त उड़ान में बुक कर दिया है. देरी के दौरान दो बार जलपान उपलब्ध कराया गया और मुंबई से बाहर के यात्रियों के लिए आवास की व्यवस्था की गई.

पत्नी इतनी हुई नाराज सहेलियों के साथ मिलकर काट डाला पति का प्राइवेट पार्ट

गोरखपुर। अक्सर देखने में आता है पत्नियां अपने पति से छोटी छोटी बातों को लेकर नाराज हो जाती हैं लेकिन वह ऐसा कदम उठा लेंगी जिससे पति की जान पर बन आए। ऐसा मामला यूपी के गोरखपुर में सामने आया है जहां एक पति को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करना भारी पड़ गया। पत्नी ने पति की हरकतों से परेशान होकर अपनी सहेलियों की मदद से पति का प्राइवेट पार्ट ही काट डाला। घायल पति जान छुड़ाकर अस्पताल पहुंचा, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं घटना को लेकर गांव में खूब चर्चाएं हो रही हैं। मामला गोला थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को पत्नी अपने पति की हरकतों और तानों से इतनी नाराज हो गई कि उसने फैसला कर लिया कि आज आर या फिर पार। उसने अपनी सहेलियों के साथ योजना बनाकर पति को पकड़ लिया और उसके प्राइवेट पार्ट ही ब्लेड से काट डाला। पति खून से लथपथ घायल अवस्था में किसी तरह जान बचाकर अस्पताल पहुंचा। पीड़ित पति ने बताया कि उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था, जिसकी वजह से वह उसे ताने मरता था। शुक्रवार सुबह इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। पति गुस्से में ड्यूटी पर चला गया। यह बात उसकी पत्नी को नागवार गुजरी उसने अपनी दो सहेलियों को बुलाया और तीनों ने मिलकर योजना बनाई। पति जब घर वापस लौटा तो उसे धक्का देकर पटक दिया फिर उसके कपड़े उतारकर उसका प्राइवेट पार्ट ब्लड से काट दिया। पति चिल्लाता रहा लेकिन पत्नी ने जो सोचा था वह कर दिया। पुलिस का कहना है कि मामला संज्ञान में है। पीड़ित की शिकायत पर जांच की जा रही है। जांच के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी, उसके बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक बार फिर गरजे बाबा, एलोपैथी दवाओं से करोड़ों की मौत

हरिद्वार । बाबा रामदेव ने एक बार फिर एलोपैथी दवाओं पर विवादित बयान दिया है। पतंजलि योगपीठ में 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते

हुए,बाबा रामदेव ने कहा एलोपैथी की जहरीली दवाइयां खाकर करोडों मरीजों की मौत हो चुकी है। बाबा रामदेव ने कहा,अंग्रेजों ने दुनिया भर में शासन करने के लिए लोगों का कत्ल किया है। जहरीली सिंथेटिक दवाइयां खाकर करोड़ों लोग मर चुके हैं। बाबा रामदेव ने कहा, अब चिकित्सा की स्वाधीनता के लिए आंदोलन चलाने की जरूरत है। बाबा रामदेव ने एलोपैथी दवाओं के साइड इफेक्ट पर बोलते हुए, एलोपैथी दवाई को जहरीली दवाई बताया है। उल्लेखनीय है,बाबा रामदेव को एलोपैथी दवाओं के बारे में पहले भी गलत बयान देने पर न्यायालय में मामला चल चुका है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने यह मामला बंद किया है। उसके बाद एक बार फिर बाबा ने एलोपैथी दवाइयों के विरोध में मुहिम छेड़ दी है।

मुंबई में राहुल गांधी की सभा पर ट्रैफिक पुलिस ने आपत्ति जताई

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की सभा पर ट्रैफिक पुलिस ने आपत्ति दर्ज की है. पुलिस ने दावा किया है कि इस सभा से ट्रैफिक जाम हो जाएगा. दरअसल राहुल गांधी की सभा 20 अगस्त को बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के फटाका मैदान में होगी. ट्रैफिक पुलिस ने हाल ही में बंद हुए सायन आरओबी का हवाला देते हुए इस सभा पर आपत्ति जताई. उन्होंने यह आपत्ति एमएमआरडीए में दर्ज कराई है। पुलिस ने कार्यालय दिवस पर कांग्रेस की बैठक होने के कारण बड़े ट्रैफिक जाम की आशंका व्यक्त की है। बहरहाल इस आपत्ति पर कांग्रेस पार्टी क्या निर्णय लेती है वो आने वाले समय में पता चलेगा।

मंकीपॉक्स पर एक्शन में मोदी सरकार, जेपी नड्डा ने की स्थिति की समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार (17 अगस्त) को कहा कि भारत में फिलहाल मंकीपॉक्स का कोई मामला नहीं है, हालांकि, बीमारी के प्रसार को रोकने और नियंत्रित करने के लिए एहतियाती उपाय किए जाएंगे। दिन में आयोजित समीक्षा बैठक में, हालांकि आने वाले हफ्तों में कुछ आयातित मामलों का पता चलने की संभावना को पूरी तरह से खारिज नहीं किया गया, लेकिन यह आकलन किया गया कि वर्तमान में भारत के लिए निरंतर संचरण के साथ बड़े पैमाने पर प्रकोप का जोखिम कम है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि डब्ल्यूएचओ ने 2022 में पहली बार इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था, तब से भारत में कुल 30 मामले सामने आए हैं, जिनमें से आखिरी मामला इस मार्च में सामने आया था। बयान में कहा गया है कि भारत में अभी तक मंकीपॉक्स का कोई मामला सामने नहीं आया है। मंत्रालय द्वारा स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने स्थिति और तैयारियों के बारे में अपने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 14 अगस्त को फिर से मंकीपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया।

यह निर्णय लिया गया कि सावधानी के तौर पर सभी हवाई अड्डों, बंदरगाहों और ग्राउंड क्रॉसिंग पर स्वास्थ्य इकाइयों को संवेदनशील बनाने; परीक्षण प्रयोगशालाओं (32) को तैयार करने; किसी भी मामले का पता लगाने, उसे अलग करने और उसका प्रबंधन करने के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को तैयार करने जैसे कुछ उपाय किए जाएँगे। बैठक में, यह नोट किया गया कि मंकीपॉक्स संक्रमण आमतौर पर 2-4 सप्ताह तक चलने वाला स्व-सीमित होता है और रोगी आमतौर पर सहायक प्रबंधन के साथ ठीक हो जाते हैं।

बयान में कहा गया है कि संक्रमण के लिए संक्रमित मामले के साथ लंबे समय तक निकट संपर्क की आवश्यकता होती है और यह आमतौर पर यौन मार्ग, शरीर/घाव द्रव के साथ सीधे संपर्क या संक्रमित व्यक्ति के दूषित कपड़े/लिनन के माध्यम से होता है। डब्ल्यूएचओ की 2022 की घोषणा मई 2023 में रद्द कर दी गई थी। 2022 से, डब्ल्यूएचओ ने वैश्विक स्तर पर 116 देशों से मंकीपॉक्स के कारण 99,176 मामले और 208 मौतों की सूचना दी है।

लालू यादव विदेश दौरे पर जाएंगे

पटना । राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव फिर विदेश दौरे पर सिंगापुर जाएंगे। वे गुरुवार सुबह अपनी पत्नी एवं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के साथ पटना से दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली में उनका रूटीन हेल्थ चेकअप होगा। इसके बाद वहां से सिंगापुर के लिए रवाना होंगे। सिंगापुर में उनका रूटीन चेकअप किया जाएगा। बता दें कि दिसंबर 2022 में लालू का किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था। उनकी बेटी रोहिणी आचार्या अपने पति एवं बच्चों के साथ सिंगापुर में रहती हैं। रोहिणी ने अपने पिता को किडनी दान की थी। इसके बाद इस साल हुए लोकसभा चुनाव में रोहिणी ने सक्रिय राजनीति में एंट्री की और सारण सीट से आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ा। हालांकि राजीव प्रताप रूडी से उन्हें हार का सामना करना पड़ा। चुनाव खत्म होने के बाद वे वापस सिंगापुर लौट गईं लेकिन उन्होंने जल्द ही सारण आने की बात कही है। 5 दिसंबर 2022 को आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की सिंगापुर के माउंट एलिजाबेथ अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था। यह सर्जरी सफल हुई थी। इसके बाद कुछ महीनों तक लालू ने घर में रहकर आराम किया एवं डॉक्टरों की सलाह पर सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखी। अब लालू यादव स्वस्थ हैं हालांकि डॉक्टर्स ने उन्हें समय-समय पर रूटीन चेकअप की सलाह दी है। इसी सिलसिले में वे फिर से सिंगापुर जा रहे हैं।

बिहार में फिर गिरा पुल, सुलतानगंज-अगुवानी के बीच बन रहा था फोरलेन पुल

-सरकार का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सवालों के घेरे में, कुछ महीनों में ही होना था चालू

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार के भागलपुर के सुलतानगंज-अगुवानी गंगा नदी पर बन रहे फोरलेन पुल का सुपर स्ट्रक्चर फिर धराशायी हो गया। घटना के बाद बिहार सरकार का ये खास प्रोजेक्ट अब सवालों के घेरे में आ गया है। पुल बनाने वाली कंपनी अगले कुछ ही महीनों में इसे चालू करने का दावा कर रह थी। ऐसे में ये पुल चालू हो जाता तो कितना बड़ा हादसा हो सकता था। इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

शनिवार सुबह के करीब 7 बजे कुछ ही सेकेंड में यह पुल नदी में भरभरा कर गिर गया। करोड़ों की लागत से बन रहा यह पुल गंगा नदी में समा गया। वहीं नीतीश सरकार सालों से विकास के जो दावे करती आ रही है, उस पर अब सवाल उठने लगे हैं।

बता दें, यहां पर पुल गिरने की घटना यह तीसरी बार हुई है। पहली घटना 30 अप्रैल 2022 को सुबह हुई थी जब पाया संख्या 4 और 6 को जोड़ने वाली करीब 36 सेंगमेंट हवा के झोंके में तास के पत्ते की तरह बिखर गई। दूसरी बार 5 जून 2023 की शाम करीब 6 बजे पाया संख्या 11,12,13 को जोड़ने वाले सुपर स्ट्रक्चर नदी में गिर गए। यह तीन साल में तीसरी घटना है। वहीं तीसरी बार जब आज शनिवार को पाया संख्या 9 का सुपर स्ट्रक्चर एक बार फिर गिर गया।

बता दे 1750 करोड़ की लागत से सुल्तानगंज-अगुवानी के बीच गंगा नदी पर बन रहे इस पुल का निर्माण एसपी सिंघला कंस्ट्रक्शन कंपनी कर रही है। कंपनी का कहना था कि वह अगले साल तक पुल चालू कर देगी लेकिन अब पुल गिरने की घटना ने कंपनी के निर्माण कार्य पर ही सवालिया निशान लगा दिया है। वहीं इस मामले में पुल निर्माण निगम ने सफाई दी है। निगम ने कहा है कि जो स्ट्रक्चर गिरा वह पहले क्षतिग्रस्त भाग का ही हिस्सा था। सभी को हटाने के निर्देश दिए थे। हटाने के चलते क्षतिग्रस्त भाग का एक हिस्सा गिर गया। गंगा में बढ़े जलस्तर और तेज बहाव के कारण एक हिस्सा गिरा है। यहां कोई नया कार्य नहीं कराया जा रहा था।

विरोध रैली पर बीजेपी ने किया कटाक्ष, किसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहीं हैं ममता?

सीएम बोलीं- मैं राजनीति करती हूं, लेकिन पहले मैं मानवतावादी हूं

कोलकाता(एजेंसी)। बीजेपी ने कोलकाता के सरकारी अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और हत्या मामले में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की विरोध रैली को लेकर उन पर कटाक्ष किया है। केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल बीजेपी प्रमुख सुकांत मजूमदार ने ममता पर निशाना साधते हुए कहा कि वह खुद सीएम, गृह मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री हैं, फिर वह किसके खिलाफ रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन कर रही थीं?

मजूमदार ने कहा कि बनर्जी की सरकार निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के बजाय इस जघन्य अपराध पर राजनीति कर रही हैं। उन्होंने टीएमसी पर न्याय मांगने वाली बीजेपी को रोकने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हम उन्हें यकीन दिलाते हैं कि यह आंदोलन नहीं रुकेगा और हम अपना विरोध जारी रखेंगे। बीजेपी महिला विंग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल मिश्रा ने भी सीएम पर निशाना साधा। उन्होंने ममता को ड्रामा क्वीन बताते देते हुए कहा कि ममता ने कानून को गड्ढे में दफना दिया है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के खिलाफ विरोध मार्च निकाला था। उन्होंने पीड़िता के लिए न्याय और आरोपियों को फांसी की सजा की मांग की थी। बनर्जी के साथ आए टीएमसी कार्यकर्ताओं ने आरोपियों को फांसी पर लटकाने के नारे लगाए। अस्पताल के सेमिनार हॉल में 9 अगस्त को महिला पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी गई थी।

सीएम ममता ने कहा कि उनकी सरकार चाहती है कि सच्चाई सामने आए और वामपंथी और बीजेपी के बीच की सांठगांठ को उजागर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग लोगों को गुमराह करने के लिए झूठ फैला रहे हैं। मैं पूरी रात जागती रही, क्योंकि मेरा सीना जल रहा था। जब बुद्धबाबू की मृत्यु हुई, तो मैं उनके घर गई थी। मैं राजनीति करती हूं, लेकिन मैं पहले मानवतावादी हूं।

पीडीए अपराधी को छिपाने का मुखौटा : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने महिलाओं के खिलाफ अपराध की हालिया घटनाओं पर विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का पीडीए परिवारवादियों, दबंगों और अपराधियों को छिपाने का मुखौटा है। पिछले लोकसभा चुनाव से पहले सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए का नारा दिया था जिसमें पी पिछड़े, डी दलित और और ए अल्पसंख्यक के लिए है क्योंकि ये वर्ग पार्टी के लिए वोट के आधार है। त्रिवेदी ने यहां पार्टी मुख्यालय में मीडया से कहा पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) का नारा देने वाले अखिलेश यादव से मैं कहना चाहता हूं कि पीडीए मुखौटा है और इनका असली चेहरा परिवारवादी, दबंग और अपराधी है। यह समाजवादी पार्टी का असली चेहरा है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि दबंग और अपराधी की मदद से परिवारवादी के लिए सत्ता हासिल करना ही सपा का असली डीएनए है। त्रिवेदी ने अयोध्या में एक नाबालिग के साथ कथित सामूहिक बलात्कार की घटना का जिक्र किया जिसे भाजपा नेता सपा का हाथ होने का दावा करते हैं। उन्होंने सपा के एक पूर्व सदस्य द्वारा नाबालिग लड़की के साथ कथित बलात्कार की कोशिश का मामले का जिक्र किया। भाजपा नेता ने कोलकाता में मेडिकल छात्रा के साथ कथित बलात्कार और हत्या के हालिया मामले का जिक्र किया। त्रिवेदी ने कहा कि एक खास मानसिकता ने आपराधिक तत्वों को ऐसी घटना के बाद घटनास्थल पर तोड़फोड़ कर साजिश के तहत सबूतों को नष्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

राहुल गांधी ने मणिपुर को लेकर फिर बनाया दबाव... क्या पीएम मोदी दौरे पर जाएंगें

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फंसाने की पूरी कोशिश की है। वे पहले वायनाड गए, तब पीएम मोदी को भी वहां जाना पड़ा। अब राहुल गांधी ने दिल्ली में रह रहे मणिपुर के लोगों से मुलाकात की। राहुल गांधी ने पीएम मोदी से अपील कर कहा कि उन्हें वहां का दौरा करना चाहिए। सवाल ये उठ रहे कि क्या राहुल के दबाव में पीएम मोदी मणिपुर का दौरा कर सकते हैं, ये सवाल इसलिए क्योंकि कांग्रेस की ओर से लगातार मणिपुर हिंसा का मुद्दा उठाया जाता रहा है।

राहुल गांधी ने जुलाई में मणिपुर दौरे के दौरान हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की थी। तब उन्होंने पीएम मोदी से मणिपुर का दौरा करने की अपील की थी। अब उन्होंने दिल्ली में मणिपुर के लोगों से मुलाकात कर पीएम मोदी पर फिर दबाव बनाने की कोशिश की है।

राहुल गांधी ने एक पोस्ट लिखकर कहा कि मैं दिल्ली में रह रहे मणिपुरी लोगों के एक समूह से मिला, जिन्होंने अपने क्षेत्र में संघर्ष, प्रियजनों से अलग होने के दर्द और हिंसा के कारण उनके समुदायों पर पड़ने वाले शारीरिक और मानसिक बोझ के बारे में बात की। राहुल गांधी ने मणिपुर के लोगों का दर्द बयां किया। साथ ही प्रधानमंत्री से वहां की फिर अपील कर दी। मणिपुर में बीते एक साल से हालात गंभीर बने हुए हैं। इसके बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर का एक भी दौरा नहीं किया। इस लेकर लगातार सवाल खड़े किए जाते रहे हैं। इतना ही नहीं कई मौकों पर उन्होंने प्रधानमंत्री से मणिपुर दौरे का आग्रह भी किया। हालांकि, अभी तक पीएम मोदी ने मणिपुर का दौरा नहीं किया है।

राहुल गांधी ने कहा था कि प्रधानमंत्री को मणिपुर का दौरा करना चाहिए और लोगों की पीड़ा सुननी चाहिए, इससे उन्हें राहत मिलेगी। विपक्ष में होने के नाते मैं सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा कि वे मणिपुर पर फोकस बढ़ाएं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जुलाई में मणिपुर दौरे के दौरान हिंसा पीड़ितों से मुलाकात भी की थी।

सिद्धारमैया के खिलाफ चलेगा केस, राज्यपाल के फैसले को दी जाएगी कानूनी चुनौती

बेंगलुरु (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ कर्नाटक के राज्यपाल द्वारा कथित मुदा घोटाले में मुकदमा चलाने की अनुमति देने को लेकर राजनीति तेज हो गई है। भाजपा पूरे मामले में जबरदस्त तरीके से हमलावर है। हालांकि, पूरे मामले को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि पूरा मंत्रिमंडल, पार्टी हाईकमान, सभी विधायक, एमएलसी, लोकसभा और राज्यसभा सांसद मेरे साथ हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के राज्यपाल का फैसला संविधान विरोधी और कानून के खिलाफ है। राज्यपाल के फैसले को अदालत में चुनौती दी जाएगी।

वहीं कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का भी बयान सामने आया है। डीके ने कहा कि यह पूरी तरह से असंवैधानिक और कानून के खिलाफ है। सीएम सिद्धारमैया के नेतृत्व में एक मजबूत सरकार है। वे (बीजेपी) राज्यपाल के कार्यालय का उपयोग करके सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मेरे सीएम किसी दबाव में नहीं आएंगे। उनके इस्तीफा देने का कोई सवाल ही नहीं है। हम सब एकजुट हैं, पूरी पार्टी उनके साथ खड़ी है।

सीएम का बचाव कर डीके ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ भी गलत नहीं किया है। यह पूरी तरह से एक राजनीतिक मुद्दा है। राज्यपाल के कार्यालय का इस बीजेपी सरकार द्वारा दुरुपयोग किया गया है...हम इसके खिलाफ कानूनी तरीके से लड़ने को तैयार है। हमें इस देश के कानून पर पूरा भरोसा है और मेरी सरकार की रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि हम सीएम सिद्धारमैया के साथ खड़े हैं। पार्टी, हाईकमान और पूरा राज्य और मंत्रिमंडल उनके साथ खड़ा है। जो भी नोटिस और मंजूरी दी गई है, वह कानून के खिलाफ है। हमने कानूनी तौर पर

इसका मुकाबला करने की पूरी तैयारी कर ली है, यह पिछड़े वर्ग के सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ एक स्पष्ट साजिश के अलावा और कुछ नहीं है, जो दूसरी बार सरकार चला रहे हैं।

दरअसल राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मैसुरू शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन 'घोटाले' के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। राजभवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। यह फैसला टी जे अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा की ओर से दायर तीन अर्जी पर आधारित है।''

मौसम का हाल: राजस्थान समेत कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र विकसित हुआ है, जिससे पूर्वी राज्यों में भारी बारिश होने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम में कम दबाव का क्षेत्र बना है, जो पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के समीपवर्ती क्षेत्रों तक फैल रहा है। माना जा रहा है कि यह कम दबाव का क्षेत्र अगले 2-3 दिनों में गंगीय पश्चिम बंगाल और झारखंड से गुजरते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ सकता है। ऐसे में बारिश की गतिविधियों में इजाफा होगा। वहीं देश के पश्चिमी, उत?तरी और पूर्वी हिस?सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून एक्टिव होने की वजह से इन दिनों बिहार, झारखंड, ओडिशा, गुजरात, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल?ली-एनसीआर में हल्की से मध?यम और कुछ जगहों पर तेज बारिश हो रही है। पूर्वोत?तर के राज?यों में भी मूसलाधार बारिश रिकॉर्ड की गई है। इस बीच मौसम विभाग ने कुछ राज?यों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है।

वहीं, मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, समुद्र तल पर मॉनसून ट्रफ अब गंगानगर, दिल्ली, लखनऊ, सुल्तानपुर, गया, बांकुरा, दीघा और वहां से पूर्व-दक्षिणपूर्व वार्डों से होकर पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। एक चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण बांग्लादेश और उससे सटे गंगीय पश्चिम बंगाल पर बना हुआ है, जो औसत समुद्र तल से 4.5 किमी ऊपर तक फैला हुआ है और ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है। इसके प्रभाव से उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल के आसपास के इलाकों में एक कम दबाव का क्षेत्र बना है। जो अगले 2 से 3 दिनों के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल और झारखंड में पश्चिम उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ सकता है। स्काईमेट ने अगले 24 घंटों के दौरान, पश्चिमी राजस्थान, तेलंगाना और ओडिशा में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक या दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा झारखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, गुजरात के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है।

पूर्वानुमान के मुताबिक लो प्रेशर और साइक?लोनिक सिस?टम बनने के चलते ओडिशा और आस-पास के कुछ प्रदेशों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। ऐसे में शासन और प्रशासन को अलर्ट किया गया है। ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और आस-पास के हिस्सों में रहने वाले लोगों को मौसम पूर्वानुमानों से अपडेट रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी

के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने की वजह से शुक्रवार को ओडिशा के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। आईएमडी ने 2-3 दिनों में पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की है।ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) ने कहा कि बालासोर, भद्रक, मयूरभंज और केंद्रपाड़ा में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है और निचले इलाके जलमग्न हो सकते हैं।